वर्ष : 3 अंक: 96 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शुक्रवार, 26 नवम्बर 2021

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

मोदी ने जेवर एयरपोर्ट का किया शिलान्यास, पूर्ववर्ती सरकारों पर स्वार्थ की राजनीति करने का लगाया आरोप

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के जेवर इलाके में पड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानतल की आधारशिला रखते हुए केंद्र व यूपी की पूर्ववर्ती सरकारों पर स्वार्थ की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होने कहा राज्य के पश्चिमी हिस्से के विकास को नजर अंदाज किया गया है।

मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए दावा किया उनकी राष्ट्र भक्ति के आगे कुछ राजनीतिक दलों की स्वार्थ नीति कभी नहीं टिक सकती।

प्रधानमंत्री ने विमानतल की आधारशिला रखने के बाद वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों ने कैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नजरअंदाज किया, उसका जीता-जागता उदाहरण जेवर विमानतल है।

मोदी ने कहा कि इस एयरपोर्ट का सपना दो दशक पहले बीजेपी की सरकार ने देखा था लेकिन बाद की दिल्ली व लखनऊ की सरकारों की खींचतान में यह उलझा रहा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने तो बाकायदा चिट्ठी लिखकर तत्कालीन

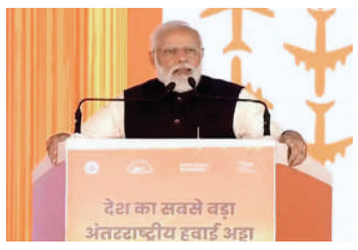

केंद्र सरकार को इस परियोजना को बंद करने को कह दिया था। उन्होंने कहा, अब 'डबल इंजन' की सरकार के प्रयासों से आज हम उसी विमानतल के भूमिपूजन के साक्षी बन रहे हैं। विपक्षी दलों पर प्रधानमंत्री ने स्वार्थ को सर्वोपरि रखने का आरोप लगाया और कहा कि इसके उलट भाजपा-नीत सरकारों का मंत्र सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास-सबका प्रयास रहा है।

विगत एक महीने में देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए विकास योजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक आधुनिक परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा, यही गति, यही प्रगति एक सक्षम और सशक्त भारत की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना विकास उनके लिए राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति का हिस्सा है और उनकी सरकार सुनिश्चित करती है कि ऐसी परियोजनाएं अटके, लटके और भटके नहीं और वह समयसीमा में पूरी हों। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने जिस उत्तर प्रदेश को अभाव और अंधकार में बनाए रखा और उसे हमेशा 'झूठे सपने' दिखाए, वही राज्य आज राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि आजादी के सात दशक बाद पहली बार उत्तर प्रदेश को वह सब मिलना शुरू हुआ है, जिसका वह हमेशा से हकदार रहा है। उन्होंने कहा, डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से आज उत्तर प्रदेश, देश में संपर्क के सबसे बेहतर क्षेत्र में परिवर्तित हो रहा है। नोएडा विमानतल के तैयार हो जाने के बाद उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय विमानतलों वाला देश का एकमात्र राज्य बन जाएगा।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित थे। विमानतल का शिलान्यास करने से पहले प्रधानमंत्री ने आदित्यनाथ और सिंधिया के साथ परियोजना के एक मॉडल का अवलोकन किया और इससे संबंधित एक लघु फिल्म भी देखी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि जेवर विमानतल के बन जाने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई मिलेगी और यहां के किसानों द्वारा पैदा किए गए गन्ने की मिठास को अंतरराष्ट्रीय उड़ान मिलेगी। करीब 1,330 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस विमानतल से सितंबर, 2024 तक उड़ानों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। इसके पहले चरण को 10,050 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से पूरा किया जाना है। नागर विमानन मंत्रालय के मुताबिक, परियोजना का पहला चरण पूरा होने के बाद इस विमानतल से सालाना 1.2 करोड़ यात्री हवाई यात्रा कर सकेंगे। विकास के सभी चारों चरण पूरे होने के बाद यह क्षमता बढ़कर सात करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी। यह देश का पहला निवल शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो एमिशन) विमानतल भी होगा। इस विमानतल की एक और खासियत यह होगी कि इसकी परिकल्पना भारत में पहले एकीकृत मल्टी मॉडल कार्गो केंद्र के रूप में की गई है।

एचबीटीयू को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए : राष्ट्रपति कोविंद

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) जैसे संस्थानों को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए। राष्ट्रपति आज कानपुर में हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एचबीटीयू को तेल, पेंट, प्लास्टिक और खाद्य प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उसके योगदान के लिए जाना जाता है। इस संस्थान का एक गौरवशाली इतिहास है, जो 20वीं सदी के प्रारंभ से ही देश में हो रहे औद्योगिक विकास से जुड़ा है।

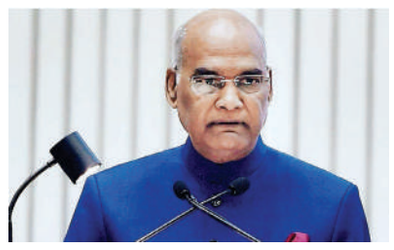

एचबीटीयू द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रौद्योगिकी और मानव संसाधनों का कानपुर को 'मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट', 'लैदर सिटी ऑफ वर्ल्ड' तथा 'औद्योगिक हब' के रूप में प्रसिद्धि दिलाने में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब एचबीटीयू अपनी शताब्दी समारोह मना रहा है, देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है। वर्ष 2047 में जब पूरा देश स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब एचबीटीयू अपनी स्थापना की 125 वर्ष पूरे कर रहा होगा। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में एचबीटीयू की मौजूदा 166वीं रैंकिंग की ओर इशारा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि एचबीटीयू के सभी हितधारकों का यह प्रयास होना चाहिए कि वर्ष 2047 तक यह विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 25 संस्थानों में स्थान हासिल करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करना होगा। उन्हें विश्वास है कि सभी हितधारक एचबीटीयू और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपनी ओर से हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में केवल वे ही देश सबसे आगे रहते हैं, जो नवाचार और नई तकनीक को प्राथमिकता देते हैं तथा अपने नागरिकों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए लगातार सक्षम बनाते रहते हैं। हमारे देश ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी अपनी साख बढ़ाई है लेकिन हमें अभी भी लंबा सफर तय करना है। इस संदर्भ में एचबीटीयू जैसे संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे तकनीकी संस्थानों को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए। छात्रों को प्रारंभ से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराया जाना चाहिए जिससे वे 'नौकरी मांगने वाले' के स्थान पर 'नौकरी देने वाले' बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के बाद भारत ने भी चीन, पाकिस्तान और तालिबान का किया बॉयकॉट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत भी आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के मौके पर 75 लोकतांत्रिक देशों को निमंत्रण भेज भारतीय लोकतंत्र से उन्हें रूबरु कराने के लिए कदम उठा चुका है।खास बात ये है कि भारत ने जिन देशों को न्यौता भेजा है, उनमें पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान शामिल नहीं है।इससे साफ जाहिर है कि अमृत महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण केवल लोकतांत्रिक देशों को ही दिया गया है। गौरतलब है कि चीन में तानाशाही सत्ता है, वहीं पाकिस्तान में कहने को लोकतंत्र है, लेकिन हर कोई जानता है कि पाकिस्तान में सत्ता की चाबी सेना के हाथ में रहती है।वहीं अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो गया था और वहां की तालिबान सरकार को अभी तक विश्व के किसी देश ने मान्यता नहीं दी है।नेक्स्ट-जनरेशन डेमोक्रेसी नाम के इस कार्यक्रम के तहत 8 देशों का पहला प्रतिनिधिमंडल भारत पहुंच चुका है। पहला प्रतिनिधिमंडल 25 नवंबर से 2 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेगा।प्रतिनिधिमंडल में भूटान, स्वीडन, जमैका, तंजानिया, श्रीलंका, पोलैंड, उज्बेकिस्तान और मलेशिया शामिल है।इन देशों के 35 साल से कम उम्र के युवाओं को कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है और आईसीसीआर यानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। पहले प्रतिनिधिमंडल में विदेशी मेहमान दिल्ली के रेड फोर्ट और पुरानी दिल्ली का दौरा कर साथ ही वहां पकवानों का लुत्फ उठाएंगे।यह विदेशी मेहमान ताज महल भी जाएंगे और गुजरात के महात्मा मंदिर का भी दौरा करने वाले है। उनकी मुलाकात गुजरात के मुख्यमंत्री से भी तय है।वहीं उन्हें अमूल डेरी के साथ साथ स्टेचू ऑफ यूनिटी का भी दौरा कराया जाएगा।इस कार्यक्रम का मकसद 75 लोकतांत्रिक देशों के लीडर्स को भारत की संस्कृति, विरासत और आईडिया ऑफ इंडिया से परिचित कराना है।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की किताब नहीं होगी बैन, याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद को बड़ी राहत देकर उनकी किताब पर बैन लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है।खुर्शीद की किताब 'सनराइज ओवर अयोध्या' पब्लिश होने के बाद से विवादों में बनी हुई है।याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में किताब के प्रकाशन और बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी।दरअसल खुर्शीद ने अपनी किताब में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हराम जैसे आतंकी संगठनों से की है।इस बीच वकील विनीत जिंदल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करके कांग्रेस नेता की किताब के प्रकाशन और बिक्री पर तुरंत रोक लगाने की अपील की थी। याचिकाकर्ता ने अपनी अपील में कहा था कि किताब में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हराम जैसे आतंकी संगठनों से की गई है,इससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।कोर्ट ने कहा कि अगर लोग इस किताब को लेकर इतना संवेदनशील महसूस कर रहे हैं,तब वह क्या कर सकते हैं किसी ने उन्हें यह किताब पढ़ने के लिए नहीं कहा है।

प्रोजेक्ट-75 की चौथी पनडुब्बी 'आईएनएस वेला' नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में नौसेना में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोजेक्ट-75 की 6 पनडुब्बियों की श्रृंखला में चौथी पनडुब्बी आईएनएस वेला नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह की उपस्थिति में दिनांक 25 नवंबर 2021 को कमीशन की गई थी। औपचारिक कमीशनिंग समारोह मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में हुआ। स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों का निर्माण भारत में मैसर्स नेवल ग्रुप (पहले डीसीएनएस), फ्रांस के सहयोग से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) मुंबई द्वारा किया जा रहा है। इस चौथी पनडुब्बी की कमीशनिंग आज एक बड़ी उपलब्धि है। आईएनएस वेला पश्चिमी नौसेना कमान के पनडुब्बी बेड़े का हिस्सा होगी और इसके शस्त्रागार का एक और शक्तिशाली भाग बनेगी। सांसद अरविंद सावंत, पश्चिमी

नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल आर हरि कुमार, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वाइस एडमिरल नारायण प्रसाद (सेवानिवृत्त) और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ रक्षा, नागरिक एवं सैन्य अधिकारी आईएनएस वेला के कमीशनिंग समारोह के दौरान मौजूद थे। इस अवसर पर आए मेहमानों के बीच तत्कालीन 'वेला', जो एक रूसी मूल की फॉक्सट्रॉट क्लास सबमरीन है जिसे 2009 में सेवा से हटा दिया गया था, के कर्मी भी उपस्थित थे। स्कॉर्पीन पनडुब्बियां अत्यंत शक्तिशाली प्लेटफॉर्म हैं, उनके पास उन्नत स्टील्थ विशेषताएं हैं और ये लंबी दूरी के गाइडेड टॉरपीडो के साथ-साथ जहाज-रोधी मिसाइलों से भी लैस हैं। इन पनडुब्बियों में अत्याधुनिक सोनार और सेंसर सूट है जो उत्कृष्ट अभियानगत क्षमताएं प्रदान करते हैं। पनडुब्बियों में प्रणोदन मोटर के रूप में एक उन्नत स्थायी चुंबकीय सिंक्रोनस मोटर भी है।

रेलवे ने 50 रुपए से घटाकर 10 रुपए किया प्लेटफार्म टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने कोरोना महामारी के चलते प्लेटफार्म टिकट 50 रुपए कर दिया थी ताकि भीड़ कम हो। अब कोरोना हालात में सुधार के साथ रेलवे ने लागू की गई पाबंदियों में ढील देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में भारतीय रेलवे ने प्लेटफार्म टिकटों की कीमत कम कर दी है। अब प्लेटफार्म टिकट 50 रुपए की जगह 10 रुपए में मिलेगी और यह आदेश 25 नवंबर से ही लागू हो गया है।

सेंट्रल रेलवे के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, प्लेटफार्म टिकट का दाम 50 रुपए से घटाकर 10 रुपए कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, सीएसएमटी, दादर, एलटीटी, ठाणे, कल्याण और पनवेल स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट की कीमत 10 रुपए कर दी गई है। यह आदेश 25 नवंबर से लागू कर दिया जाएगा। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में भी रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट के दाम कम कर दिए गए हैं। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, अब प्लेटफार्म टिकट दस रुपए में मिलेगा। यहां भी कोरोना काल के दौरान प्लेटफार्म टिकट 50 रुपए में मिलती थी।

रेलवे ने कोरोना महामारी के चलते कई बदलाव किए थे। इस दौरान काफी समय के लिए ट्रेनों का परिचालन भी बंद कर दिया गया था। इसके अलावा सभी ट्रेनों के नंबर बदलकर स्पेशल कैटेगरी में कर दिया गया था। इसके साथ ही ट्रेनों के टिकट के दामों में भी इजाफा किया गया था। कोरोना काल में प्लेटफार्म टिकट की कीमत 50 रुपए कर दी गई थी। ताकि प्लेटफार्म पर भीड़ कम हो। अब स्थिति सुधरने के साथ ही रेलवे ने लागू प्रतिबंधों में छूट देना शुरू कर दिया है। देश में कोरोना वैक्सीनेशन का महाभियान जारी है। बड़े पैमाने पर लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। भारत का वैक्सीनेशन कवरेज 118.44 करोड़ तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए रेलवे ने कोरोना के दौरान स्पेशल नंबर से चलने वाली सभी ट्रेनों को सामान्य श्रेणी में लाने का फैसला किया है। रेलवे के इस फैसले के अनुसार, सभी ट्रेनों का नंबर एक बार फिर से पहले की तरह हो जाएगा और ट्रेनों का नंबर बदलने के साथ ही यात्री किराए में भी काफी फर्क पड़ेगा।

भारत निर्वाचन आयोग 'महिलाओं, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की चुनावी भागीदारी बढ़ाना

नई दिल्ली, एजेंसी। एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज (ए-डब्ल्यूईबी) पूरी दुनिया में चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) का सबसे बड़ा संघ है। इसके 117 ईएमबी सदस्य और 16 क्षेत्रीय संघ/संगठन सहयोगी सदस्य हैं। भारत निर्वाचन आयोग 3 सितंबर, 2019 से 3 साल की अवधि के लिए ए-डब्ल्यूईबी का अध्यक्ष बना है। ए-डब्ल्यूईबी की अध्यक्षता के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत निर्वाचन आयोग 26 नवंबर, 2021 को ह्यमहिलाओं, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की चुनावी भागीदारी बढ़ाना : सर्वोत्तम प्रथाओं और नई पहलों को साझा करनाह्न विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित कर रहा है। 24 देशों- बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, इथोपिया, फिजी, जॉर्जिया, कजाकिस्तान, कोरिया गणराज्य, लाइबेरिया, मलावी, मॉरीशस, मंगोलिया, फिलीपींस, रोमानिया, रूस, साओ टोम और प्रिंसिपे, सोलोमन द्वीप समूह, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूरीनाम, ताइवान, उज्बेकिस्तान, यमन और जाम्बिया तथा 4 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों- इंटरनेशनल आईडीइए, इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ इलेक्टोरल सिस्टम (आईएफईएस), एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज (ए-डब्ल्यूईबी) और यूरोपियन सेंटर फॉर इलेक्शन के लगभग 100 प्रतिनिधि इस वेबिनार में भाग ले रहे हैं। उज्बेकिस्तान के राजदूत और फिजी, मालदीव, मॉरीशस के उच्चायुक्तों सहित लगभग 20 राजनयिकों का भी इस वेबिनार में भाग लेने का कार्यक्रम है।

राजनाथ का विपक्ष पर हमला, हम जनता की आंखों में धूल झोक कर राजनीति नहीं करते

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को उत्तर प्रदेश दौरे पर हैं। इस मौके पर सीतापुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को उन्होंने संबोधित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री सिंह ने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से हमला किया।रक्षा मंत्री ने कहा कि ये आध्यात्म की धरती है, ये देश की सुरक्षा करने वाले कैप्टन मनोज पांडेय की धरती है, आज यहां बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन इसी धरती पर हो रहा है। मैं कह सकता हूं कि इस बार भी भाजपा को दो तिहाई बहुमत से जीतने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि आज आप सबकी उमंग, उत्साह देख रहा हूं, जो चमक आपके अंदर देख रहा हूं उसके लिए आपका धन्यवाद है, पार्टी आपका अभिनंदन करती है, आप हमारी ताकत आप हमारी पार्टी की जान हैं।

विपक्ष पर हमला कर राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे कहा था कि हमारे घोषणा पत्र में कोई ऐसी बात ना आ जाए जिसे हम पूरा ना कर पाएं। किसी पार्टी का कोई नेता इस तरह चिंता नहीं करता है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि घोषणा पत्र में जो भी डालना है डाल दो जनता की आंखों में धूल झोककर सत्ता हासिल कर लो, लेकिन ऐसी सत्ता हम चिमटी से भी छूना नहीं चाहते हैं। हम जनता की आंखों में धूल झोक कर नहीं, जनता की आंखों में आंखें डालकर राजनीति करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस भारत-चीन के बार्डर की धरती पर मुझे जाने से रोका जा रहा था, वहां का तापमान-20 डिग्री रहता है। लेकिन जो जवान ऐसी विषम परिस्थितयों में खड़े होकर देश की सीमा की रक्षा करते हैं, वहां मुझे जाने से कोई नहीं रोक सकता है। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद, वंशवाद की जरूरत नहीं है, अपना बूथ चलेगा, इस बार राष्ट्रवाद का नारा चलेगा, हमें सिर्फ भारत राष्ट्र देखना है क्योंकि भारत मेरी मां है।

वायुसेना के बेड़े में फ्रांस से मिले दो मिराज 2000 लड़ाकू विमान शामिल

आसमान में सेना का रक्षाकवच होगा और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायु सेना की शक्ति में और इजाफे की खबर है। फ्रांस से दो सेकेंड हैंड मिराज 2000 लड़ाकू विमान वायु सेना को मिले हैं, जिन्हें ग्वालियर एयरबेस पर पहुंचाया गया है। केंद्र के सूत्रों ने बताया, 'भारतीय वायुसेना को फ्रांस से दो मिराज 2000 ट्रेनर वर्जन विमान मिले हैं। दोनों विमान अपनी वायु सेना के साथ उड़ान भर रहे थे और हाल ही में ग्वालियर एयरबेस पर पहुंचे।'

सूत्रों ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड में चल रहे मिराज अपग्रेड प्रोग्राम के तहत विमान को अब नवीनतम मानकों पर अपग्रेड किया जाएगा। मिराज लड़ाकू बेड़े में लगभग 50 विमानों की संख्या बनाने के कार्यक्रम के तहत भारतीय वायु सेना द्वारा

दो विमानों का अधिग्रहण किया गया है। IAF ने विभिन्न बैचों में लगभग 51 मिराज का अधिग्रहण किया है और उनसे तीन स्क्वाड्रन बने हैं जो सभी ग्वालियर वायु सेना स्टेशन में स्थित हैं। सूत्रों ने कहा कि फ्रांस और भारतीय पक्षों के बीच मिराज अपग्रेड डील 51 विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए थी और इनमें से कुछ किट इन विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण बची हैं।

सूत्रों ने कहा कि इन दो फ्रांसीसी वायु सेना के विमानों पर एक ही किट लगाई जा सकती है और उन्हें लड़ाकू अभियानों के लिए उपयुक्त बनाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायु सेना ने पुराने फ्रांसीसी विमानों के रूप में मिराज के लिए पुर्जों को खोजने में बहुत चालाकी से निवेश किया है और इससे वायु सेना को 2035 तक उन्हें बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मिराज 1980 के दशक से सेवा में हैं और कारगिल युद्ध से लेकर 2019 बालाकोट हवाई हमले तक एक मुख्य हथियार रहा है, जहां उसके द्वारा पाकिस्तान में जैश ए मोहम्मद के आतंकवादी शिविर पर बमबारी की थी। मिराज ने कारगिल युद्ध में टाइगर हिलटाप पर पाकिस्तानी सेना के शिविरों और बंकरों को भी सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया था और लेजर-निर्देशित बमों का उपयोग करके इतनी ऊंचाई पर दुश्मन के शिविरों को सफलतापूर्वक मारकर युद्ध का चेहरा बदल दिया।

मंत्री हरदीप पुरी ने दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन पर चालक रहित ट्रेन संचालन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप एस. पुरी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के साथ आज वर्चुअल तरीके से दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन पर चालक रहित ट्रेन संचालन (यूटीओ) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आवास और शहरी मामले के मंत्रालय में सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा और दिल्ली मेट्रो रेल निगम के एमडी डॉ. मंगू सिंह भी मौजूद थे। मंत्री श्री पुरी ने कहा कि हम सब आज एक और ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद हैं जहां हम सब दिल्ली मेट्रो को दुनिया के सबसे बड़े चालक रहित मेट्रो नेटवर्क में से एक बनता देखेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2020 में दिल्ली मेट्रो के पहले चालक रहित ट्रेन संचालन का शुभारंभ किया। तब उन्होंने मैजेंटा लाइन के चालक रहित संचालन को हरी झंडी दिखाई थी, और अब अगले 11 महीनों में, 59 किमी. के विस्तार को हम चालक रहित संचालन से जोड़ रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और एनसीआर के लोगों को बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि दिल्ली मेट्रो ने हमें सस्ती, समावेशी और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की दिशा में देश की यात्रा में एक और गर्व का पल दिया है। यह हमारे देश के पास मौजूद तकनीकी कौशल के प्रतीक के रूप में उभरा है। यह इस क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक जुड़ाव का मजबूत आधार है, और यह दिल्लीवासियों और अन्य यात्रियों के रोजमर्रा के शहरी जीवन में एक अमूल्य भूमिका निभाता है। श्री पुरी ने कहा कि 96.7 किलोमीटर के विशाल चालक रहित नेटवर्क के साथ दिल्ली मेट्रो अब चालक रहित तकनीक से संचालित होने वाला दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है। यह न केवल डीएमआरसी के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह हमारे शहरी क्षेत्रों को फिर से जीवंत करने और हमारे नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर इस सरकार के फोकस का एक और प्रमाण है।

राष्ट्रीवादी युवा किसान संगठन की बैठक में निर्णय, 2022 में होगा बड़ा कार्यकर्ता सम्मलेन

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन की बैठक हुई संपन्न होटल प्राइड प्लाजा एरो सिटी एयरपोर्ट के पास। जिसमें महंत शंभू प्रसाद, तिरुपति बालाजी के सदस्य हिंदू महासभा के आजीवन सदस्य एवं संत सवैया नाथ गांधी के गादीपति और भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन, बॉलीवुड एक्टर व बिग बॉस बिंदु दारा सिंह, राज श्रीवास्तव, राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल द्विवेदी, राष्ट्रीय महासचिव कोर कमेटी चेयरमैन विनोद सोलंकी, राष्ट्रीय महासचिव अनिल सुभाष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी में चेन्नई कर्नाटक आंध्र तेलंगाना त्रिपुरा पांडिचेरी ओडिशा मेघालय मणिपुर असम गोवा महाराष्ट्र दिव दमन दादरा नगर हवेली गुजरात मध्य प्रदेश राजस्थान दिल्ली बंगाल बिहार छत्तीसगढ़ झारखंड कश्मीर उत्तराखंड हिमाचल एवं विभिन्न राज्यों से पधारे हुए सभी पदाधिकारी का सम्मान किया और आने वाले दिन में राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन और तेजी से बढ़ेगा 2022 में 50 हजार कार्यकर्ता एक बड़ा सम्मेलन करने जा रहे हैं जिसमें किसान हित की बात पूरे देश में चलेगी। सम्मानित करने के लिए वीर हनुमान हाउसफुल सन ऑफ सरदार खुशबू गर्व जैसी फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाने वाले अभिनेता विंदुदारा सिंह व समस्त राष्ट्रीय कार्यकारणी राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन का दिल की गहराइयों से अविनंदन किया।

न्यू हॉराइजन स्कूल में मनाया गया तीन दिवसीय '16वाँ एन.एच.एस. मौलाना आजाद शैक्षणिक महोत्सव-2021'

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। न्यू हॉराइजन स्कूल द्वारा तीन दिवसीय 'सौलहवाँ एन.एच. एस. मौलाना आजाद शैक्षणिक महोत्सव-202' दिनांक 23,24,25 नवंबर को धूमधाम से मनाया। गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन ऑनलाइन किया गया। सभी विषयों की प्रतियोगिता में इस वर्ष देष-विदेष के 38 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र उद्घाटन सत्र रहा। इस वर्ष मुख्य अतिथि के रूप में श्री ए. अन्नामलाई, डायरेक्ट राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली रहे। उनके द्वारा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए तीन दिवसीय शैक्षणिक महोत्सव-2021 का षुभारंभ किया गया। उपरांत विद्यालय के प्रबंधक महोदय द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका धन्यवाद किया। इसके उपरांत हिंदी के साथ-साथ अन्य विषयों की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न विषयों (हिंदी, इंग्लिष, उर्दू, गणित, विज्ञान, सोषल स्टडीज, स्पोर्ट्स, आर्टस, म्यूजिक, कोमर्स आदि) की प्रतियोगिताओं में दिल्ली एन.सी.आर., बनारस, मुज्जफर नगर, लखनउ उत्तर-प्रदेष, के साथ-साथ साउदी अरब के विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णय के लिए राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय से श्री अंसार अली (संग्रहाध्क्ष) व डॉ. कृष्णकांत (बिरला विद्या निकेतन) दिल्ली विष्वविद्यालय से प्रोफेसर आदि को आमंत्रित किया गया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कृत सभी प्रतिभागियों को नगद राषि व भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिया गए। सभी प्रतिभागियों ने इस आयोजन की बहुत प्रंषसा की। समापन समारोह में विद्यालय के प्रबंधक महोदय द्वारा सभी अतिथियों व प्रतिभागियों को प्रोत्साहित व प्रषंसा की गई कि ऑनलाइन होते हुए भी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह व लगन के साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अंत में प्रधानाचार्या महोदया सुश्री सुलेखा मेहरा द्वारा सभी का धन्यवाद किया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन पर ड्राइवरलेस ट्रेन परिचालन की शुरूआत

मदरलैंड संवाददाता, नई दिल्ली। माननीय केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने आज दिल्ली मेट्रो की 59 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन (मजलिस पार्क से शिव विहार) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. मंगू सिंह और दिल्ली मेट्रो के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ड्राइवरलेस ट्रेन परिचालन (डीटीओ) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो का पूरी तरह से स्वचालित नेटवर्क बढ़कर लगभग 97 कि.मी. हो गया है, जो दुनिया में चौथा सबसे बड़ा और भारत में एकमात्र डीटीओ नेटवर्क है। मजेंटा लाइन पर डीटीओ सुविधा वर्ष 2020 में शुरू की गई थी जिसके साथ दिल्ली मेट्रो ने दुनिया के 7% मेट्रो की एक ऐसे एलीट ग्रुप में प्रवेश किया जो पूरी तरह से स्वचालित मेट्रो नेटवर्क संचालित करते हैं।

बागपत में हर घर जल योजना के लिए प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

बागपत। इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी (करअ) ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से भारत सरकार द्वारा संचालित एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा क्रियान्वित (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार) के जल जीवन मिशन ह्लहर घर जलह्व योजना के अंतर्गत बागपत जिले के छपरौली ब्लॉक में खण्ड विकास अधिकारी के अभिसरण से ह्यफील्ड टेस्ट किटह्व (ऋळड) के प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन खण्ड विकास कार्यालय से श्री संदीप पाल जी, खण्ड विकास अधिकारी, श्री सुधीर रुहेला, अऊड पंचायत, जल निगम से श्री माधव मुकुंद, सहायक अभियंता, बैंक प्रतिनिधि, इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी (करअ) ग्रामीण विकास ट्रस्ट की मुख्य कार्यालय की टीम से श्री शिव शंकर सिंह (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), श्री शैलेश कोतरु (प्रमुख व्यवसाय विकास), श्रीमती तृप्ति खन्ना (राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रमुख), श्री अवनीश प्रताप सिंह (वरिष्ठ प्रबंधक व्यवसाय विकास), श्री संतोष कुमार पांडेय (एडमिन), आरती भारती, श्री अनिल कुमार एवं श्री मोनू राणा, टीम लीडर एवं टीम के अन्य सदस्यों के समन्वय एवं देखरेख में संपन्न हुआ एवं सभी पदाधिकारियों ने महिलाओं को पानी के महत्व और उसके संरक्षण के लिए जागरूक किया एवं प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत में से 5 महिलाओं को कार्यशाला के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच करने का प्रशिक्षण दिया गया एवं इनका जल जीवन मिशन जल, शक्ति मंत्रालय उत्तर प्रदेश सरकार के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया गया साथ ही 'फील्ड टेस्ट किट (FTK)' का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पानी की गुणवत्ता की जांच करने हेतु सक्षम बनाना, इनके माध्यम से ही ग्राम पंचायतों के पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराना रहा। जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत गांव में लगाई गई पानी की टंकी के पानी की जांच भी इन्हीं प्रशिक्षित महिलाओं के द्वारा कराई जाएगी ताकि पानी की गुणवत्ता के अंतर को भली-भांति समझ सकें एवं योजना को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।कार्यशाला में सभी संबंधित 26 ग्राम पंचायतों से ग्राम प्रधानों, आशा बहनों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति (श्हरउ) के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं पानी को बचाने के लिए महिलाओं को संबोधित भी किया।

भारतीय संविधान स्वतंत्रता के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है : लेखी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने भारतीय संविधान केवल राजनीतिक व्यवस्था कैसे चले यही नहीं बल्कि समाज और सामाजिक संस्कृति, प्रशासनिक व्यवस्थाएं कैसे चले यह भी बताता है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान बताता है कि व्यवस्थाओं को कैसे चलना चाहिए और हर वर्ग का कर्तव्य क्या है और यही बात इसे दूसरों से अलग करता है।

भारतीय संविधान के 72 वर्ष पूर्ण होने की पूर्व संध्या पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित एक समारोह में श्रीमती लेखी ने कहा कि भारतीय संविधान हमारी आत्मा है और यह हमें स्वतन्त्रता देने के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि कानून सबसे बड़ा है और यहीं लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी है।

उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र को सबसे बड़ा तो बताया ही जाता है, लेकिन वास्वत में हमारा लोकतंत्र सबसे पुराना भी है। इसकी जड़े हमारी 500 वर्ष पुरानी संस्कृति में है जहां राजा भी कानून से ऊपर नहीं था और उसे भी नियमों के अनुरुप ही काम करना पड़ता था और यह राजाओं के राज्याभिषेक करने की प्रथा से स्पष्ट है।

श्रीमती लेखी ने कहा कि हमारा संविधान जहां हमें स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन यह स्वतंत्रता निरंकुश नहीं है। हम स्वतंत्र हैं, लेकिन हमें किसी दूसरे की स्वतंत्रता के हनन का अधिकार नहीं है। एक दायरे में बंध कर ही हम अपनी स्वतंत्रता का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें अपनी परम्पराओं और व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करने का अवसर देता है और बताता है कि देश की व्यवस्था को बनाने और उसके संचालन में वकीलों का कितना महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा संविधान को सर्वोपरी मानती है, लेकिन दिल्ली में एक ऐसी सरकार है जो संविधान विरोधी है। वोटो की राजनीति करते हुए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। चाहे तुष्टिकरण की राजनीति करना हो या फिर नई आबकारी नीति को लागू करना हो। लेकिन भाजपा यह वायदा करती है कि दिल्ली के इस संविधान विरोधी सरकार के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी।

श्री गुप्ता ने कहा कि हमने वह काल खंड भी देखा है जब मुगलों और अंग्रेजों ने एक हजार वर्ष तक शासन किया, उस वक्त कोई कानून नहीं था। मानवीय और धार्मिक संवेदनाओं की किस तरह से धज्जियां उड़ाई जाती थी, सिफारीश और सत्ता के कौन कितना नजदीक है, इस आधार पर लोगों को न्याय मिलता था।

सीएम केजरीवाल ने टोक्यो ओलंपिक में मेडल जीत कर रवि दाहिया समेत दिल्ली के 6 खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज टोक्यो ओलम्पिक समेत अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भारत के लिए मेडल लाने वाले और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के छह खिलाड़ियों को सम्मानित किया। दिल्ली सचिवालय में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रवि दाहिया को दो करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने के साथ ही खेल विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है। दिल्ली सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ स्पोर्ट्स को भी अब अधिक प्राथमिकता देगी। इसके लिए दिल्ली में बड़े स्तर पर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया दिया जा रहा है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर सिर्फ दिल्ली का नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का है। यहां देश भर से सभी खिलाड़ी आएं और ट्रेनिंग करें। हमारा तो मान तब बढ़ेगा, जब पूरे देश को मेडल मिलेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी बनाई है, जो बच्चों को स्पोर्ट्स में डिग्री देने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी तैयार करेगी। सभी खिलाड़ियों से अपील है कि आप देश और दिल्ली के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए तैयार करें। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ह्यह्यटोक्यो ओलम्पिक में भारत के लिए मेडल लाने वाले रवि दहिया समेत दिल्ली के 6 खिलाड़ियों को आज सम्मानित किया। रवि जी को 2 करोड़ रुपए की सम्मान राशि एवं खेल विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया। दिल्ली के हमारे इन खिलाड़ियों ने पूरे देश को गौरवांवित किया है।ह्ल दिल्ली सरकार के शिक्षा एवं खेल निदेशालय की ओर से आज दिल्ली सचिवालय में सम्मान समारोह का आयोजन कर टोक्यो ओलंपिक 2021 में दिल्ली के पदक विजेताओं और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और विशिष्ट अतिथि के तौर पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केरजीवाल ने टोक्यो ओलंपिक मेडल जीतने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के खिलाड़ी रवि दाहिया, शरद कुमार, सिमरन, सार्थक भाम्बरी, आमोद जैकब और कशिश लाकड़ा को नकद प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। खिलाड़ी रवि दाहिया को टोक्यो ओलंपिक 2020 में कुश्ती वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने पर दो करोड़ रुपए और खिलाड़ी शरद कुमार को उंची कूद में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा गया। वहीं, खिलाड़ी सिमरन को 10 लाख रुपए, सार्थक भाम्बरी को 5 लाख रुपए, आमोद जैकब को 5 लाख रुपए और कशिश लाकरा को 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपा गया।

– दिल्ली के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रौशन कर दिल्ली को सम्मान दिया

केजरीवाल ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज बेहद खुशी का दिन है कि हम अपने छह हीरों को सम्मानित कर रहे हैं। हम कहते हैं कि दिल्ली के दो करोड़ लोग एक परिवार की तरह हैं। जब परिवार में कोई बच्चा पहले स्थान पर आता है या किसी चीज में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, तो पूरे परिवार को बहुत खुशी होती है और पूरे कॉलोनी में मिठाइयां बांटता है। इसी तरह, हमारे परिवार के इन छह बच्चों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रौशन किया है। देश के 130 करोड़ लोगों का नाम रौशन किया है। हम सारे दिल्ली के लोगों को अपने इन बच्चों पर बहुत-बहुत गर्व है। आज यह जो सम्मान दिया गया है, यह हमने उनकों सम्मान नहीं दिया है, बल्कि उन्होंने दिल्ली को सम्मान दिया है।

बंद करो धर्मांतरण: सनातन संस्था

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। 'सनातन धर्म' एक महान धर्म है और विश्व में इसका कोई पर्याय नहीं। हमारे इसी धर्म पर ईसाई मिशनरी आणि मुसलमान धर्मांतरण के माध्यम से आक्रमण कर रहे हैं। इस धर्मांतरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन निर्माण करना चाहिए, साथ ही इस देश को सुरक्षित करने के लिए सरकार को धर्मांतरण के विरोध में राष्ट्रीय कानून बनाएं और किसी भी प्रकार का धर्मांतरण अवैध घोषित किया जाए, ऐसी मांग इंदौर के श्री अखंडानंद आदिवासी गुरूकुल आश्रम के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी श्री प्रणवानंद सरस्वतीजी महाराज ने की। हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से 'राष्ट्रव्यापी धर्मांतरण बंदी कानून बने !' इस विषय पर आयोजित 'ऑनलाइन' विशेष संवाद में वे बोल रहे थे। स्वामी प्रणवानंद सरस्वतीजी महाराज ने आगे कहा ह्यहमारी वैचारिकता, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना नष्ट करने के लिए अन्य धर्मीय कार्यरत है। वे हमारी संस्कृति, वैज्ञानिक धरोहर, भौतिक शक्ति अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रहे हैं। यह विषय केवल धर्मांतरण तक सीमित नहीं, अपितु पूरे भारत को अपने अधीन करने का यह षड्यंत्र है। हमारे पूर्वज अत्यधिक धर्मनिष्ठ थे। कितने भी आक्रमण हुए, तो भी उन्होंने धर्मांतरण नहीं होने दिया। हिंदुओं को उनका आदर्श सामने रख धर्मशिक्षा प्राप्त करनी चाहिए।' श्रीक्षेत्र द्वारापुर, धारवाड के श्री परमात्मा महासंस्थानम के श्रीगुरु परमात्माजी महाराजने कहा ह्यपूरे देश में धर्मांतरण कम-अधिक प्रभाव में हैं। प्रतिदिन भारत में २५०० से ३००० हिन्दुओं का धर्मांतरण किया जा रहा है। इसे रोकने के लिए कानून लाना चाहिए। हिन्दू धर्म पर होनेवाले प्रहार रोकने के लिए हिन्दू बंधुओं को आगे आकर सरकार पर दबाव निर्माण करना चाहिए। वर्तमान में टीवी के विविध कार्यक्रमों से हिन्दू धर्म का अपमान किया जा रहा है। हिन्दुओं को इस विषय में सतर्क रहना चाहिए। विविध स्थानों के मंदिरों द्वारा हिन्दुओं को अपने धर्म के तत्त्व, मूलभूत ज्ञान समझाया जाना चाहिए।' 'अखिल भारतीय घर वापसी' संगठन के प्रमुख और भाजपा के छत्तीसगढ प्रदेशमंत्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि ह्यधर्मांतरण एक भयानक षड्यंत्र है। ईसाई मिशनरी सेवा के नाम पर व्यापार कर रही है और हिंदुओं को फंसा रही है। राष्ट्रविरोधी शक्ति देश तोडने के लिए प्रयासरत है। हिन्दुओं ने विशेषतः युवाओं को इसे नष्ट करने के लिए आगे आना चाहिए। हमारे संगठन के माध्यम से धर्मांतरित हुए हिन्दुओं को हिन्दू धर्म में पुनः प्रवेश दिया जाता है और भविष्य में भी हम यह कार्य आरंभ रखेंगे।'

हिन्दू जनजागृति समिति के प्रवक्ता श्री.मोहन गौडा ने कहा कि ह्यकर्नाटक राज्य में धर्मांतरण बंदी कानून न बनें, इसलिए ईसाई मिशनरी प्रयास कर रही है। केवल हिन्दुत्वनिष्ठ संगठन ही धर्मांतरण बंदी कानून लाने की मांग कर रहे हैं। केवल कर्नाटक ही नहीं; अपितु पूरे देश में धर्मांतरण बंदी कानून बनाया जाएं, इसलिए हिन्दू जनजागृति समिति विविध हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों के साथ कार्य कर रही है। धर्मांतरण हमारे देश को विभाजन की दिशा में ले जा सकता है, यह हमें ध्यान रखना चाहिए। धर्मांतरण का प्रयास जहां किया जा रहा है, उस स्थान पर संवैधानिक मार्ग से विरोध करने के लिए हिन्दुओं को आगे आना चाहिए। सभी ओर कर हिन्दू धर्म का प्रसार करना, धर्मशिक्षा द्वारा अपने धर्माभिमान में वृद्धि करना इनसे ही धर्मांतरण जैसी समस्याएं दूर होंगी।'

बसई रोड हुडा मार्केट क्षेत्र में अपराधियों की खैर नहीं -पुलिस उपायुक्त ने दिए शिवाजी नगर व न्यू कालोनी पुलिस थाना को आदेश

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। बसई रोड पर बसी कालोनियों के लोगों की शिकायत पर पुलिस उपायुक्त दीपक सहारण ने शिवाजी नगर व न्यू कालोनी पुलिस थाना को आदेश दिए हैं कि इस क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ाएं। सादी वर्दी में पुलिस की तैनाती करें।

बसई रोड स्थित हुडा ऑटो मार्केट की जमीन पर बनी अवैध झुगिगयों में अपराधिक गतिविधियों की शिकायत लेकर पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल के नेतृत्व में लोग डीसीपी दीपक सहारण के पास पहुंचे। ऑटो मार्केट के सामने की कालोनी अमर कालोनी, मनोहर नगर, बलदेव नगर, फिरोजगांधी कालोनी, गांधी नगर आदि के लोगों की ओर से नवीन गोयल ने डीसीपी दीपक सहारण को अवगत कराया कि इन झुगिगयों में अवैध रूप से नशे का कारोबार होने की शिकायत है। इसके साथ ही यहां छीन-झपटी, मारपीट, चोरी की घटनाओं के कारण आसपास की कालोनियों के लोगों को परेशानी हो रही है। रात के समय में तो यहां से निकलना भी दुभर हो जाता है। लोगों का आरोप है कि इस क्षेत्र में झुगिगयां के आसपास चाय वाले भी नशे के कारोबार में संलिप्त हैं।

इसके अलावा हुडा आटो मार्केट में खाली पड़ी जमीन पर रात में मलबे, कूड़े, कचरे के ट्रैक्टर, गाडियां आती हैं। कूडे-कचरे में लोग आग लगा देते हैं, जिस कारण क्षेत्र का पर्यावरण प्रदूषित होता है। यहां से उठने वाला धुआं कालोनियों में लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। नवीन गोयल ने डीसीपी दीपक सहारण से अनुरोध किया कि वे इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए क्षेत्र से अपराध पर अंकुश लगाएं, ताकि लोगों को कोई दिक्कत ना आए। नवीन गोयल ने कहा कि क्षेत्र में पीसीआर की गश्त बढ़वाएं, ताकि इन कालोनियों के सामने पड़ी जमीन पर अपराधिक गतिविधियों पर रोक लग सके। डीसीपी दीपक सहारण ने इस शिकायत पर तुरंत संज्ञान लिया और शिवाजी नगर व न्यू कालोनी पुलिस थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ाएं। किसी भी तरह का अपराध नजर आए तो तुरंत उसकी गिरफ्तारी करें। इस दौरान मनोहर लाल आरडब्ल्यूए के उप-प्रधान ललित कटारिया, जयपाल गुलिया, जयभगवान दहिया अमर कालोनी, कर्मवीर अमर कालोनी, गिरजा कुमारी, धर्मपाल, हवा ङ्कषसह, कमला, संतरा समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सदर विधानसभा के किशनगंज क्षेत्र में पहुंची दिल्ली भाजपा की झुग्गी सम्मान यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता कि झुग्गी सम्मान यात्रा आज सदर विधानसभा क्षेत्र में पहुंची जहाँ उन्होने बगीची पीर जी, किशनगंज, वेस्ट मोतीबाग एवं दया बस्ती झुग्गी कैम्पों में जनसम्पर्क कर जन समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिये चांदनी चौक जिला भाजपा अध्यक्ष विकेश सेठी को स्थानीय भाजपा नेताओं एवं झुग्गी प्रधानों की समन्वय समिति बनाने का निर्देश दिया।

श्री गुप्ता की यात्रा बगीची पीर जी से प्रारम्भ हुई जहाँ सांसद सत्यपाल सिंह ने एकत्र जनसमूह को सम्बोधित किया और समापन सभा का दया बस्ती में आयोजन हुआ जिसे बिहार सरकार में मंत्री शाहनवाज हुसैन ने सम्बोधित किया।

श्री गुप्ता की यात्रा के दौरान आज बगीची पीर जी स्थित झुग्गी बस्ती के महिला शौचालय में सेनेटरी पैड वैंडिंग मशीन स्थापित की गई। इस कार्य का संयोजन देख रहीं दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती टीना शर्मा के अनुसार झुग्गी कि महिलाओं के स्वास्थ हित में प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के निर्देश अनुसार इस झुग्गी सम्मान यात्रा के दौरान 21 विधानसभा क्षेत्रों में सेनेटरी पैड वैंडिंग मशीन लगाई गईं हैं जिनका दैनिक रखरखाव पिंक एंड ब्ल्यू नामक संस्था करेगी।

बिहार सरकार के मंत्री शाहनवाज हुसैन एवं आदेश गुप्ता ने आज की यात्रा में 30 परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन एवं 05 परिवारों को सुनिधि रोजगार ऋण उपलब्ध कराए गए और 850 वरिष्ठ नागरिक झुग्गी वासी महिलाओं को समाज के प्रति उनके समर्पण के सम्मान हेतु सम्मान पत्र एवं साड़ियाँ भेंट की।

झुग्गीवासियों से अपने संवाद में आदेश गुप्ता ने कहा कि सदर बाजार सराय रोहिल्ला क्षेत्र की यह किशनगंज-दया बस्ती की यह झुग्गी बस्तियाँ दिल्ली की सबसे पुरानी झुग्गी बस्तियाँ हैं जिनमे रहने वालों के पास 60 साल बाद भी मौलिक जन सुविधाओं का होना दशार्ता है कि कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी की सरकारों ने इन्हे वोट बैंक समझा है और विकास से दूर रखा है।

श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा दिल्ली के झुग्गी वासियों को बिजली, पानी, स्वास्थ, राशनकार्ड, शिक्षा के साथ ही महिला स्वास्थ की सेवाऐं देने को कृतसंकल्प है और दिल्ली में सत्ता में आने पर हम 100 प्रतिशत झुग्गी वासियों को प्रधान मंत्री गरीब आवास योजना का लाभ देंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने महिला मोर्चा द्वारा झुग्गी कैम्पों में महिला स्वास्थ रक्षण हेतु सेनेटरी पैड वैंडिंग मशीन लगाने के लिये किये जा रहे कार्य की सराहना की।

सांसद सत्यपाल सिंह ने झुग्गी सम्मान यात्रा के आयोजन के लिये दिल्ली भाजपा की सराहना की और कहा कि गरीबों का सम्मान करना उन्हें विकास धारा से जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर ने टेंपो में मारी टक्कर, दो चचेरे भाइयों की मौत, मां-बुआ घायल

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी । जनपद के थाना भोगांव क्षेत्र में बुधवार रात को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया । जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई । दोनों की मां और बुआ घायल हो गईं । सभी एक ही परिवार के हैं । वही मैनपुरी के भोगांव थाना क्षेत्र में नगला गुलाबी के पास बुधवार की रात ट्रैक्टर ने टेंपो में टक्कर मार दी । हादसे में दो बालकों की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है । इधर, हादसे के बाद मृतक बच्चों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है । जानकारी के मुताबिक जनपद के थाना एलाऊ स्थित गांव मेरापुर गुजराती निवासी शीला कुमार पत्नी धर्मेंद्र , उनका पुत्र आलोक रंजन, स्वाति पत्नी सतीश चंद्र, उनका पुत्र वंशुल, अनीता पुत्री रामप्रकाश कस्बा भोगांव से टेंपो में बैठकर घर आ रहे थे । गांव नगला गुलाबी के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने टेंपो में टक्कर मार दी । हादसे में 12 वर्षीय आलोक रंजन और पांच वर्षीय वंशुल की मौत हो गई । जबकि शीला कुमारी, अनीता, स्वाति घायल हो गईं । सभी एक ही परिवार के हैं । शीला कुमारी और स्वाति जेठानी-देवरानी है । अनीता इन दोनों की ननद है । घायलों को मेडिकल कॉलेज सैफई में भर्ती कराया गया है । मृतक बच्चों के दादा रामप्रकाश ने कोतवाली भोगांव में तहरीर दी है । इसमें बताया है कि ट्रैक्टर चालक की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है । वहीं हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक और टेंपो चालक फरार हो गए । पुलिस दोनों चालकों की तलाश में जुटी है । शवों को पोस्टमार्टम कराया गया है ।

सुनबाई तब हुई जब करना पड़ा धरना प्रदर्शन, मामला हुआ दर्ज

ललितपुरमदरलैंड संवाददाता । जब एक भाई अपनी बहन को ससुराल छोड़ने के लिए बाइक से उसकी ससुराल आया था । तभी वहां रास्ते से निकलने को लेकर विवाद के चलते गांव के दबंग ने उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की थी । उक्त घटना के संबंध में उसने पुलिस को शिकायती पत्र दिया और जब दबंगों के रसूख के चलते कार्यवाही नहीं हुई तो वह अपने परिवार के साथ धरना प्रदर्शन अनशन पर बैठा था । जिसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की हकीकत को जाना और आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया । यह था मामलाः- समीपवर्ती मध्य प्रदेश जनपद के अंतर्गत ग्राम पहाड़ी निवासी अजय कुमार पुत्र आनंदी अहिरवार जिला मुख्यालय के घण्टाघर पर अनशन पर बैठ गया था । अजय कुमार का आरोप है कि जब वह 9 नवंबर को अपनी बहन को उसकी ससुराल सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सतरवास मोटरसाइकिल से छोड़ने के लिए आया था और गांव में प्रवेश कर ही रहा था कि शमशान घाट के पास गांव के ही दबंग राहुल पुत्र मिट्ठू निरंजन ने उसे रोक लिया और उसके साथ जमकर गाली गलौज कर जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया । इतना ही नहीं जब वह उसकी इस हरकत पर विरोध जताते हुए अपनी बहन को लेकर घर चला गया , तब राहुल अपने साथियों के साथ लाठी डंडा कुल्हाड़ी आदि लेकर उसके घर पर आया और उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया था । इतना ही नहीं दबंग राहुल ने गांव के ही राजू पुत्र रतिराम तथा राघवेंद्र आदि से भी गाली गलौज करते हुए मारपीट की थी । इस मामले में भी शिकायत करने के बाद जब समुचित कार्यवाही नहीं हुई और उसे न्याय नहीं मिला तब वह धरना प्रदर्शन अनशन पर जा बैठा था । जिसके वाद संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और परिवार को समुचित न्याय का भरोसा दिलाकर अनशन प्रदर्शन खत्म करवाया था । जिसके बाद सदर कोतवाली पुलिस ने अजय द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर राहुल सहित तीन आरोपियों पर 341 323 504 505 427 तथा 3(1) द ध एससी एसटी एक्ट में मामला पंजीकृत कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं ।

अखिलेश यादव ने जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के साथ गठबंधन किया

लखनऊ , एजेंसी । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के साथ गठबंधन कर लखनऊ में एक बड़ी रैली की । इस तरह यह पांचवीं पार्टी है जिससे अखिलेश का गठबंधन हो चुका है । सपा प्रमुख ने कहा कि वे बड़े बदलाव के लिए छोटी- छोटी उन पार्टियों को जोड़ रहे हैं जिन्हें सियासी हिस्सेदारी नहीं मिली है । लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में हर तरफ पिछड़ों में नोनिया समाज की पार्टी के झंडे लहरा रहे थे । सपा से गठबंधन के बाद यह उनकी पहली रैली थी । इस मौके पर अखिलेश यादव ने उनका हमेशा साथ देने का वादा किया । सपा प्रमुख ने कहा, 'आपके साथ सहयोग देकर के आपके साथ खड़े दिखाई देंगे । अगर आपको हक देने की बात होगी तो दिलाने में भी समाजवादी पार्टी के लोग साथ खड़े दिखाई देंगे । आपको अगर भागीदारी देने की बात हो तो समाजवादी लोग आपके साथ खड़े दिखाई देंगे ।' गौरतलब है कि नोनिया पिछड़ी जाति है जिसे लोनिया और चौहान भी कहते हैं । इनकी आबादी 3 फीसदी के आसपास है । पूर्वी यूपी के गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, चंदौली आदि जिलों की करीब 15 से 20 सीटों पर इनका असर है । सपा का आरएलडी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, महान दल, अपना दल और जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) से गठबंधन हो गया है और 'आप' तथा शिवपाल यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी अभी कतार में हैं । रैली में जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के अध्यक्ष संजय चौहान ने कहा कि अखिलेश यादव ने सरकार बनने पर उन्हें हिस्सेदारी देने का वादा किया है, इसलिए वे समाजवादी पार्टी को वोट देकर जिताएंगे । यूपी के सभी जिलों से हमारे समाज के लोग आये हैं । रैली में पहुंचे दोनों दलों के नेता इस गठबंधन इस उत्साहित नजर आए ।

भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ ने लगाया सदस्यता अभियान कैम्प

हाथरस, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी लघु उद्योग प्रकोष्ठ द्वारा सदस्यता अभियान का एक कैम्प सासनी गेट पर लगाया गया जिसका शुभारभ भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव आर्य व लघु उद्योग प्रकोष्ठ के सह संयोजक ब्रज क्षेत्रं अनूप अग्रवाल ने किया । इस दौरान जिला महामंत्री हरीशंकर राणा भूरा पहलवान व रूपेश उपाध्याय ने भाजपा की रीतियों नीतियों के बारे में बताया । कैम्प को सफल बनाने में लघु उधोग प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विजय वार्ष्णेय, सह संयोजक श्याम अग्रवाल व दरवेश गौतम, सह संयोजक सदस्यता अभियान शेखर वार्ष्णेय, अनूप वार्ष्णेय, जिला सह मीडिया प्रभारी विवेक वार्ष्णेय, बासुदेव माहौर, मुवीन खान आदि मौजूद थे ।

सिकंदराराऊ विधानसभा में हर जाति धर्म की पहली पसंद : महेंद्र सोलंकी

» फैजान भारती, मदरलैंड संवाददाता

सिकन्दराराऊ सपा पूर्व जिला महासचिव ठा महेंद्र सिंह सोलंकी को युवाओं बुजुर्गों बच्चों एवं महिलाओं की सबसे भरोसेमंद नेता बनकर उभरे हैं जहां युवाओं में तो उनका खासा क्रेज देखा ही जा सकता है। साथ ही बच्चे और बुजुर्ग भी उनकी तरफ खासे उत्साहित प्रत्येक युवा आज अपना विधायक महेंद्र सिंह सोलंकी को देखना चाहता है उक्त बातें भ्रमण के दौरान गांव वाजिदपुर, नरहरपुर, गढ़िया ,के भृमण के दौरान आरिफपुर, भोगपुर में सपा नेता सोलंकी का जोरदार स्वागत करते हुए आरिफपुर के प्रधान मंजूर अहमद के नेतृत्व में मुकीम अहमद,हैदर अली,मासूक अली,अरशद अली,अब्दुल जलील खां ने सपा नेता महेंद्र सिंह सोलंकी का स्वागत करने पर वासियों ने कहा कि सपा नेता महेंद्र सोलंकी को विधायक बनाने के लिए जितना संघर्ष करना पड़े हम करेंगे। वही सोलंकी के लिए हम सभी तन मन धन से साथ रहकर विजय दिलवाएंगे। इस दौरान सपा नेता महेंद्र सोलंकी ने सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद किया एवं युवाओं का आभार व्यक्त किया। और कहा कि मैं पार्टी का विगत 22 वर्षों से सिपाही हूं पार्टी का भरोसा कभी टूटने नहीं दूंगा अपनी जनता के लिए 24 घंटे सातों दिन समर्पित रहकर सेवा करता रहूंगा। वही सोलंकी ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने हर जाति वर्ग की उपेछा की है समाजवादी पार्टी सभी बर्गों को साथ लेकर आगामी 2022 के चुनाव में सरकार बनाने जा रही है। सोलंकी ने कहा कि जिस तरह से मुझे क्षेत्र में युवाओं व बुजुर्गों का साथ मिल रहा है यही जनविश्वास मेरे लिए पूंजी है ओर युवाओं का साथ उनके लिए ऊर्जा का स्रोत है यही जनता व पार्टी ने अवसर दिया तो जनसहयोग से ऐसा काम किया जाएगा कि समर्थन करने वालों को गर्व की अनुभूति होगी। वार्ता के दौरान बरिष्ठ सपा ने मेहराज कुरेशी ने कहा कि यदि सपा नेता व पूर्व जिला महासचिव महेंद्र सिंह सोलंकी को पार्टी अपना प्रत्यासी बनाती है उन्हें गरीब,मजदूर,किसानों,युवा, व बुजुर्गों के साथ साथ हर वर्ग विशेष का वोट मिलेगा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा जिला अध्यक्ष रोहित राघव ने कहा कि सपा नेता महेन्द्र सोलंकी प्रत्यासी के रूप में इतिहास में पहली बार सिकन्दराराऊ 80 विधानसभा क्षेत्र पर सपा का बड़े अंतर से जीत दर्ज करेगी। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख डंबर सिंह,सपा नेता मेहराज कुरैशी, किसान नेता निशान्त चौहान,जितेंद्र पचौरी,रोहताश यादव,रोहित राघव,विष्णु पुंढीर,पवन ठाकुर,टिंकू पुंढीर,रामू ठाकुर,गोविंद पुंढीर,विशाल ठाकुर,पुष्पेंद्र पुंढीर,धीरेंद्र पुंढीर,रिंकू यादव,सारिक मेव,यूसुफ खान,माशूक अली,अरशद अली आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रान्तीय अधिवेशन मुरादाबाद में आयोजित आज

प्रदेश अध्यक्ष का हरपाल सिंह ने जोरदार स्वागत किया

» मदरलैंड संवाददाता

सिकन्दराराऊ उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल का प्रान्तीय अधिवेशन 26 दिसम्बर को मुरादाबाद में आयोजन होगा। हाथरस उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष घनश्यामदास गर्ग, प्रदेश मंत्री हरपाल सिंह यादव व प्रदेश सचिव प्रमोद सिंघल के तमन्ना गढ़ी मोहन बघेल के प्रतिष्ठान हाथरस पहुंचने पर जिला नगर व प्रदेश पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। व्यापारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने व्यापारियों को एकजुट रहने का आह्वान किया। और कहा कि 26 दिसम्बर को प्रान्तीय अधिवेशन मुरादाबाद में आयोजित होगा जिसमें प्रदेश के व्यापारी अच्छी मात्रा में शामिल होंगे। सम्मेलन में व्यापारियों को बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया । प्रदेशाध्यक्ष ने जनपद में फेरबदल करते हुए जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल को प्रदेश संगठन मंत्री बनाया तथा जिलाध्यक्ष पद पर प्रदीप बंशल एवं जिला महामंत्री कन्हैया लाल शर्मा एडवोकेट युवा जिला उपाध्यक्ष मोहन बघेल युवा नगर अध्यक्ष हाथरस कईमुद्दीन के पद पर मनोनीत किए। अध्यक्षीय भाषण में प्रदेश मंत्री हरपाल सिंह यादव ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संगठन अराजनैतिक है, व्यापारियों के हितों के लिए संपूर्ण उत्तर प्रदेश में कार्य करता है ।बैठक की अध्यक्षता हरपाल सिंह यादव तथा संचालन के.सी.महाशय ने किया।

बैठक में मुख्यत अरुण कुमार अग्रवाल ,धीरेन्द्र कुमार अग्रवाल शहर अध्यक्ष, प्रदीप बंसल, संजय यादव, महेश यादव संघर्षी, सुखवीर सिंह युवा जिलाध्यक्ष हाथरस, सुधीर मित्तल, बृजेश गौतम, कुशाग्र बागला, रोहित राजपूत , मास्टर राकेश कुमार,आकाश,सोनू वर्मा, राजकुमार पिप्पल, राजकुमार अग्रवाल, कैलाश शर्मा दर्जनों व्यापारी ने सदस्यता ग्रहण की ।

जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने एल.ई.डी. वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी । सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा केंद्र, प्रदेश सरकार की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 4 एल.ई.डी. वैन जनपद को उपलब्ध कराई गई है, उपलब्ध कराई गई एल.ई.डी. वैन को जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि एल.ई.डी. वैन के माध्यम से जनपदवासियों को केंद्र, प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी, ताकि अभी तक योजना का लाभ पाने से वंचित पात्र भी योजना में लाभान्वित हो सकें। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत शौचालय, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, एक जनपद-एक उत्पाद योजना, प्रधानमंत्री स्वःरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वःरोजगार योजना, निराश्रित, वृद्धा, दिव्यांग पेंशन योजना आदि के बारे में सजीव प्रसारण के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपलब्ध कराई गई 04 एल.ई.डी. वैन के माध्यम से जनपद की समस्त तहसीलों, विधानसभा क्षेत्रों के मुख्य बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सजीव प्रसारण कराकर जन सामान्य को जागरूक किया जाएगा साथ ही प्रदेश में कराए गए विकास कार्यों के बारे में भी बताया जाएगा।

जिला सूचना अधिकारी ने बताया कि मेगास्टार एल.ई.डी. लिमि. के वाहन संख्या-एच.आर. 67-4757 तहसील भोगांव क्षेत्र में, वाहन संख्या-एच.आर. 67 सी.-3608 तहसील कुरावली, घिरोर क्षेत्र में, वाहन संख्या-एच.आर. 67बी.-9379 तहसील करहल, किशनी क्षेत्र में एवं वाहन संख्या-एच. आर. 67 सी.-9059 तहसील सदर क्षेत्र में संबंधित उप जिलाधिकारियों के निर्देशन में संचालित रहकर प्रसार-प्रचार का कार्य करेंगी।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान और उसके परिजनों को झूंठा फंसाये जाने को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन दिया

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी । जनपद मैनपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिढौली-लल्लूपुर में पिछले दिनों एक व्यक्ति के गोली मार देने की घटना संज्ञान में आई थी जिसमें उस व्यक्ति के परिजनों ने गांव के ही प्रधान सहित उसके घर के दो अन्य सदस्यों पर जानलेवा हमले की एफ आई आर थाना कोतवाली मैनपुरी में दर्ज कराई थी घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आज प्रधान पक्ष के सैकड़ों ग्रामीणों ने एसपी मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया वही पुलिस के आला अधिकारियों को एक ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने बताया कि उन सभी को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है इसमें प्रधान एवं अन्य लोगों का कोई भी हाथ नहीं है जिसके बाद इस पूरी घटना पर एसपी मैनपुरी का कहना है कि कुछ ग्रामीण आए थे जिनका कहना था कि उन्हें बेवजह फंसाया जा रहा है मामले की निष्पक्षता से जांच कराई जाएगी

पूरा घटनाक्रम मैनपुरी के थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिढौली-लल्लूपुर का है यहाँ के सैकड़ों ग्रामीण आज एसपी कार्यालय पहुंचे ये सभी अपने प्रधान को बेकसूर होने की गवाही देने यहाँ पहुंचे हुए थे इनका कहना था कि पिछली 22 तारीख को थाना कोतवाली में धारा 307,504,506 में एक एफआईआर गाँव के प्रधान विपिन कुमार और उनके घर के 2 अन्य सदस्यों के खिलाफ दर्ज करायी गयी है जिसमे दशार्ये गए समय में कोई घटना नहीं हुई है और सभी को एक सोंची समझी रणनीति के तहत झूंठा फँसाया जा रहा है । ग्रामीणों ने झूंठा फंसाये जाने के इस आशय का प्रार्थना पत्र यहाँ पहुँचकर पुलिस के आलाधिकारियों को दिया है जिसके बाद मैनपुरी पुलिस ने उनको निष्पक्ष जाँच का आश्वाशन दिया है

क्या कहते हैं एसपी अशोक कुमार

एसपी मैनपुरी अशोक कुमार रॉय का पूरे मामले पर कहना है कि सभी लोग आये थे पूरे मामले की सही और निष्पक्ष जांच होगी।

सब कुछ ठीक मिला पर सुधार की सम्भावना है : प्रदीप तिवारी

झाँसी, एजेंसी। रेल मण्डल झांसी के वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक द्वितीय लेफ्टि. अखिल शुक्ला के निर्देश पर मण्डल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति झांसी मण्डल के सदस्य प्रदीप कुमार तिवारी ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचकर खानपान सेवा, सफाई व्यवस्था तथा अन्य यात्री सुविधाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम प्लेटफार्म नंबर एक पर स्थित ठेकेदार द्वारा संचालित रिफ्रेशमेंट रूम में पहुंचकर सब ठीक पाया,गीता प्रेस की स्टाल पर प्रतिनिधि से प्रतिदिन की बिक्री तथा उपलब्ध साहित्य की जानकारी ली, प्लेटफार्म नं. 01 पर सामान्य श्रेणी प्रतीक्षालय के प्रसाधन कक्ष का निरीक्षण किया जो कि अपेक्षित साफ नही मिला ,प्लेटफार्म नं. एक पर ही कंचन रेस्टोरेंट की स्टालकीपर संजय सिंह का चिकित्सा प्रमाण पत्र चेक किया जो कि सही पाया गया। फूड प्लाजा कमसम पहुंचकर हॉल में फॉल सीलिंग की लाइट खराब मिली पूछने पर प्रबंधक ने बताया कोरोना काल से ही खराब है, प्रबंधक राजेश राठौर को लाइट्स उतरवाने एवं बदलवाने की हिदायत देकर प्लेटफार्म नं. 2 पर पहुंचने के लिए एस्केलेटर पर चढ़े तो पता चला एस्केलेटर बंद है, साथ चल रहे मुख्य वाणिज्य निरीक्षक द्वारा सीनियर सेक्शन इंजीनियर मनोज गुप्ता से संपर्क करके तुरंत एस्केलेटर चालू करने को कहा। प्लेटफार्म नं. 2 पर लगाए डस्टबिन भरे हुए मिले तथा अपेक्षित साफ-सफाई नहीं पाई गई स्टेशन पर सफाई व्यवस्था के ठेकेदार हरीश कपूर के प्रबंधक पचौरी को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कहा प्लेटफार्म नं. 3 पर आगरा छोर की ओर प्लेटफार्म निर्माण चल रहा है, उन्होंने प्लेटफॉर्म नं. 2 दो को भी निर्माण कराकर आगे बढ़ाने की जरूरत बताई उन्होंने कहा कि वह मंडल स्तर पर प्लेटफार्म नंबर 2 की आगरा छोड़ के प्लेटफार्म को भी पूरा करने का परामर्श देंगे। निरीक्षण के दौरान स्टेशन प्रबंधक ग्वालियर थॉमस पी जार्ज, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ग्वालियर दिनेश निचरेले,स्वास्थ्य निरीक्षक ग्वालियर बलराम मीना तथा रेल सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक केदार मीणा एवं हेड कॉन्स्टेबल बीएस चौहान तथा समाजसेवी जानकी वल्लभ पाठक उपस्थित रहे।

अवैध खनन करते ट्रैक्टर मशीनरी पकड़ कर किया पुलिस के हवाले मामला कराया कर

ललितपुर, एजेंसी। जनपद में चौतरफा अवैध खनन का कार्य चल रहा है खास तौर पर तालबेहट मडावरा के साथ जखौरा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन का कार्य किया जा रहा है। हालांकि जब ऐसे मामले संज्ञान में आते हैं तब अधिकारी सूचना पर छापेमारी करते हैं एवं संबंधित के खिलाफ मामले भी पंजीकृत कराते हैं। ऐसे ही एक मामले में खनन अधिकारी ने हाइड्रोलिक मशीन से अवैध खनन करते एक ट्रैक्टर पकड़ा जिस के संबंध में कोतवाली पुलिस को सूचना देकर अधिक पर मामला भी दर्ज कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मसौरा कला में हाइड्रोलिक मशीन के माध्यम से चोरी से अवैध खनन का कार्य किया जा रहा था,यहां से मिट्टी का अवैध खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से कहीं ले जाए जा रहा था, मुखबिर के माध्यम से जब इसकी सूचना खनन अधिकारी शशांक शर्मा को मिली तब उन्होंने मौके पर छापामारी कर मशीन और ट्रैक्टर को जप्त किया तथा मसौरा निवासी जमीन का मालिक सरमन के खिलाफ सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिए,जिसमें अवगत कराया गया है कि गांव के गाटा संख्या 162/18 रखवा 0.971 में ट्रैक्टर मशीन के माध्यम से अवैध खनन का कार्य किया जा रहा था।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन में गरजे शिक्षक एवं कर्मचारी

धरना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में जुटी शिक्षकों एवं कर्मचरियों की भीड़

» अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी । संयुक्त संघर्ष संचालन समिति र4 द्वारा सोमवार बीएसए कार्यालय प्रांगण में पुरानी पेंशन बहाली समेत 16 सूत्री मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया सैकड़ों की संख्या में आए शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की ।धरना स्थल पर ही पधारे एसडीएम सदर को मा. मुख्यमंत्री के नाम का 16 सूत्रीय ज्ञापन प्राप्त कर शासन को प्रेषित किया ।धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए र4 के जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने कहा कि आंदोलन का शंखनाद हो चुका है पुरानी पेंशन शिक्षकों एवं कर्मचारियों का अधिकार है और सरकार को इसे देना ही होगा उन्होंने मांग की कि सरकार दोहरी नीति समाप्त कर सांसदों विधायकों की तरह कर्मचारियों शिक्षकों के लिए भी पुरानी पेंशन का प्रावधान करें र4 के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र तनेजा ने कहा कि कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने एकजुट होकर आर पार की लड़ाई लड़ने का मूड बना लिया है पुरानी पेंशन समाप्त कर सरकार ने कर्मचारी एवं शिक्षकों को दिहाड़ी मजदूर बना दिया है र4के संयोजक सुजीत चौहान ने कहा कि सरकार निजीकरण एवं आउटसोर्सिंग से नियुक्ति को बढ़ावा दे रही है इस पर तत्काल रोक लगाई जाए उन्होंने छठे वेतनमान की समस्त विसंगतियां को दूर कर बकाया एरियर देने की मांग की है र4के कोषाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि पंचायती राज विभाग के सफाईकर्मियों को पदोन्नति के अवसर प्रदान किये जाए तथा मृतक आश्रितों को सीधे लिपिक पद पर नियुक्त किया जाए संयुक्त संयोजक अलकेश मिश्रा ने कहा कि सरकार महंगाई भत्ते के 18 महीने के अवशेष एरियर पर मौन साधे हुए है उन्होंने रद्द किए गए समस्त भत्तो को फिर से बहाल किए जाने की मांग की है र4 के महासचिव महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य कर्मचारियों की भांति शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा का लाभ दिया जाए कैशलेस चिकित्सा की मांग को सरकार लंबे समय से नजर अंदाज कर रही है धरना प्रदर्शन में एम पी सिंह सत्यवीर सिंह के पी सिंह कौशल गुप्ता डॉ कमलेश यादव अमित दुबे अर्जेश मिश्रा अखलेश राजपूत दलवीर कठेरिया योगेश यादव हेम सिंह डा आलोक शाक्य प्रतिभा यादव किरन शाक्य ज्योतना राजपूत मृदुला स्नेहा दीक्षित रामबरन कप्तान सिंह डॉ मनोज यादव सत्य प्रकाश अवलेन्द्र शंकर चौहान लोकेश कुमार हरिओम दुबे रवि चैहान हरगोविंद चौहान व्योम सक्सेना नन्दलाल प्रदीप यादव महेश आर्य ओसपाल रक्षपाल वैभव सुदीप पांडेय अवनीश महेंद्र बल्गारिया डा ब्रजेश वर्मा अमित यादव उमेश यादव प्रवीन यादव जितेंद कुमार दिनेश यादव विद्याराम केसरी राजीव बघेल मुनीश कुमार साकेत चैहान हर्षेन्दर राजपूत महेंद्र शाक्य प्रमोद यादव रोहित शिवकुमार यादव धर्मेंद्र संजय राजपूत अमित बैस हरिओम द्रविड़ मेघ सिंह शाक्य राजीव गुप्ता राजवीर शाक्य अशोक पाल आशीष यादव सुमित हृदयेश पवन दीक्षित ज्ञानेंद्र चौहान अभिनव कुमार विमलेश यादव राहुल दीपक तिवारी अशोक शंखवार सचिन्द्र चैहान अतुल दुबे यादवेंद्र यादव अवनीश कुमार अरुण कुमार मृदुला प्रतिमा किरन शाक्य प्रज्ञा सुधा मीना अर्चना सुप्रिया साधना वन्दना सरिता यादव अंजू कटारा नीरू गोश्वामी सुमन पाल सोनू यादव अभय चौधरी कमलकांत ओमकार इमरान जाबेद देशदीपक साधना अम्बेश अनिता सक्सेना सुधा भदौरिया सीमा वर्मा पल्लवी दुबे आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रदीप अग्रवाल बने कैंट बोर्ड सदस्य

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! बनिया बाजार निवासी प्रदीप कुमार अग्रवाल को रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा छावनी परिषद रुड़की का सदस्य नामित किया गया है ! गुरूवार को उन्हें पद की शपथ दिलाई गई ! छावनी परिषद रुड़की के अध्यक्ष ब्रिगेडियर राजेश कुमार ने उन्हें शपथ दिलाई ! इस अवसर पर सीईओ कैंट बोर्ड रुड़की इरफान हाफिज एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा ! शपथ के बाद समर्थकों ने उन्हें बधाई दी और माल्यार्पण कर स्वागत किया ! इस दौरान नामित सदस्य प्रदीप कुमार ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्रालय की ओर से जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसे वह पूरी जिम्मेदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। क्षेत्र का विकास और जन समस्याओं का निस्तारण उनकी प्राथमिकता रहेगा ! जल्द ही अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद रुड़की से मिलकर उनको जनसमस्याओं से अवगत कराया जाएगा और क्षेत्र में रुके हुए कार्यों को पूरा कराया जाएगा !

धर्म की रक्षा को धरती पर अवतरित होते हैं भगवानः सेमवाल

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। पुरानी तहसील में चौथे दिन की श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास आचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने श्री कृष्णा अवतार की कथा सुनाई। इस दौरान उन्होंने बताया कि भगवान धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार ग्रहण करते हैं और राक्षसों का विनाश करते हैं। जब कंस का अत्याचार बढ़ गया और उसने देवकी-वासुदेव को बंदी बना लिया, अपने पिता को भी बंदी गृह में डाल दिया तथा धर्म के विरुद्ध कार्य करने लगा, गौ माता की पुकार भक्तों की पुकार पर भगवान ने अवतार ग्रहण किया। श्री कृष्ण अवतार में भगवान ने विभिन्न कार्य किए, जब कंस के अत्याचार ज्यादा बढ़ गए, तो भगवान ने उसका वध कर दिया। कंस के अत्याचारों को समाप्त कर दिया, अधर्म का नाश किया, भगवान ने गीता के माध्यम से अर्जुन को उपदेश दिया और अपने विश्वरूप के दर्शन कराएं और भक्ति योग, ज्ञान योग और कर्म योग का संदेश भी दिया। भगवान ने गोपियों का उद्धार भी किया। गोपिया भगवान की अटूट भक्ति करती थी, कालिया नाग का भी भगवान ने उद्धार किया। भगवान भक्तों के बस में रहते हैं, बस हमें निरंतर भगवान की भक्ति करनी चाहिए। सच्चे और अच्छे कर्म करने चाहिए। श्रीमद्भागवत महापुराण और श्रीमद्भागवत गीता हमें धर्म पर चलने का मार्ग बताती है, जो व्यक्ति धर्म पर चलता है, उसके जीवन में शांति होती है। उसका जीवन देवताओं के समान हो जाता है। इसलिए हमें निरंतर धर्म पर चलना चाहिए, भक्ति करनी चाहिए और भगवान के उपदेशों का पालन करना चाहिए। कथा में आचार्य नरेश शास्त्री, आचार्य संदीप शास्त्री, सुलक्षणा सेमवाल, आदिति सेमवाल, चित्रा गोयल, राधा भटनागर, रेनू शर्मा, पूजा वर्मा, गौरव वर्मा, नरेंद्र भारद्वाज, प्रदीप चौहान, विकास मित्तल, उषा सिंगल आदि मौजूद रहे।

डायन महंगाई पर भी जनता को जवाब दे विधायकः डीपी सिंह

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। डायन महंगाई को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरीके से सरकार को घेरने में लगी है। गुरूवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर देवेंद्र प्रताप सैनी ने एक बार रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा पर निशाना साधते हुए कहा रुड़की में सिर्फ एक शख्स है जिन्हें महंगाई शायद महंगाई नहीं लगती। अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान प्रदीप बत्रा ने एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में बढ़ती महंगाई पर पूछे गए सवाल का जवाब दिया कि यह तो देश का विकास है। इसी पर सवाल उठाते हुए प्रोफेसर डीपी सिंह ने कहा कि लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं और यहां के विधायक घटती हुई आमदनी और घटते हुए व्यापार के बीच महंगाई को विकास बता रहे हैं और इसको देशहित बता रहे हैं। इस तरह की सोच जनता के साथ छलावा तो है ही पर सामान्य नागरिक की परेशानियों को ना समझने की अक्षमता भी है। यही कारण है वह विधानसभा में महंगाई को लेकर ना कोई प्रश्न उठा पाते हैं नाही सरकार को, चाहे वह अपने ही दल की क्यों ना हो घेरने की कोई चेष्टा करते हैं। जबकि जनप्रतिनिधि का काम जनता की आवाज को सरकार तक पूरी ताकत के साथ ले जाना होता है। बड़ा दुखद है कि इस तरह के बयान रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा की तरफ से जनता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं, जिस पर शायद जनता को भी सोचना पड़ेगा कि जिस जनप्रतिनिधि को उन्होंने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वही उनकी समस्याओं को विकास का नाम दे रहे हैं। 2022 में जनता उनकी इस सोच का जवाब अवश्य देगी।

अज्ञात वाहन ने रौंदा युवक, मौत

मदरलैंड संवाददाता, पिरान कलियर ! पिरान कलियर से रुड़की की ओर जा रहे एक युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिस कारण युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। युवक की मृत्यु के बाद परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं जबकि टक्कर मार कर भागने वाले वाहन का कोई सुराग नहीं मिला है। मिली जानकारी के अनुसार राजुपुर निवासी 17 वर्षीय मुईन नाम का युवक पिरान कलियर अपने रिश्तेदारों के यहां से साइकिल से रुड़की की ओर जा रहा था सुबह सुबह जैसे ही युवक महवड कलां के नजदीक पहुंचा पीछे से आ रहे किसी तेज रफ़्तार अज्ञात वाहन ने युवक की साइकिल को टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक उछल कर दूर जा कर गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस सम्बन्ध में पिरान कलियर थाना प्रभारी धर्मेंद्र राठी ने बताया कि सुबह महवड कलां से एक घायल युवक की सूचना प्राप्त हुई जिसे उपचार के लिए तुरंत रुड़की हस्पताल में भर्ती कराया गया उसके बाद युवक के परिजनों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई और ना ही कोई तहरीर दी गई।

समिति ने जताई दो नंबरों पर आपत्ति

मदरलैंड संवाददाता, पिरान कलियर। कलियर हज हाउस सभागार में भूमि बचाओ समिति के सदस्य एडवोकेट दानिश साबरी और अब्दुल सत्तार ने एक प्रेस वार्ता कर भूमि के दो नंबरों पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से पैमाइश न करने की मांग की है। पिरान कलियर हज हाउस सभागार में भूमि बचाव समिति के सदस्य एडवोकेट दानिश साबरी और अब्दुल सत्तार ने प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि राजस्व विभाग व चकबन्दी विभाग की टीम दो दिन पहले कलियर में दरगाह क्षेत्र में पड़ी भूमि की पैमाइश करने के लिए पहुँची थी। जिसका हज समिति अध्यक्ष शमीम आलम ने स्थानीय लोगो के साथ मिलकर पैमाइश के विरोध किया था। जिसे लेकर भूमि बचाव समिति ने प्रशासन से मांग की है कि 79 और 90 नम्बरो का न्यायालय में वाद विचाराधीन है। इन दोनों नम्बरो को छोड़ कर अन्य भूमि की पैमाइस कर ली जाए। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रशासन जबरन इन दोनों नम्बरो की पैमाइस करने पर तुला है। अगर प्रशासन इन दोनों नम्बरो की पैमाइस करता है तो वो उसके खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

आइआइटी ने मनाया 175वा स्थापना दिवस

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। आईआईटी रुड़की ने उत्कृष्टता के 175 वर्ष शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में वस्तुतः उपस्थित थे। अपने 175 साल के समारोह में आइआइटी रुड़की ने अनुसंधान क्षमता के निर्माण के लिए रुड़की के आसपास के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ जुड़ने की घोषणा की है। 25 नवंबर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की 1847 में ब्रिटिश साम्राज्य में पहले इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और तब से इंजीनियरिंग शिक्षा, अनुसंधान और विकास (आरएंडडी), सामाजिक प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में कई पहली और अग्रणी पहल के साथ तेजी से प्रगति की है। संस्थान ने आज 25 नवंबर को शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में 175वें वर्ष समारोह की शुरूआत की। शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी रुड़की को उसके 175 वर्षों की उत्कृष्टता के लिए बधाई देते हुए कहा, 'मैं इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के लिए आईआईटी रुड़की को बधाई देता हूं। आईआईटी रुड़की न केवल अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी रहा है बल्कि इस संस्थान ने समाज और राष्ट्र के व्यापक हित के लिए अकादमिक-उद्योग संबंधों को भी बढ़ावा दिया है। वह राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर गुंजयमान ककळ रुड़की के पूर्व छात्रों को विशिष्ट योगदान के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

आगे मुख्य अतिथि ने कहा, नवीनतम NIRF रैंकिंग में, IIT रुड़की ने नौवें स्थान से सातवें स्थान पर अपनी समग्र रैंक में सुधार किया है। आर्किटेक्चर कैटेगरी में इस साल आईआईटी रुड़की को देश में पहला स्थान मिला है। मैं इस शानदार उपलब्धि के लिए शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसित लाइन पर, संस्थान ने अपने मौजूदा पांच वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों में एक निकास विकल्प पेश किया है। मैं एनईपी 2021 के विजन को पूरा करने में यह पहल करने के लिए संस्थान की सराहना करता हूं। देश के इस दिग्गज संस्थान के निरंतर विकास और सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं। समारोह के दौरान, ककळ रुड़की ने अपने आसपास के के ऊच शिक्षा संस्थाओं के साथ भागीदारी करने की खास पहल की है जिसका मकसद शोध क्षमता का विकास है। इसके अतिरिक्त आसपास के स्कूलों के विद्यार्थिओं को आईआईटी रूड़की आने का निमंत्रण दिया है जहाँ ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जायेगा। इस पहल से छात्रों को आईआईटी रुड़की की गरिमा और भव्यता का अनुभव, सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की संभावनाओं, आकर्षक तथ्यों, अनुसंधान संस्कृति, और वे भविष्य में क्या क्या क्र सकते हैं, की प्रेरणा मिलेगी। प्रो. अजीत के. चतुवेर्दी, निदेशक, आईआईटी रुड़की, ने उत्तराखंड राज्य में स्थित सभी उच्च शिक्षा संस्थानों और रुड़की के 200 किमी के दायरे में स्थित पड़ोसी राज्यों, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के संस्थानों को ज्ञान सृजन और अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) संबंधित गतिविधियों के लिए हाथ मिलाने के लिए आवाहन किया। ये जुड़ाव छात्रों और संकाय के भीतर रचनात्मक सोच, नवाचार और एक शोध मानसिकता के कौशल को आत्मसात करेंगे। इससे इन उच्च शिक्षा संस्थानों को एनआरएफ योजना के तहत अधिक धन प्राप्त करने में मदद मिलने की भी संभावना होगी।

आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो अजीत के चतुवेर्दी ने कहा, आज हमारे प्रयासों को नवीनीकृत करने का दिन है ताकि हम बढ़ते रहें, खुद को मजबूत करते रहें, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक स्तर पर अपने साथियों के बीच अपनी स्थिति में सुधार करना जारी रखें। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अपने 175वें वर्ष में हम दो उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। पहला राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के हिस्से के रूप में 1.3 पेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटिंग सुविधा है, और दूसरी परियोजना एससीएडीए - आधारित स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम है जिसमे ऊर्जा संपदाओं से परिवहन तक और फिर पानी एवं कचरा प्रबंधन के लिए एकीकृत निगरानी विश्लेषण और नियंत्रण केंद्र स्टफिट की जाएगी।उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज एक नए छात्रावास और रसायन विज्ञान विभाग के लिए भवन की आधारशिला रखेंगे। निकट भविष्य में मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बिल्डिंग की आधारशिला भी रखी जाएगी, प्रोफेसर चतुवेर्दी ने आईआईटी रुड़की परिसर में हाल के बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा, इसके साथ ही प्रो. चतुवेर्दी ने आईआईटी रुड़की के 175 साल के जश्न पर आइआइटी ईनिशीएटिव्स लीडिंग द फ्यूचर' टैगलाइन के अंतर्गत वेब पेज भी लॉन्च किया। आयोजन के दौरान अन्य गतिविधियों में आईआईटी रुड़की के लिए आस-पास के स्कूलों के छात्रों के लिए एक दिवसीय टूर का शुभारंभ और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा तैयार जैव विविधता रिपोर्ट का शुभारंभ शामिल था। आईआईटी रुड़की की 175वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए, प्रोफेसर अरुण कुमार, अध्यक्ष, 175 साल समारोह समिति, आईआईटी रुड़की ने कहा, 175 वर्षों तक देश की सेवा करने का हमारा गौरवशाली अतीत रहा है। यह समय हमारे लिए देश में उच्च शिक्षा में आवश्यक बदलावों के लिए खुद को फिर से तैयार करने का है। आत्मानिर्भर भारत मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा संस्थानों से एक प्रमुख भूमिका की उम्मीद कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम न केवल बहुत प्रासंगिक होंगे बल्कि उच्च शिक्षा के नए युग में इस परिवर्तन का नेतृत्व भी करेंगे और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कई उत्पादों, बुनियादी ढांचे, प्रक्रियाओं और सामग्रियों के विकास के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में योगदान बढ़ाएंगे। अपनी स्थापना के बाद से, ककळ रुड़की ने अपने संकाय और छात्रों के बीच अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) के उद्देश्य के साथ संरेखित करते हुए कि भारत को सतत विकास प्राप्त करने के लिए अनुसंधान और नवाचार (आरएंडआई) को बढ़ावा देना चाहिए, आईआईटी रुड़की अकादमिक के साथ-साथ अनुसंधान पर सगाई के लिए प्रस्ताव आमंत्रित कर रहा है। सामने। इसमें मुख्य रूप से आईआईटीआर स्पार्क प्रोग्राम के माध्यम से 3 महीने की अवधि के लिए बीटेक इंटर्नशिप शामिल हैं !

आईआईटी रुड़की और सहयोगी संस्थान की संयुक्त देखरेख में 6 महीने की अवधि के लिए एमटेक इंटर्नशिप संस्थागत भागीदारी संस्थागत भागीदारी में 2 पीएचडी भागीदारी संस्थानों में परामर्श और अनुसंधान सुविधाओं में वृद्धि के लिए आईआईटी रुड़की में संकाय और छात्र स्थानांतरण कार्यक्रमों के साथ-साथ आईआईटी रुड़की में पंजीकरण। अपने 175वें स्थापना दिवस समारोह को चिह्नित करते हुए, ककळ रुड़की ने 6 नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को भी देखा। संस्थान ने आईआईटी रुड़की में टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा इनक्यूबेशन सपोर्ट की संभावना के साथ मेंटरशिप और मार्गदर्शन की पेशकश करके रुड़की के आसपास ज्ञ्एक में एक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने के लिए ज्ञान हस्तांतरण पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक पहल भी शुरू की है।

उद्यमिता के मोर्चे पर संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, आईआईटी रुड़की के उप निदेशक प्रो मनोरंजन परिदा ने कहा, आईआईटी रुड़की में एक मजबूत उद्यमशीलता संस्कृति है। संस्थान में कई पूर्व छात्र हैं जो भारत और विदेशों में सफल तकनीकी और सामाजिक उपक्रमों के संस्थापक हैं। ये पूर्व छात्र ककळ रुड़की की उत्कृष्टता की विरासत को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।रुड़की के आसपास एचईआई के साथ जुड़कर अनुसंधान क्षमता के निर्माण से संबंधित पहल को शुरू में 3 साल की अवधि के लिए लागू किया जाएगा जिसे समीक्षा के बाद जारी रखा जा सकता है। इसके लिए संभावित संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे और शॉर्टलिस्टिंग के बाद साझेदारी के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस पहल के तहत साझेदारी से आईआईटी रुड़की और सहयोगी संस्थानों के लिए संयुक्त अनुसंधान के अवसरों के साथ-साथ आईआईटी रुड़की की उच्च सुविधाओं तक पहुंच में भी मदद मिलेगी। 1971 बैच (1972 बी.आर्क सहित) का गोल्डन जुबली रीयूनियन (जीजेआर) 23-25 नवंबर तक आयोजित किया गया था। विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गई थी, जिन्होंने वस्तुतः इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने विचार और स्वीकृति साझा की। कई पूर्व छात्रों ने आयोजन के दौरान संस्थान को कई पुरस्कारों और छात्रवृत्तियों का समर्थन करने का वचन दिया।

पिरान कलियर गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल: राज्यपाल

» मदरलैंड संवाददाता

पिरान कलियर। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कलियर पहुंचकर दरगाह साबिर पाक में चादर फूल पेश कर देश मे अमनो अमान की दुआ मांगी। इस दौरान हज समिति अध्यक्ष शमीम आलम ने उनका स्वागत किया। बृहस्पतिवार को कलियर पहुंचे केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दरगाह साबिर पाक में चादर और फूल पेश किए। इस दौरान हज समिति अध्यक्ष के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। इस दौरान आरिफ मोहम्मद खान ने बताया की दरगाह साबिर पाक में हाजरी पेश कर देश में अमनो अमान की दुआ की है। उन्होंने बताया कि उन्हें यहाँ आकर बड़ा अच्छा लगा है और इस सरजमी पर इंसान दुआएं मांगने आता है। उन्होंने भी यहां आकर देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआएं मांगी है ! देश मे भाईचारा में बना रहे। भारत देश दुनिया में लीडर बनकर आगे बढ़ता रहे। आगे भी समय मिलने पर यहाँ हाजरी पेश करने आता रहूंगा।इस दौरान हज समिति अध्यक्ष शमीम आलम,हज अधिशासी अधिकारी मोहम्मद मिशम, भाजपा जिला महामंत्री आदेश सैनी, भाजपा नेता जयभगवान सैनी, विनोद मित्तल, तहसीलदार चन्द्र शेखर, रूडकी सीओ विवेक कुमार, नायब तहसीलदार सुरेश पाल सैनी, थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र राठी, एसआई आमिर खान,कार्यवाहक दरगाह प्रबन्धक सफीक अहमद, माहिर हुसैन, इसरार अल्वी, प्रधान रौनक अली आदि मौजूद रहें।

पुलिस ने दबोचा डीजल चोर

» मदरलैंड संवाददाता

लंढोरा ! पुलिस ने बुधवार रात ग्राम थितोला ऑयल डिपो के सामने वाली पार्किंग के पास आयल के टैंकर से डीजल चोरी कर रहे दो लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 120 लीटर डीजल, बरामद किया है पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है ! वरिष्ठ उप निरीक्षक रफत अली ने बताया कि बुधवार कि रात पुलिस को सूचना मिली थी कि ऑयल डिपो के सामने वाली पार्किंग के पास खड़े आयल के टैंकर से दो व्यक्ति डीजल चोरी कर रहे मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और आरोपियों के कब्जे से 120 लीटर डीजल से भरे दो कैन बरामद किए है पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम शाहिद पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम थीतौला थाना मंगलौर शौकीन पुत्र जमील निवासी ग्राम हारड फतेहपुर थाना भवन शामली उत्तर प्रदेश बताया पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट के समक्ष पेश किया।

एसएसडी में किया छात्राओं ने योगाभ्यास

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! एसएसडी कन्या पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा क्रीड़ा समिति के तत्वावधान में आयोजित योग प्रशिक्षण शिविर में गुरूवार को योग के तरीके समझाए गए और योग कराया गया ! शिविर में छात्राओं को योग का महत्व समझाने के साथ ही अनुलोम, विलोम कराया गया ! कालेज की योगा प्रशिक्षित शिवानी बीए पंचम सेमेस्टर तथा सोनाली प्रथम सेमेस्टर द्वारा छात्राओं को योगाभ्यास के तरीके बताए गए ! कालेज प्राचार्य डॉ. अर्चना ने छात्राओं का हौंसला बढ़ाते हुए उन्हें योगाभ्यास के लिए जागरूक और प्रेरित किया ! कहा कि योग शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रक्त प्रवाह बनाए रखने में बेहद कारगर है ! आज के दौर में प्रत्येक व्यक्ति के लिए योगाभ्यास बेहद जरुरी है ! राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. कामना जैन ने कहा कि योग में कई असाध्य रोगों का इलाज छिपा है ! इसलिए योग दिवस के अलावा भी योग को दैनिक नित्यकर्म में शामिल किया जाना चाहिए ! यदि संभव हुआ तो शिविर को छात्राओं के हित में आगे भी जारी रखा जाएगा ! क्रीड़ा समिति की प्रभारी डॉ. किरन बाला ने कहा कि तनाव मुक्त रहने के लिए योग ही सर्वोत्तम है ! योग प्रशिक्षण से छात्राएं अपने लक्ष्य और अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती हैं ! उन्होंने बताया कि शिविर में बीए, बीएससी तथा एमए की छात्राएं उत्साह से योग सीख रहे हैं ! 1 नवंबर से जारी योग शिविर 30 नवंबर तक चलेगा ! डॉ. किरन बाला ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है ! प्राणायाम और योग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में अपनाया जा रहा है !

नोएडा में संघ प्रमुख से मिले झबरेड़ा विधायक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! संघ प्रमुख मोहन भागवत अपने निजी दौरे पर पहुंचे जहां संघ प्रमुख मोहन भागवत से विधायक देशराज कर्णवाल ने मुलाकात हुई जब रुड़की क्षेत्र में इस मुलाकात की पोस्ट वायरल होने लगी तो क्षेत्र में चचाओं का माहौल गर्म हो गया ! अमित चौहान ने बताया की शाम करीब 7:30 बजे संघ प्रमुख मोहन भागवत का सुदर्शन मुख्यालय आगमन हुआ। जहां उन्होंने दीप प्रज्वलित करने के बाद सुरेश चव्हाण के और संघ प्रमुख मोहन भागवत कि करीब एक घण्टा बैठक चली जिसके तत्पश्चात उन्होंने चव्हाण के के परिवार संघ से सहभोज किया उसके बाद वह वहां पर मौजूद सभी से मिले और अमित चौहान ने बताया कि देशराज हमारे क्षेत्र के विधायक है ! वही झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल का कहना है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत से उनकी मुलाकात तो हुई लेकिन उसके कोई राजनीतिक मायने नहीं है उनका कहना है कि उन्होंने ऐसे थोड़ा ही बोल दिया था कि इतने तीर मारूंगा इतने तीर मारूंगा की आवाज मुह से नही कही और से ही आएगी वह बयान दशार्ता है कि विधायक देशराज कर्णवाल ने पहले ही ब्रह्मसस्त्र छोड़ दिया है।उन्होंने बताया कि संघ और पार्टी का कोई लेना देना नहीं है और संघ एक बहुत पुराना और बड़ा संग है और भाजपा पार्टी से कोई संघ का मतलब नहीं है और भाजपा पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है जिसको पीएम मोदी ने चला रखा है अब उनकी बातों से क्या समझा जाए या क्या मायने समझे जाए कि विधायक देशराज कर्णवाल ने तीर मुंह में घुसाने से पहले ही ब्रह्मास्त्र छोड़ दिया है !

आजादी के अमृत महोत्सव प्रश्नोत्तरी के विजेता बने वृक्षामित्र डॉ. त्रिलोक सोनी

देहरादून, एजेंसी। प्रसार भारती प्रादेशिक समाचार एकांश आकाशवाणी देहरादून के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर बुधवार व बृहस्पतिवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की जाती है जिसमें एक भाग्यशाली विजेता को प्रमाण पत्र दिया जाता है। आकाशवाणी देहरादून ने बृहस्पतिवार प्रश्नोत्तरी श्रृंखला में दांडी मार्च क्यों शुरू किया गया प्रश्न पूछा गया था, जिसका सही जवाब नमक कानून तोड़ने के लिए था।

इसका सही जवाब राजकीय इण्टर कालेज मरोडा (सकलाना) में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत शिक्षक पर्यावरणविद् वृक्षामित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने दिया। उन्हें इस आयोजित क्विज का विजेता घोषित किया और आकाशवाणी देहरादून के उप निदेशक (समाचार) राघवेश पाण्डेय द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया हैं। डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी को आजादी का अमृत महोत्सव प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता होने पर जिला पंचायत सदस्य, भुतसी सकलाना आशा रावत ने क्षेत्र में आने पर डॉ. सोनी को सम्मानित किया। कहा जिस प्रकार से डा. सोनी द्वारा शिक्षण कार्य के साथ समाज में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है वह बहुत ही काबिलेतारीफ है। ग्रामीण क्षेत्र में रहते हुए उन्होंने जन-जन को जागरूक व प्रेरित करने का जिम्मा लिया है निश्चित ही आने वाले समय में डॉ. सोनी द्वारा किये जा रहे कार्य समाज में एक उदाहरण होगा।

समाजसेवी तीरथ सिंह रावल ने वृक्षमित्र डॉ. सोनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुये कहा पर्यावरणविद् डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने शिक्षा के साथ समाज में पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाए हैं उनके द्वारा शुरू किया गया पौधा उपहार में भेंट करने व जन्मदिन पर पौधे लगाना जन जन की चाहत बन गई है। मुझे खुशी है कि हमारे क्षेत्र में डॉ. सोनी जैसे शिक्षक व पर्यावरणविद् हैं जिनका जीवन दूसरों के लिए समर्पित है।

राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से मिले काबीना मंत्री गणेश जोशी

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के उद्योग मंत्री गणेश जोशी ने वीरवार को नई दिल्ली में उत्तराखण्ड से राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी से भेंट कर उन्हें 02 दिसम्बर को हरिद्वार जनपद के रुड़की में होने वाले शहीद सम्मान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया। काबीना मंत्री ने सांसद बलूनी से 144 करोड़ की लागत से बनने वाली मसूरी पेयजल पंम्पिग योजना के शिलान्यास हेतु समय प्रदान करने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि यह योजना मसूरी की तीस हजार से अधिक की जनसंख्या के लिए वरदान साबित होगी। आगामी 20-25 वर्षों तक मसूरी को पेयजल का संकट नहीं होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का भूमि पूजन हो चुका है और जल्द ही सांसद अनिल बलूनी योजना का शिलान्यास करेंगे।

21 साल लग गए उत्तराखंड की खेल नीति लागू करने के लिए नेशनल फुटबाल कोच विरेन्द्र सिंह रावत को संघर्ष करते हुए

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पूर्व प्रसिद्ध फुटबाल खिलाडी, नेशनल कोच, क्लास वन रेफरी, अनगिनत इंटरनेशनल, नेशनल और स्टेट अवार्ड से सम्मानित का संघर्ष 21 साल बाद साकार हुआ। विरेन्द्र सिंह रावत ने सरकार का तह दिल से धन्यवाद और बधाई दी। अकेले एक इंसान विरेन्द्र सिंह रावत ने खेल नीति लागू करने के लिए कई वर्षों से समय-समय पर अनशन, भूख हड़ताल, धरना प्रदर्शन किया और कई वर्षों से खेल निति कैसी हो उसके लिए दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को 21 साल में कई बार सुझाव लिखित में बाय हैंड और मेल के माध्यम से प्रदान किए, लेकिन इन 21 सालों में बारी-बारी से पांच साल कांग्रेस आई, पांच साल बीजेपी आई यानी की 10,10 साल दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के खेल मंत्री, मुख्यमंत्री को सुझाव दिए और साथ-साथ खेल संघों में हो रहे भ्रष्टाचार से अवगत भी कराया।

सच की लड़ाई और खेलों के विकास के लिए विरेन्द्र सिंह रावत ने नौकरी छोड़ी, कर्ज लिया, जेल गया, जमीन बेची, शोषण सहा और कई बार दुश्मनों के हाथों घायल भी हुआ, लेकिन 21 वर्षों से आज भी बहारी लोग उत्तराखंड ओलिंपिक संघ और विभिन्न खेल संघों में एक छत्र राज कर खिलाड़ियों के साथ शोषण कर रहे हैं लेकिन किसी की भी सरकार रही उन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त पदाधिकारियों पर आज तक कोई भी कार्यवाही नहीं की। रावत ने कहा कि आज 437 करोड़ की लागत से दो बड़े इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बने हैं एक देहरादून में एक हल्द्वानी में, आज हालात देखिए बंजर पड़े हैं और जो स्पोर्ट्स हॉस्टल है देहरादून, हल्द्वानी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, काशीपुर का बुरा हाल है। रावत ने बताया की 2020 अक्टूबर माह में बीजेपी सरकार ने फिर से खेल नीति पर सुझाव मांगे थे हमने फिर भेजे उस वक्त मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत थे जो 4 साल 6 महीने मुख्यमंत्री रहे उन्होंने हमारे समस्त 32 सुझाव स्वीकार किए और कैबिनेट ने खेल नीति पर मंजूरी दी। फिर तीरथ सिंह रावत मुख्यमंत्री बने। तीन माह के लिए उन्होंने भी कैबिनेट में खेल नीति पर मंजूरी दी। फिर एक साल में तीसरे मुख्यमंत्री बने पुष्कर सिंह धामी अब उन्होंने भी 23 नवंबर 2021 को खेल नीति को कैबिनेट में मंजूरी मिली। रावत ने कहा क्या मजाक बना के रखा हुआ है तीन तीन मुख्यमंत्री एक साल में एक खेल नीति को बार-बार कैबिनेट में मंजूरी दे रहे हैं खिलाड़ियों को क्यूं गुमराह कर रहे हैं धरातल पर कब उतरेगी। अब तीन महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं बीजेपी ने दुबारा सत्ता में आने के किए एक लॉलीपॉप खिलाड़ियों के लिए छोड़ दिया। कब तक खिलाड़ियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार किया जाएगा। आज देखिए अन्य राज्यों में खेल नीति लागू है और वहां के युवाओं को रोजगार, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी मिल रही है नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ियों को हर साल सम्मानित किया जाता है कम उम्र के बच्चों के लिए बेहतरीन सुविधा से परिपूर्ण हॉस्टल बनाए गए हैं खेल, शिक्षा और नौकरी दी जा रही है, सरकार का विभिन्न खेल संघों में अच्छा तालमेल है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों की कोरोना जांच हुई

नरेन्द्र स्वामी, मदरलैंड संवाददाता, सिंघाना। कस्बे की विश्व भारती विद्यालय में चिकित्सा विभाग के एमएमवी टीम द्वारा विद्यार्थियों की कोरोना सेंपलिंग कर जांच की गई। फार्मासिस्ट आशीष ने बताया कि राजस्थान में कोरोना को लेकर उच्च अधिकारियों के दिशा निदेशी के अनुसार स्कूली विद्यार्थियों की कोरोना जांच की जा रही है। जिसको लेकर गुरुवार को सिंघाना के विश्व भारती विद्यालय में एमएमवी टीम द्वारा 103 विद्यार्थियों की सैंपल लेकर जांच की गई। इस मौके पर अजय डांगी, कृष्णकांत, राजेश, प्रियंका, आनन्द मौजूद रहे।

चरणजीत सिंह पुन्नू भाटिया बने अकाली दल पार्टी के पी ए सी का मेंबर बनाया

मदरलैंड संवाददाता, लुधियानाः शिरोमणि अकाली दल बादल ने भाटिया परिवार के पुत्र चरणजीत सिंह पुन्नू भाटिया को पी ए सी का मेंबर नियुक्त किया इस अवसर पर पुन्नू भाटिया ने सभी हाईकमान का धन्यवाद किया है उन्होंने कहा कि प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल जी ने जो उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है वह ईमानदारी से निभाएंगे और 2022 के चुनावों में शिरोमणि अकाली दल की सरकार पंजाब में बनाने में पूरी मदद करेंगे भाटिया ने कहा कि पूर्व जत्थेदार अमरजीत सिंह भाटिया ने हमेशा ही शिरोमणि अकाली दल पार्टी को बुलंदियों में लेकर गए हैं आज भी उनकी कमी महसूस हो रही है पार्टी में वह भी पूरी इमानदारी से इस पार्टी को जिम्मेदारी से नाम रोशन करेंगे और सभी युवाओं को एकजुट करके इस पार्टी के साथ जुड़ेंगे और 2022 में अकाली दल बादल की सरकार बनाएगे

पूर्व मंत्री स्व. ओमप्रकाश महाजन को 20वीं पुण्यतिथि पर याद किया व भाजपा नेताओं ने श्रद्धा के सुमन अर्पित किए

मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता, हिसार। हरियाणा के पूर्व मंत्री स्व. ओमप्रकाश महाजन की 20वीं पुण्य तिथि पर आज उनके परिवारजनों व शुभचिंतकों ने स्व. ओमप्रकाश महाजन को याद करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। पंजाबी धर्मशाला, राजगुरु मार्किट में उनके पुत्र प्रदुमन महाजन, पौत्र व प्रदेश युवा भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकारिणी सदस्य नेता लोकेश महाजन, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र, भाजपा नेता राजेंद्र सपड़ा, सुरेश अरोड़ा, मंजू अरोड़ा, योगेश आर्य, संजीव राजपाल, गुलशन कथूरिया, राजकुमार कक्कड़, प्रेम दीवान, गोविंद मधु, ओमप्रकाश असीजा, मनोहर लाल नांगरू, शुभम वलेचा, नरेश वधवा, प्रवीण नारंग, शिव इंदौरा आदि ने स्व. ओमप्रकाश महाजन को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके साथ बिताए पलों को सांझा किया।

युवकों ने मिलकर लगाया लंगर करी सेवा

मदरलैंड संवाददाता, लुधियानाः युवकों ने मिलकर फिरोजपुर रोड पर अपनी सैलरी के पैसों को इकट्ठा करके लंगर लगाया आकाश दीप सिंह ने बताया कि सभी सभी दोस्तो ने मिलकर लंगर लगाने का सोचा और जरूरत मंद लोगो को लंगर बाटने की बांटने की सेवा करने की सूची सभी दोस्तों ने कहा कि महीने में एक बार लंगर जरूर लगाया करेंगे और जरूरत बहुत लोगों की मदद करेंगे इस अवसर पर जसप्रीत सिंह मनवीर सिंह रमनदीप सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने वचन दिए थे कि वड नाम जपो और सेवा करो उन्हीं के दिए हुए मार्ग पर चलने की कोशिश कर रहे हैं।

क्षेत्र के उत्थान के लिए सरकार के साथ-साथ गैर सरकारी स्वंयसेवी संस्थाओं का भी अहम योगदानः सुरेन्द्र पाल

मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। तावडू के उप मण्डलाधीश सुरेन्द्र पाल ने कहा है कि क्षेत्र के उत्थान के लिए सरकार के साथ-साथ गैर सरकारी स्वंयसेवी संस्थाओं का भी अहम योगदान है। खासकर मौजूदा दौर में लगाये जा रहे स्वास्थ्य शिविरों से मरीज अपने स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों का इलाज ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में हर वर्ग का मरीज अपने स्वास्थ्य संबंधित बीमारी व उसके इलाज खासकर दवाईयां भी ले रहे हैं। वह, गुरूवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में जिला रैडक्रास सोसायटी व एक गैर सरकारी स्वंयसेवी संस्था के संयुक्त तत्वधान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का फीता काटकर उदघाटन के बाद आयोजित समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर व उसके कहर से बचने के लिए कोरोना टीकाकरण कराना बेहद जरूरी हैं और जिला में शत प्रतिशत कोरोना वैक्सीन के लिए जिला उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह की छेडी गई मुहीम के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। इस दौरान विकलांग, आंख,कान ,मधुमेय व कृत्रिम अंग लेने वाले मरीजों की नापतोल भी की गई और दिसंबर माह में उनका वितरण करने का भरोसा दिलाया गया। इसी कडी में बुजुर्ग,उम्रदराज व कम सुनाई देने वालों को भी उपकरण भेंट किये गये। इसके अलावा करीब अढाई दर्जन लोगों को शिविर में कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण किया गया। इस दौरान मुख्यातिथि एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर तावडू नपा अध्यक्ष मनीता आशीष गर्ग व उनकी टीम के अधिकांश पार्षद व उनके परिजन भी मौजूद रहें।

पैसे के लेनदेन के मसले में मार पिटाइ

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। दौंगड़ा अहीर में पैसे के लेनदेन के मसले में मार पिटाई में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल ने दो व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया है। मिली जानकारी अनुसार धर्मेंद्र निवासी दौंगड़ा 18 नवंबर को सब्जी लेने के लिए दौंगड़ा चौक की ओर जा रहे थे। ज्यों ही वह मनोज मेडिकल स्टोर के पास पहुंचा तो उसे महेंद्र एवं सुनील निवासी दौंगड़ा मिलेंद्र ने धर्मेंद्र से जयपुर तक किराए पर ले जाई गई गाड़ी के पैसे मांगे तो धर्मेंद्र ने कहा कि तुमने दूध के पैसे नहीं दिए हैं। इसलिए तुम पहले दूध के पैसे दो तब तुम्हें गाड़ी का किराया दिया जाएगा। इतना कहते ही आपस में इतनी तनातनी हुई कि महेंद्र गाड़ी में रखी राह लोहे की राड लाया और धर्मेंद्र के सिर पर दे मारी वही सुनील ने भी राड से हमला किया जिससे धर्मेंद्र अचेत हो गया। इलाज के लिए सरकारी अस्पताल महेंद्रगढ़ ले जाया गया जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। रेवाड़ी में उनका 3 दिनों तक इलाज चला जब होश में आया तो उन्होंने महेंद्र और सुनील के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया है। दौंगड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अरविंद केजरीवाल की चंडीगढ़ वासियों को दूसरी गारंटी: चंडीगढ़ को मिलेगी कूड़े के ढेरों से मुक्ति

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने दूसरी गारंटी जारी की। बुधवार को पार्टी ऑफिस में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चंडीगढ़ के प्रभारी और दिल्ली से विधायक जरनैल सिंह ने 'चंडीगढ़ वासियों को मिलेगी कूड़े के ढेरों से मुक्ति' नाम से गारंटी का ऐलान किया। उनके साथ चंडीगढ़ के सह प्रभारी प्रदीप छाबड़ा, अध्यक्ष प्रेम गर्ग, महासचिव विजयपाल सिंह भी मौजूद थे

मीडिया से मुखातिब होते हुए जरनैल सिंह ने कहा कि पिछले दो से अधिक दशकों से बारी बारी से नगर निगम में काबिज भाजपा और कांग्रेस जिस काम को करने में नाकाम रही है, उसे आम आदमी पार्टी पूरा कर के दिखाएगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले शहरवासियों को डंपिंग ग्राउंड में पड़े कूड़े के पहाड़ से निजात दिलाई जाएगी। कूड़ा निष्पादन के लिए विश्वस्तरीय इंतजाम किए जाएंगे तथा डड्डूमाजरा प्लांट को विश्व स्तरीय तकनीक से संचालित किया जाएगा। इसके अलावा हर घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था की जाएगी। गीले और सूखे कूड़े को अलग अलग कर प्रोसेस करने की व्यवस्था बनाई जाएगी। प्रत्येक वार्ड में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सार्वजनिक स्थानों में कूड़ा फेंकने पर रोक के साथ भविष्य में कूड़ा ना पड़े उसकी व्यवस्था की जाएगी।

भाजपा पर निशाना साधते हुए जरनैल सिंह ने कहा कि देश के टॉप शहरों में शुमार चंडीगढ़ की रैंकिंग फिसल कर 66वें पायदान पर आ गई है जिसके लिए भाजपा पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पाटी शहर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर को चिन्हित कर उसकी सूची बनाकर नगर निगम को सौंपेगी और प्रत्येक वार्ड के वार्ड इंचार्ज निगम के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और लोगों को आम आदमी पार्टी के सफाई को लेकर गारंटी कार्ड भी बांटेंगे।

वहीं सह प्रभारी ने प्रदीप छाबड़ा ने भाजपा को भ्रष्टाचार का जन्मदाता करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शहर की सफाई का जिम्मा निजी हाथों में सौंपकर शहर की सुंदरता पर कालिख पोत दी। उन्होंने मेयर को भी घेरा और सवाल किया कि पिछले पांच सालों में सफाई के नाम पर 300 करोड़ रुपए खर्चने के बाद भी शहर की रैंकिंग क्यों गिरी? उन्होंने कहा कि डड्डूमाजरा में डंपिंग ग्राउंड में कूड़े के ढेर के कारण लोग तरह तरह की बीमारी से ग्रस्त हैं। चुनाव जीतने के बाद आप आदमी पार्टी सभी लोगों का मुफ्त इलाज करवाएगी। प्रशासन के आधीन सभी डिस्पेंसरियां, स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों को एमसी के आधीन किया जाएगा। एमसी में कार्यरत सभी सफाई कर्मियों की भर्तियों में पारदर्शिता लाई जाएगी।

शिव फार्मा मेडिकल स्टोर का हुआ शुभारंभ

अतिथियों ने गोविंदम कंपलेक्स में फीता काटकर किया मेडिकल स्टोर का शुभारंभ

» कृष्ण स्वामी, मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। उदयपुरवाटी कस्बे में बस स्टैंड के पास स्थित जयपुर रोड पर गुरुवार को गोविंदम कॉन्प्लेक्स परिसर में शिव फार्मा मेडिकल स्टोर का अतिथियों ने फीता काटकर शुभारंभ किया ह्न इस अवसर पर पापड़ा के पूर्व सरपंच एवं सहकारी समिति के अध्यक्ष झाबरमल मल सैनी ने कहा कि शिव फार्मा मेडिकल स्टोर जनता को समय पर विशेष सुविधा मिले इसलिए उदयपुरवाटी में खोला गया है ह्न इस अवसर पर पचलंगी के समाजसेवी एवं पूर्व प्रधान मदन लाल भावरिया, केसरदेव सैनी, कांग्रेस नेत्री मीना सैनी, सैनी समाज के अध्यक्ष रमेश सैनी, रघुनाथ सैनी, पार्षद दौलतराम सैनी, राकेश जमालपुरिया, युवा नेता लालचंद सैनी, शिवचंद सैनी, मोहनलाल सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय एजेंसी के निशाने पर सुखबीर के करीबी

» मदरलैंड संवाददाता

● जुझार ट्रांसपोर्ट, फास्ट-वे केबल कंपनी मालिक गुरदीप सिंह के ठिकानों पर ईडी की रेड

चंडीगढ़। ंडीगढ, (विज) पंजाब की बड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनी जुझार ट्रांसपोर्ट और फास्ट-वे केबल कंपनी के मालिक गुरदीप सिंह के घर प्रवर्तन निदेशालय ने रेड की। लुधियाना में शिरोमणि अकाली दल विधायक के घर के बाद उनके बेहद नजदीकी के घर यह दूसरी रेड है।

ईडी टीम गुरुवार सुबह उनके घर पहुंची और जांच शुरू की। टीमें ग्रीन सिटी उनके घर और फास्ट-वे कार्यालय पर जांच कर रही हैं। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। पुष्ट सूत्रों के अनुसार रेड ईडी की है और दोनों जगहों पर लगातार जांच की जा रही है। गुरदीप सिंह सुखबीर बादल के काफी नजदीकी भी हैं। इस रेड से पंजाब की राजनीति में बड़ा उबाल आने की चचाएं गर्म हैं।

प्रवर्तन निदेशालय शहर में गुरदीप सिंह के घर समेत 4 जगहों पर जांच कर रहा है। सूत्रों के अनुसार ईडी अधिकारियों ने गुरदीप सिंह और उनके स्टाफ से बैंक डिटेल से लेकर दूसरी तरह के रिकॉर्ड की मांग की है और यह रिकॉर्ड उन्हें मुहैया करवाया गया है। यह भी जानकारी मिल रही है कि उनके कार्यालयों में अकाउंट्स डिपार्टमेंट में इस्तेमाल होने वाले कंप्यूटरों की भी जांच हो रही है। वहीं पिछले समय में हुए लेन-देन के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सूत्र बता रहे हैं कि पंजाब में ईडी ने कई जगह पर छापा मारा है। मामला 2017 स्टेट विजिलेंस टीम की ओर से दर्ज केस से जुड़ा है और ठेके देने के मामले में बड़े घोटाले का है। इस मामले को ईडी ने अपने हाथ में ले लिया है। इसके तहत ही यह कार्रवाई की जा रही है।

भोड़की स्टेडियम के मुख्य द्वार का कलक्टर ने किया लोकार्पण

» मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। भोड़की गांव में जन सहयोग से बने स्टेडियम के मुख्य द्वार का गुरुवार को जिला कलक्टर यूडी खान ने फीता काटकर लोकार्पण किया।इस द्वार का निर्माण सूबेदार मदनलाल गढ़वाल की स्मृति में 8 लाख की लागत से करवाया गया है।जिला कलक्टर ने द्वार का निर्माण कराने वाली सोनी देवी व उनके पुत्र महेश राकेश दिनेश नरेश को साधुवाद देते हुए कहा कि भोड़की गांव में 70 लाख रुपए के जन सहयोग से स्टेडियम बनने से गांव का गौरव बढा है वहीं युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर नरेंद्र गिल ने की विशिष्ट अतिथि जोधपुर नगर निगम में उपायुक्त राकेश गढ़वाल, उपखंड अधिकारी लाडनूं अनिल गढ़वाल, तहसीलदार सोनू आर्य, प्रधानाचार्य ग्यारसी देवी ,सरपंच नेमीचंद जांगिड़, ढानिया सरपंच सरोज देवी, विद्याधर गिल , ताराचंद गुप्ता, श्याम सुंदर सौथलिया , हरलाल सिंह गढ़वाल राष्ट्रपति से सम्मानित खेल प्रशिक्षक जय सिंह धनखड़ थे।संचालन जगदेव सिंह गोदारा ने किया।समिति अध्यक्ष गिरधारी लाल गुप्ता ने आभार जताया।कार्यक्रम में पूर्व सरपंच प्रहलाद सिंह गिल, गणेश गुप्ता ,शिव राम गोदारा, कमल जाखड़, जयराम भगत, बनवारी गढ़वाल ,जगदीश गढ़वाल श्रीचंद्र डूडी सहित काफी लोग उपस्थित थे।

समाज सेवक संजय तिवारी ने भी ग्लाडा के अधिकारियों पर उठाए सवाल

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः ग्लाडा के अफसरों की मर्जी से बन रही दुगरी में दुकानें और मकानो को लेकर समाज सेवक संजय तिवारी ने कई सवाल खड़े कर दिए गए संजय तिवारी ने बताया कि कितनी बार आर टी ए डालने के बावजूद ग्लाडा के अधिकारी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं हर बार लाली पॉप दे कर भेज दिया जाता है तिवारी ने बताया कि जे ई और एस डी ओ की सेटिंग से फ्लैटों और बाई पास लिंक दो बार लगातार दुकानें बनाई जा रही है किसी के भी पास कोई परमिशन नही है उसके बावजूद धड़ल्ले से दुकानें बनाई जा रही है जब इस संबंधी बिलाडा को आरटीआई में जवाब पूछा जाता है तो ग्लाडा के अधिकारी दुकानदारों को सूचित कर देते हैं जो उनके दुश्मन बन जाते हैं उन्होंने ग्लाडा के अफसरों पर आरोप लगाया कि जब भी कोई बिल्डिंग बनती है तो जे ई की जेब गर्म कर दी जाती है उसके बाद बिल्डिंग बन कर तैयार हो जाती है मगर कोई कार्रवाई नहीं होती सिर्फ नोटिस भेज कर अपनी ड्यूटी निभा देते हैं उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं होती लिंक बाय पास दो पर गैर कानूनी तरीके से दुकानें बनाई जा रही है जब जे ई कारण और एस डी ओ संदीप को सूचित किया तो उन्होंने कहा कि नोटिस भेज दिया है जब पूछा गया कि काम तो चल रहा है तो जेई कारण ने कहा हमारे पास और भी काम है एक ही गार्ड है उसको बोल दिया है पिछले एक सप्ताह से दुकान तैयार हो रही है न तो दुकान बनने का काम रोका गया और न ही कोई कारवाही की गई इससे साफ जाहिर होता है कि पंजाब सरकार को कुछ ग्लाडा के अफसर कितना चुना लगा रहे हैं अपनी जेब गर्म करने के चक्कर में सरकार को घाटे में डाल रहे हैं पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सभी दावों को अंगूठा दिखा रहे हैं ग्लाडा के कुछ अधिकारी भ्रष्टाचार को कैसे खत्म कर पाएंगे चरणजीत सिंह चन्नी सवाल यह जवाब बनकर रह गया है कि ग्लाडा कही फ्लैटों को नोटिस भेजने के बाद भी कोई कारवाही नहीं होती

आत्म नगर हल्के वार्ड नं 43 के इलाका निवासियों ने किया लोक इंसाफ पार्टी का बाय काट

» मदरलैंड संवाददाता

● बैंस तेरे नही ठीक इरादे करता तो झूठे वादे गीत गा कर किया प्रदर्शन

● 10 सालो से एम एल ए ने पीने वाले पानी का नही किया कोई हल

लुधियानाः सोशल मीडिया पर हमेशा लाइव होकर अपनी पब्लिसिटी स्टंट करने वाले लोक इंसाफ पार्टी के मुखी आत्म नगर हल्के के एम एल ए सिमरनजीत सिंह बैंस का वार्ड नं 43 के इलाका निवासियों ने बाय काट कर दिया है सुरजीत कौर ने बताया कि पिछले 10 सालो में एक बार भी बैंस ने इलाके में शकल तक नहीं दिखाई इस इलाके में पिछले 15 सालो से पीने वाले पानी की समस्या चल रही है मगर किसी भी पार्टी ने हल नहीं किया सभी महिलाओं ने मिलकर एम एल ए के खिलाफ गीत गा कर रोष प्रदर्शन किया और कहा कि इस इलाके में उसका बाय काट करते हैं कोई भी बैंस को वोट नहीं डालेगा निर्मल कौर ने बताया पार्टी का नाम रखा है लोक इंसाफ पार्टी और इंसाफ दूर दूर तक नहीं होता पीने वाले पानी की समस्या पिछले कई सालों से है एक बार भी बैंस ने हल नहीं की ओर न ही पार्षद ने और ना ही नगर निगम में कोई सुनवाई है नगर निगम के कमिश्नर के पास तो जनता से मिलने का टाइम ही नहीं होता सभी इलाका निवासियों ने मिलकर फैसला लिया की इस बार किसी भी पार्टी को वोट नहीं डालेगा सभी झूठे वादे करके वोट लेकर चलते बनते हैं फिर कभी शकल नही दिखाते पवन ने बताया कि कल इलाके में बोर्ड लगा दिया जाएगा की किसी भी पार्टी के उम्मीदवार की इस इलाके में एंट्री बंद है।

5 करोड़ रुपये की लागत का भेजा कनीना की सड़कें बनाने का प्रस्ताव

» होशियार सिंह, मदरलैंड संवाददाता

कनीना। कनीना कस्बे की कुछ सड़कों को पुनः निर्मित करने तथा कुछ नव निर्मित करने का प्रस्ताव नगरपालिका कनीना ने सरकार को भेजा है। प्रस्ताव पास होने पर कनीना की विभिन्न सड़कों का निर्माण करवा दिया जाएगा।

विस्तृत जानकारी देते हुए कनीना पालिका प्रधान सैतीश जेलदार ने बताया कि कनीना के पावर हाउस से वाल्मीकि बस्ती की ओर जाने वाली सड़क मार्ग कनीना के अस्पताल से मंडी गेट तक का सड़क मार्ग, पूर्व सीपीएस अनीता यादव की कोठी के समक्ष गुजरने वाला सड़क मार्ग तथा भूमिगत की जा रही नहर के दोनों तरफ का सड़क मार्ग बनाए जाने का पांच करोड़ रुपये का एस्टीमेट बनाकर सरकार को भेजा है। सड़के बन जाती है तो न केवल किसानों को अपितु आमजन को बहुत लाभ मिलेगा विशेषकर अटेली सड़क मार्ग से रेवाड़ी सड़क मार्ग की ओर पहुंचने के लिए बाईपास का निर्माण हो जाएगा। राहगीर भीड़ वाले स्थान बस स्टैंड से बचकर सीधे इसी मार्ग से रेवाड़ी मार्ग पर पहुंच जाएंगे। इससे सफर भी आसान होगा वही उनका खर्चा भी कम आएगा। उन्होंने बताया कि कुछ छोटी सड़कें और भी बनाने का प्रस्ताव है। इन सड़कों को लेकर यहां लोग परेशान है वही बार-बार इन सड़कों को निर्मित किए जाने की मांग करते आ रहे हैं। अब प्रस्ताव पारित होते इन सड़कों का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा।

बढ़ती ही जा रही है सरसों एवं गेहूं की खेती जबकि चने की खेती घटी

» मदरलैंड संवाददाता

कनीना। कनीना क्षेत्र में गेहूं, सरसों की खेती बढ़ती ही जा रही है जबकि चने की खेती घट रही है। इस बार विगत वर्ष की तुलना में गेहूं एवं सरसों अधिक उगाये हैं किंतु भरसक प्रयासों के बावजूद भी चने की खेती अधिक नहीं बढ़ पा रही है। सरकार द्वारा किसानों को सरसों के बेहतर दाम दिए जाने के चलते सरसों की फसल की तरफ बढ़ा है। यद्यपि स्कूल, कालेज, मैरिज प्लेस बनाये जाने, बागवानी की ओर रुझान होने के चलते कृषि योग्य बेशक भूमि घटी है इसके बावजूद भी इस वर्ष क्षेत्र में सरसों की फसल की बिजाई 800 हेक्टेयर पर अधिक की गई है। वहीं क्षेत्र में गेहूं की बिजाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है जबकि गेहूं का समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल तो सरसों का 5050 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। कृषि विस्तार सलाहकार डा देवराज ने बताया कि ने बताया कि खंड में 2018 में करीब 19300 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सरसों की फसल की बिजाई की गई थी जो वर्ष 2019 में 19950 हेक्टेयर तो 2020 में 19500 हेक्टेयर पर बिजाई की गई है। गेहूं की पैदावार 2018 में 11020 हेक्टेयर पर, वर्ष 2019 में 10405 हेक्टेयर तो 2020 में 10200 हेक्टेयर पर बिजाई की गई है। चना वर्ष 2018 में 50 हेक्टेयर, 2019 में 40 हेक्टेयर तो 2020 में 10 हेक्टेयर पर उगाया गया है। वर्ष 2020 में सरसों 48425 एकड़ पर तो 2021 में 49200 एकड़ पर वहीं चना 2021 में आठ एकड़ में उगाया गया है।

चने लड़ा रहा अस्तित्व की लड़ाई-

करीब 20 वर्ष पहले किसानों का चना उगाने में बहुत उत्साह दिखाता था किंतु अब चने उगाना ही भूल गये हैं। चने को उगाने पर पैदावार नहीं दे पा रहा है। बरानी भूमि अभाव चने की पैदावार में रोड़ा बन गया है।

कनीना के दीपचंद ने विगत वर्षों भी एक एकड़ में चने उगाए थे और इस वर्ष भी उगाये हैं। किसान राजेंद्र सिंह, मा रविंद्र सिंह भी थोड़े से भूभाग पर चने उगाते हैं। रामानंद यादव ने बताया कि वे अब भी बेहतर चने की पैदावार ले लेते हैं। वे कई वर्षों से चने की खेती करते आ रहे हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

अवसाद के उपचार में पिछड़ते हम?...

सोनम लववंशी

वर्तमान दौर की अगर कोई सबसे बड़ी चुनौती किसी भी राष्ट्र के सामने है तो वह निसंदेह मानसिक तनाव ही है। इस बीमारी से आजकल हर आयु वर्ग के लोग पीड़ित हैं, लेकिन भारत में इसे सामान्य मानकर ही आगे बढ़ा जाता है। जो सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात है। बात की शुरूआत ही एक आंकड़े से की जाएं, तो एक रिपोर्ट का जिक्र करना बेहद जरूरी हो जाता है। गौरतलब हो कि ह्यद स्टेट आफ द वर्ल्ड चिल्ड्रेन- 2021 आन माय माइंडह्ल के अनुसार भारत में 15 से 24 वर्ष के 41 फीसदी बच्चों व किशोरों ने मानसिक बीमारी के लिए मदद लेने की बात कही है। अब आप सोच सकते हैं कि मानसिक अवसाद किस स्तर पर और कहां-कहां व्याप्त हो चला है, लेकिन इसकी गम्भीरता को शायद अभी सिरे से नकारा जा रहा है। इतना ही नहीं यह रिपोर्ट 21 देशों के करीब 20 हजार बच्चों पर हुए इस सर्वेक्षण से निकलकर आई है। जिसमें करीब 83 फीसदी बच्चे इस बात को लेकर जागरूक दिखे कि मानसिक परेशानियों के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। वहीं भारत के संदर्भ में भी इस विषय को लेकर गंभीरता देखने को मिली लेकिन अभी भी स्थिति अन्य देशों की अपेक्षा उतनी बेहतर नहीं है जितनी की होनी चाहिए।

मालूम हो कि आज हर वर्ग के लोग इस भयंकर बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। पल-पल बढ़ता तनाव न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है बल्कि यह हमारे जीवन के लिए भी संकट पैदा कर रहा है। आए दिन लाखों लोग मानसिक अवसाद के कारण आत्महत्या तक कर लेते है पर अफसोस की इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम सजग नहीं हो पा रहे हैं। वहीं बात अगर महिलाओं की ही करे तो समाज में सबसे ज्यादा मानसिक अवसाद का शिकार महिलाएं ही है और इसकी वजह भी है। वह भी खास तौर पर महिलाओं का भावनात्मक रूप से शोषण किया जाना। आज महिलाएं भले ही आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही हो लेकिन इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज भी समाज में महिलाओं का शोषण हो रहा है। पितृसत्तात्मक समाज आज भी महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रहा है। आज भी समाज मे पुरूष वर्ग महिलाओं के जीवन पर स्वामित्व हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं आज भी महिलाओं को पुरुषों के समान न तो अधिकार मिल पाएं हैं और न ही स्वतंत्रता। इसके अलावा महिलाओं के साथ लैगिक भेदभाव उनके जन्म के पूर्व से ही प्रारम्भ हो जाता है और आगे चलकर यही भेदभाव मानसिक तनाव की एक वजह बनता है।

गौरतलब हो कि आज समाज में ऐसा कोई वर्ग नहीं जहां महिलाएं प्रताड़ना का शिकार न हो रही हो। बचपन से ही दुर्भावना का शिकार होती महिलाएं मानसिक अवसाद के दलदल में फंसती चली जाती है। हमारे देश के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा था कि भारत, ह्यएक सम्भावित मानसिक स्वास्थ्य महामारी का सामना कर रहा हैह्व। ऐसे में यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, राष्ट्रपति महोदय की यह बात कहीं न कहीं सोलह आने सच है, क्योंकि आज हमारे देश की युवा पीढ़ी तक इस अवसाद से ग्रसित है। हर दिन मानसिक अवसाद के कारण युवा अपनी जान तक ले लेते है, लेकिन अफसोस की इस बीमारी के प्रति न हमारी सरकार गम्भीर है और न ही हमारा समाज। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो लगभग सभी उम्र के 280 मिलियन से भी अधिक लोग मानसिक अवसाद का शिकार है। विश्व बैंक का मानना है कि आने वाले 10 सालों में मानसिक अवसाद अन्य बीमारियों की अपेक्षा राष्ट्र पर अधिक असर डालेगा।

इतना ही नहीं हम तो उस देश के नागरिक हैं। जहां सामान्य बोलचाल की भाषा में भी ह्यचिंता को चिता के समानह्ल माना गया है। फिर भी आजतक मानसिक अवसाद को लेकर कोई गम्भीरता किसी भी तरफ से देखने को नहीं मिलती है। वहीं समय समय पर विभिन्न संस्थाओं के द्वारा जारी रिपोर्ट भी यह बताने के लिए काफी है कि इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम अब भी जागरूक नहीं हो रहे है। हमारा देश मानसिक अवसाद के मरीजों की श्रेणी में अग्रणी देशों में शामिल है। वहीं हम इस गम्भीर विषय को नजरअंदाज करते आ रहे हैं। डिप्रेशन को हम आम मानसिक विकार की तरह देखते है। यही वजह है कि देश में 45.7 मिलियन लोग इसका शिकार है। सामाजिक जनसांख्यकीय सूचकांक (एसडीआई) राज्य समूह में तमिलनाडु, केरल, गोवा व तेलंगाना अवसादग्रस्त राज्यों में अग्रणी है और यही वे राज्य हैं। जो कहीं न कहीं शिक्षा के मामले में देश में बेहतर हैं। ऐसे में यह समझ सकते हैं कि शिक्षित होना भी इससे अछूते होने का आधार नहीं। वही पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 3.9 प्रतिशत अधिक डिप्रेशन की सम्भावना रहती है। महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाना मानसिक अवसाद को ओर कई गुना बढ़ाता है। मानसिक अवसाद की समस्या न केवल भारत में है अपितु वैश्विक स्तर पर यह एक गम्भीर बीमारी बनता जा रहा है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 की बात करें तो यह भारत में मानसिक स्वास्थ्य के सुधारो की वकालत करता है और यह अधिनियम मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 1987 को रद्द करके बनाया गया था। इस अधिनियम की विफलता की सबसे बड़ी वजह यह थी कि यह अधिनियम मानसिक रोगियों के अधिकारों और अभिकर्तव्यों की रक्षा करने में असमर्थ था, लेकिन नया अधिनियम आने के बाद भी स्थिति प्रतिकूल ही है। इसके अलावा कोविड महामारी में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या ओर कई गुना बढ़ गई है। इसके बावजूद हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मानसिक अवसाद को लेकर कोई प्रावधान नहीं बनाए गए है। हमारे देश के संविधान का अनुच्छेद- 21 निर्बाध जीवन जीने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। वहीं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली जीवन जीने के अधिकार को बाधित कर रही है। स्वास्थ्य के प्रति सरकार की बढ़ती बेरुखी यह बताने के लिए काफी है कि हम स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकता को किस हद तक नजरअंदाज कर रहे है। ऐसे में स्वास्थ्य का मुद्दा न हमारी सरकार के लिए प्रथमिकता का विषय रहा है और न ही हमारा समाज इसे गम्भीरता से लेता है यही वजह है कि भारत एक बीमारू देश बनता जा रहा है। जिससे निपटने के लिए हमें सबसे पहले मानसिक अवसाद से निपटना होगा और यह कैसे संभव हो पाएगा। इसकी रूपरेखा अभी न सरकार के पास है और न आम नागरिक इसको लेकर सचेत। ऐसे में स्थिति विकट ही मालूम पड़ती है और यह हमारा देश जितनी जल्दी समझकर इससे आगे बढ़ने की सोचें उतना ही बेहतर रहेगा।

संपादकीय

कोरोनाः यूरोप से भारत बेहतर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक का दावा है कि कोरोना के तीसरे हमले से डरने की जरुरत नहीं है। भारतीय कोवेक्सीन का असर लोगों को काफी सुरक्षा दे रहा है। यह तो उनकी तकनीकी राय है लेकिन भारत की आम जनता का बर्ताव भी यही बता रहा है कि उसे अब कोरोना का डर ज्यादा नहीं रह गया है। दिल्ली में मैं देख रहा हूं कि नेता लोग बड़ी-बड़ी सभाएं करने लगे हैं, ब्याह-शादियों में सैकड़ों लोग इकट्ठे होने लगे हैं, बाजारों में भीड़ जुटने लगी है और होटलों में लोग खाना भी खाने लगे हैं लेकिन ज्यादातर लोग न तो मुखपट्टी लगा रहे हैं और न ही शारीरिक फासला रख रहे हैं। जिन लोगों ने दो टीके लगवा लिए हैं, वे तो बेफिक्र हो गए हैं। अभी भी 20 करोड़ से ज्यादा टीके अस्पतालों में पड़े हुए हैं। रेल्वे स्टेशनों और हवाई अड्डों पर भी भीड़ बढ़ गई है लेकिन आप जरा यूरोपीय देशों का हाल देखें तो आप थर्रा उठेंगे। यूरोप के जर्मनी, फ्रांस, हालैंड, स्पेन आदि देशों में कोरोना का हमला तीसरा और चौथा है और वह इतना तेज है कि कुछ राष्ट्रों ने कड़ी तालाबंदी घोषित कर दी है। स्कूल, कालेज, होटल, सभा-स्थल, सिनेमा घर जैसे सब सार्वजनिक स्थल बंद कर दिए हैं। जो कोरोना का टीका नहीं लगवाएगा, उस पर कुछ देशों ने हजारों रुपए का जुमार्ना ठोक दिया है। हालैंड में इतने मरीज बढ़ गए हैं कि उसके अस्पतालों में उनके लिए जगह ही नहीं है। उन्हें बसों और रेलों में लिटाकर जर्मनी ले जाया जा रहा है। यूरोपीय देश अपने यहां फैली तीसरी और चौथी लहर से इतने घबरा गए हैं कि वे पड़ौसी देशों के नागरिकों को अपने यहां घुसने नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ माह में वहां मरनेवालों की संख्या 7 लाख तक पहुंचने का अंदेशा है। यूरोपीय महाद्वीप में कोरोना से अगले साल तक शिकार होनेवालों की संख्या 22 लाख तक जा सकती है। भारत में कोरोना से मरनेवालों की संख्या 5 लाख के आस-पास है जबकि उसकी आबादी सारे यूरोपीय देशों से लगभग दुगुनी है। भारत के मुकाबले यूरोपीय देश कहीं अधिक साफ-स्वच्छ हैं और वहां चिकित्सा सुविधाएं भी कहीं बेहतर हैं। यूरोपीय देश में शिक्षितों की संख्या भी भारत से ज्यादा है। फिर भी उसका हाल इतना बुरा क्यों हो रहा है? इसका एक मात्र कारण जो मुझे दिखाई पड़ता है, वह यह है कि यूरोपीय लोग अहंकारग्रस्त हैं। वे अपने डॉक्टरों और नेताओं से भी खुद को ज्यादा प्रामाणिक मानते हैं। वे समझते हैं कि दुनिया में सबसे अधिक सभ्य और स्वस्थ कोई हैं तो वे हैं। इसीलिए तालाबंदी और टीके के विरुद्ध वे प्रदर्शन कर रहे हैं, अपने नेताओं को कोस रहे हैं और अपने डाक्टरों के इरादों पर संदेह कर रहे हैं। क्या भारत में कोई राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष या कोई बड़ा नेता कोरोनाग्रस्त हुआ? नहीं, लेकिन ब्रिटेन और फ्रांस के प्रधानमंत्रियों को नजरबंदी (एकांतवास) झेलनी पड़ गई है। भारत में सत्तारुढ़ और विपक्षी नेता कितनी ही राजनीतिक तू-तू मैं-मैं करते रहें लेकिन कोरोना की महामारी से लड़ने में सब एक थे। भारत की जनता ने महामारी के दौरान अद्भुत अनुशासन का परिचय दिया है।

आधुनिक एवं धर्मनिरपेक्ष संविधान और सनातन भारत

डॉ अजय खेमरिया

राम,कृष्ण,हनुमान, गीता,बुद्ध,महावीर,नालंदा,गुरु गोविंद असल मे हजारों साल से भारतीय लोकजीवन के दिग्दर्शक है।जाहिर है संविधान की मूल रचना में इन्हें जोड़ने के पीछे यही सोच थी की भारत की आधुनिकता और विकास की यात्रा इन जीवनमूल्यों के आलोक में ही निर्धारित की जाना चाहिये।लेकिन दु:खद अनुभव यह है कि पिछले कुछ दशकों ने भारतीय संविधान निमार्ताओं की भावनाओं के उलट देश के शासनतंत्र और चुनावी राजनीति के माध्यम से भारत के लोकजीवन को धर्मनिरपेक्षता के शोर से दूषित करने का प्रयास किया गया है। यही धर्मनिरपेक्षता की राजनीति भारत के आधुनिक स्वरूप की समझ और स्वीकार्यता को खोखला साबित करने के लिये पर्याप्त इसलिये है क्योंकि परम्परागत भारत और आधुनिक भारत के मध्य जिस संविधान के प्रावधानो को अलगाव का आधार बनाया जाता है असल में वे आधार तो कहीं संविधान के दर्शन में है ही नही।

आज ही के दिन (26 नबम्बर1949) हम भारतीयों का संविधान बनकर तैयार हुआ था।आज 72 बर्ष बाद हमारा संविधान क्या अपनी उस मौलिक प्रतिबद्धता की ओर उन्मुख हो रहा है जिसे इसके रचनाकारों ने भारतीयता के प्रधानतत्व को आगे रखकर बनाया था।आज इस सवाल को सेक्यूलरिज्म औरआधुनिकता के आलोक में विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि मूल संविधान की इबारत में यह अवधारणा कहीं थी ही नही इसे तो 1976 में प्रस्तावना में जोड़ा गया है।यहां सवाल यह भी उठाया ही जाना चाहिये कि जिस दलित चेतना के नाम पर अक्सर संविधान को बाबा साहब अंबेडकर की अस्मिता के साथ जोड़ा जाता है क्या उसके साथ बुनियादी खिलवाड़ 1976 में ही नही हो गया है।दलित वर्ग को यह भय अक्सर दिखाया जाता रहा है कि कतिपय मनुवादी मानसिकता आरक्षण को खत्म कर बाबा साहब के बनाये संविधान को बदलना चाहती है लेकिन कभी इस प्रश्न को नही उठाया जाता कि मूल संविधान के साथ बुनियादी छेड़छाड़ क्यों और किस मानसिकता के साथ की गई है? आज इस बात पर सँवाद होना ही चाहिये कि क्या मौलिक रूप से भारत का संविधान उस सनातन जीवन दृष्टि से शासन और राजनीति को दूर रहने की हिदायत देता है क्या? जिसको आधार बनाकर पिछले 75 बर्षों में इस देश की संसदीय राजनीति और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है।अगर हम मूल संविधान की प्रति उठाकर पन्नों को पलटते है तो हमें उसके अंदर सुविख्यात चित्रकार नन्दलाल बोस की कूची से बनाये हुए कुल 22 चित्र नजर आते है।इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते है कि हमारे संविधान निमार्ताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी।इन चित्रों की शुरूआत मोहनजोदड़ो से होती है और फिर वैदिक काल के गुरुकुल, महाकाव्य काल के रामायण में लंका पर प्रभु राम की विजय,गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण,भगवान बुद्ध भगवान महावीर,सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार,(मौर्य काल),गुप्त वंश की कला जिसमें हनुमानजी का दृश्य है,विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला,नटराज की प्रतिमा, भागीरथ की तपस्या से गंगा का अवतरण,मुगलकाल में अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह ,टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई,गांधी जी का दांडी मार्च,नोआखली में दंगा पीड़ितों के बीच गांधी,नेताजी सुभाषचंद्र बोस,हिमालय का दृश्य,रेगिस्तान का दृश्य,महासागर का दृश्य शामिल है।

इन 22 चित्रों के जरिये भारत की महान परम्परा की कहानी बयां की गई है। इनमें राम कृष्ण,हनुमान, बुद्ध, महावीर,विक्रमादित्य, अकबर,टीपू सुल्तान, लक्ष्मीबाई, गांधी,सुभाष,क्यों है?क्या केवल संविधान की किताब को कलात्मक कलेवर देने के लिये ?शायद बिल्कुल नही।असल में यह चित्र भारत के लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नन्दलाल बोस से बनबाये गए।यही चित्र संविधान की इबारत के जरिये शासन और सियासत के अभीष्ट निर्धारित किये गए थे।सवाल यह है कि इन्ही 22 चित्रों में नन्दलाल बोस ने रंग क्यों भरा है संविधान की पुस्तक में? इसका बहुत ही सीधा और सरल जबाब यही है कि ये सभी चित्र भारत के महान सांस्कृतिक जीवन और विरासत के ठोस आधार है ये सभी चित्र भारत की अस्मिता के प्रामाणिक दस्तावेज हैं जिनके साथ हर भारतवासी एक तरह के रागात्मक अनुराग जन्मना महसूस करता है।राम,कृष्ण,हनुमान, गीता,बुद्ध,महावीर,नालंदा,गुरु गोविंद असल मे हजारों साल से भारतीय लोकजीवन के दिग्दर्शक है।जाहिर है संविधान की मूल रचना में इन्हें जोड़ने के पीछे यही सोच थी की भारत की आधुनिकता और विकास की यात्रा इन जीवनमूल्यों के आलोक में ही निर्धारित की जाना चाहिये।लेकिन दु:खद अनुभव यह है कि पिछले कुछ दशकों ने भारतीय संविधान निमार्ताओं की भावनाओं के उलट देश के शासनतंत्र और चुनावी राजनीति के माध्यम से भारत के लोकजीवन को धर्मनिरपेक्षता के शोर से दूषित करने का प्रयास किया गया है। यही धर्मनिरपेक्षता की राजनीति भारत के आधुनिक स्वरूप की समझ और स्वीकार्यता को खोखला साबित करने के लिये पर्याप्त इसलिये है क्योंकि परम्परागत भारत और आधुनिक भारत के मध्य जिस संविधान के प्रावधानो को अलगाव का आधार बनाया जाता है असल में वे आधार तो कहीं संविधान के दर्शन में है ही नही।

इसलिये सवाल यह है कि क्या 75 साल से संविधान की विकृत व्याख्या के जरिये इस देश की सियासत औरप्रशासन को परिचालित किया जा रहा है?जिस राम,कृष्ण,हनुमान, को शासन के स्तर पर सेक्युलरिज्म के शोर में अछूत मान लिया गया क्या वे संविधान निमार्ताओं के लिये भी अश्पृश्य थे?क्या राम की मयार्दा,कृष्णा का गीता ज्ञान हनुमान का शौर्य,बोस की वीरता,गुरुकुल की शैक्षणिक व्यवस्था , गांधी के रामराज्य,अकबर का सौहार्द,बुद्ध की करुणा,महावीर की शीलता, गुरुगोविंद सिंह का बलिदान,टीपू और लक्ष्मीबाई के शौर्य का अक्स भारत के साथ समवेत होने से हमारी आधुनिकता में कोई ग्रहण लगाने का काम करता है? हमारे पूर्वजों ने तो ऐसा नही माना इसीलिए मूल संविधान में इन सभी प्रतीकों का समावेश डंके की चोट पर किया है क्योंकि भारत कोई जमीन पर उकेरी गई या जीती गई या समझौता से बनाई गई भौगोलिक सरंचना मात्र नही है यह तो एक जीवंत सभ्यता है जो श्रष्टि के सर्जन के समानांतर चल रही है।26 नबम्बर 1949 को जिस संविधान सभा ने नए विलेख को आत्मार्पित,आत्मसात,किया है असल मे वह परम्परा और आधुनिक भारत के सुमेलन का उदघोष मात्र था।लेकिन कालान्तर में यह धारणा मजबूत हुई कि आधुनिक भारत का आशय सिर्फ पश्चिमी नकल, परंपरागत भारत के विसर्जन के साथ हिन्दू जीवन शैली को अपमानित करने से ही है।इसी बुनियाद पर भारत के शासन तंत्र को बढ़ाने की कोशिशें की गई। जबकि यह भूला दिया गया कि जिस सनातनी संस्कार से परम्परागत भारत भरा है वही आधुनिक भारत को वैश्विक स्वीकार्यता दिला सकता है।दुनिया में शांति,सहअस्तित्व, पर्यावरण सरंक्षण, जैसे आज के ज्वलंत संकटों का समाधान आखिर किस सभ्यता और सेक्युलरिज्म के पास है?सिवाय हमारे उन आदर्शों के जिन्हें आधुनिक लोग पिछड़ेपन की निशानी मानते है।

हमें यह याद रखना चाहिये कि जब तक सनातन सभ्यता की व्याप्ति सशक्त नही होगी भारत दुनिया में अपनी वास्तविक हैसियत हासिल नही कर सकता है।दुर्भाग्य से इसी आधार को शिथिल करने में एक बहुत बड़ा वर्ग लगा हुआ है।हमारे पूर्वजों के पास अद्भूत दिव्यदर्शन था इसलिए उन्होंने भारत को धर्मनिरपेक्ष नही बनाया बल्कि धर्मचित्रों को आगे रखकर लोककल्याण के निर्देश स्थापित किये।धर्म हमारी विरासत में इस्लाम या ईसाइयत की तरह पूजा पद्धति नही कर्तव्य का विस्तार है।कर्तव्य भी किसी धर्म विशेष तक सीमित नही है इसे समझने के लिये भारत की संसद के द्वार पर उकेरी गई पंक्ति को देखिये

'लोक देवेंरपत्राणर्नु
पश्येम त्वं व्यं वेरा'

मतलब-लोगों के कल्याण का मार्ग का खोल दो उन्हके उन्हें बेहतरीन सम्प्रभुता का मार्ग दिखाओ।

संसद के सेंट्रल हाल के द्वार पर लिखा है

' अयं निजःपरावेति गणना लघुचेतसाम
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम' भारत सरकार का ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' है।इन उद्घोष में सम्पूर्ण मानव के कल्याण और सद्गुणों की चर्चा है इसलिए संविधान निमार्ताओं की गहरी अंतर्दृष्टि को हमें समझना होगा।

आज योग दुनिया में लोकस्वास्थ्य का मंत्र बन रहा है। अयोध्या में राम की प्रमाणिकता को सर्वोच्च अदालत स्वीकृति दे चुकी है।करोडों भारतीय समरस होकर अपनी वैभवशाली विरासत पर गर्व कर रहे है।डेटा की ताकत ने आज हमारे युवाओं को राम,कृष्ण,गांधीऔर गीता के प्रति सजग किया है तो यह उन पूर्वजों के सपने को साकार करने की चहलकदमी ही है जिसे आज के दिन दस्तावेजों में कल्पित किया था।

आशा कीजिये आने वाले भारत में नन्दलाल बोस के उकेरे गए चित्र आमजन और नेतृत्व को अनुप्राणित और आत्मप्रेरित करते रहेंगे।एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण के एकमात्र उत्प्रेरक होंगे।

कानून वापसी पर मुहर

केंद्रीय कैबिनेट ने तीनों नए कृषि कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर गुरु पर्व के दिन इन तीनों कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया था। कैबिनेट की मंजूरी के बाद कानून वापसी के प्रस्ताव को संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में पारित करवाया जाएगा। इसके बाद किसान आंदोलन की वजह बने तीनों कृषि कानून खत्म हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को देश के नाम अपने संबोधन में तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार ये कानून किसानों के हित में नेक नीयत से लाई थी, लेकिन हम कुछ किसानों को समझाने में नाकाम रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले संसद सत्र में कानूनों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं, एक्सपर्ट्स के मुताबिक संसद सत्र शुरू होने के बाद कम से कम 3 दिन में ये प्रक्रिया पूरी हो सकती है। संसद सत्र 29 नवंबर से शुरू होना है। तीनों नए कृषि कानूनों को 17 सितंबर, 2020 को लोकसभा ने मंजूर किया था। राष्ट्रपति ने तीनों कानूनों के प्रस्ताव पर 27 सितंबर को दस्तखत किए थे। इसके बाद से ही किसान संगठनों ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया था। किसी भी कानून को वापस लेने की प्रक्रिया भी उसी तरह होगी, जिस तरह से कोई नया कानून बनाया जाता है। सबसे पहले सरकार संसद के दोनों सदनों में इस संबंध में बिल पेश करेगी। संसद के दोनों सदनों से ये बिल बहुमत के आधार पर पारित किया जाएगा। बिल पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगा। राष्ट्रपति उस पर अपनी मुहर लगाएंगे। राष्ट्रपति की मुहर के बाद सरकार नोटिफिकेशन जारी करेगी। नोटिफिकेशन जारी होते ही कृषि कानून रद्द हो जाएंगे। मगर इससे आंदोलन खत्म हो जाएगा, फिलहाल तो कह पाना मुमकिन नहीं है। किसान जिस तरह से वादे से मुकरे हैं, वह बता रहा है कि अब मुद्दा चुनाव से जुड़ चुका है। यूपी समेत पांच राज्यों के चुनाव सामने हैं और

किसान सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका छोडना नहीं चाहता। अगले साल की शुरूआत में जिन पांच राज्यों में चुनाव हैं, उनमें पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल हैं। इनमें तीन राज्य पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 75 फीसदी से ज्यादा अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है, यानी किसान ही नहीं मजदूर से लेकर व्यापारी तक, सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से खेती से जुड़े हैं। खासतौर पर पंजाब और उत्तर प्रदेश की राजनीति को कृषि से जुड़े फैसले बेहद प्रभावित करते रहे हैं। यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से करीब 210 सीटों पर किसान ही जीत-हार का फैसला करते हैं। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 40 अर्बन, 51 सेमी अर्बन और 26 रूरल सीट हैं। रूरल के साथ सेमी अर्बन विधानसभा सीटों पर किसानों का वोट बैंक हार-जीत का फैसला करता है, यानी 117 में से 77 सीट पर कृषि कानून की वापसी प्रभाव डाल सकती है। पंजाब मालवा, माझा और दोआबा एरिया में बंटा हुआ है। सबसे ज्यादा 69 सीटें मालवा में हैं। मालवा में ज्यादातर रूरल सीटें हैं, जहां किसानों का दबदबा है। यही इलाका पंजाब की सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भाजपा की निगाहें इसी इलाके में मतदाताओं के बीच सेंध लगाने पर है। साथ ही इन कानूनों की वापसी से जहां कांग्रेस छोड़कर नया दल बनाने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह और भाजपा के गठबंधन की राह साफ हुई है, वहीं कृषि कानूनों के मुद्दे पर भाजपा का साथ छोडने वाले अकाली दल के भी दोबारा गले मिलने की संभावना बन गई है। उत्तराखंड के छोटा राज्य होने के बावजूद वहां का पूरा मैदानी इलाका कृषि आधारित काम-धंधों वाला ही है। राज्य विधानसभा में 70 सीटें हैं, जिनमें राजधानी देहरादून समेत मैदान के चार जिलों की 27 सीटों पर किसान की नाराजगी बेहद अहम साबित होती है। देहरादून जिले की विकासनगर, सहसपुर, डोईवाला और ऋषिकेश सीट, हरिद्वार जिले में शहर सीट को छोड़कर 11 में से 10 सीट, उधमसिंह नगर की नौ, नैनीताल जिले की रामनगर, कालाढूंगी, लालकुआं और हल्द्वानी विधानसभा सीट पर किसान खेल बदल सकते हैं। यहां का किसान 2022 के चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठा था। लेकिन अब कृषि कानूनों की वापसी से भाजपा डैमेज कंट्रोल में कामयाब हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाऐगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

पूर्व जिला पार्षद को पितृशोक, सामाजिक कार्यकताओं ने जताया शोक

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। खोदावंदपुर के पूर्व जिला पार्षद व बाड़ा पंचायत के मिजार्पुर गांव निवासी के 90 वर्षीय पिता रामचरित्र महतो का निधन उनके आवास पर गुरुवार को हो गया.वह पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थें.वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलतपुर के वरीय शिक्षक व बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के पछियारी टोल निवासी उपेंद्र महतो की माता रामदुलारी देवी का देहांत 23 नवम्बर की देर रात्रि में हो गया.वह 85 वर्ष की थी. इन वृद्धजनों के निधन पर बाड़ा पंचायत के पूर्व मुखिया टिंकू राय, सरपंच प्रतिनिधि तरुण कुमार रोशन, पंचायत समिति सदस्य विनोद सहनी, बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के नवनिर्वाचित मुखिया बाबू प्रसाद वर्मा, सरपंच नवीन प्रसाद यादव, निवर्तमान मुखिया प्रेमलता देवी, सेवानिवृत्त शिक्षक कैलाश महतो, सीताराम महतो, योगेन्द्र महतो, पूर्व उपप्रमुख रामचन्द्र दास, वार्ड सदस्य विमला देवी, पंच रवीन्द्र कुमार, समाजसेवी रोहित कुमार, राजेश कुमार, अंबुज कुमार, नवीन कुमार सहित कई लोगों ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

कृषि सचिव ने फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर की समीक्षा बैठक

मदरलैण्ड संवाददाता, मोतिहारी। राज्य भर में फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ गुरुवार को कृषि विभाग के सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस दौरान सचिव ने कहा कि धान कटनी के समय पराली जलाने की परंपरा को बिल्कुल खत्म करें।जल,जीवन,हरियाली अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएं।उन्होंने कहा कि राज्य भर में वैसे लोगों को चिन्हित कर सरकारी लाभ से उन्हें वंचित रखें।साथ हीं प्रावधान के तहत दंडित भी करें। कहा कि कंबाइन हार्वेस्टर के मालिक एवं ड्राइवर से इस बात का प्रमाण पत्र ले ,शपथ पत्र प्राप्त करें कि वे पराली नहीं जलाएंगे।केंद्रीय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा पराली का उपयोग खाद व डी कंपोस्ट के रूप में करने हेतु तैयार किया जा रहा है।जिसे प्रचार-प्रसार के माध्यम से किसानों को जागरूक करें।सचिव ने राज्य भर में उर्वरक की उपलब्धता एवं बीज वितरण पर विशेष चर्चा की।साथ हीं संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।मौके पर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक,जिला कृषि पदाधिकारी,ओएसडी गोपनीय शाखा नीतेश कुमार आदि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

डीएसपी पंकज मिश्रा प्रत्येक बुधवार लगाएंगे जनता दरबार

मदरलैण्ड संवाददाता, सुपौल। बीरपुर अनुमंडल पुलिस कप्तान पंकज मिश्रा प्रत्येक बुधवार को जनता दरबार लगाएंगे ह्न भूमि संबंधित विवाद के मद्धे नजर बीरपुर डीएसपी मिश्रा ने जनता दरबार लगाने की बात बजाप्ता मिडिया से कही। उक्त आशय की जानकारी जैसे ही अनुमंडल क्षेत्र वासियों को मिली लोगों मे खुशी का ठिकाना नही रहा। इधर बसंतपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जगदीश गुप्ता ने डीएसपी के इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा की इनके जनता दरबार लगाने से आम आवाम गरीब मजदूरों को फायदा मिलेगा मिश्रा जी का यह पहल मील का पत्थर भी साबित होगा। बताते चले की कई मौजा मे ऐसे फर्जी जमीनदार है जिस के पास सिर्फ फर्जी कागजात है और उसी फर्जी कागजात के आधार पर सैकड़ो एकड़ जमीन को कब्जा कर भोग बिलास कर रहा है ऐसे ब्यक्ति का साँठ गांठ कर्मचारी से लेकर थाना एवं सियो तक है।

निर्वाचन संबंधित कार्यों में लापरवाही बरतने पर होगी कड़ी कार्रवाई

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेशानुसार मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2022 के तहत कार्य में लापरवाही व दिये गये लक्ष्य के अनुरूप अपेक्षित प्रगति नहीं रहने के संबंध में सहकारिता प्रसार पदाधिकरी श्री मणिकांत सिंह, श्री अशोक राम सहायक नगर निगम व सहायक शिक्षक श्री श्रीकांत जयसवाल के विरूद्ध स्पष्टीकरण निर्गत करते हुए 24 घंटे के अंदर उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को शख्त निदेशित किया गया है कि मतदाताओं को अपने मत के महत्व से अवगत कराने एवं मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के कार्यों को प्राथमिकता के साथ करें, ताकि 01 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नये मतदाताओं को जागरूक करते हुए आवश्यक दस्तावेज के साथ फार्म-6 भरकर जमा करवाना सुनिश्चित किया जा सके, ताकि नये मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ा जा सके। इस हेतु आगामी 27 व 28 नवम्बर को जिले के सभी बूथों पर कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जहां मतदाता सूची से अपना नाम जुड़वा सकते हैं।

कृषक सलाहकारों को दो माह से मानदेय नही मिलने से भुखमरी की स्थिति

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। खोदावन्दपुर प्रखंड क्षेत्र में कार्यरत किसान सलाहकारों को पिछले दो महिने से मानदेय का भुगतान लंबित है.जिसके चलते इनके परिजनों के समझ भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गयी है.कृषक सलाहकार रघुनंदन महतो, अश्विनी कुमार, रंजन रजक, शरद ठाकुर, कंचन कुमारी, अरुण कुमार महतो ने बताया कि आवंटन रहने के बावजूद उनलोगों को मानदेय नहीं दिया जा रहा है. दुर्गापूजा, दीपावली, छठ में मानदेय नहीं मिलने से काफी परेशानी हुई है, जबकि कृषि विभाग से जुड़ें कार्यपालक सहायक, एसी, एटीएम, कृषि समन्वयक के वेतन का भुगतान कर दिया गया है.

पंचायत आम निर्वाचन में प्रतिनियुक्त कर्मियों को बीडीओ ने किया सम्मानित

पंचायत चुनाव के सफल आयोजन पर हुआ कार्यक्रम

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। गढ़पुरा प्रखंड में बिहार पंचायत आम निर्वाचन को सफल बनाने के लिए निर्वाचन कार्य में लगे कर्मियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया. इसको लेकर प्रखण्ड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ आफताब आलम की उपस्थिति में प्रखंड सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें प्रखण्ड कर्मी, अंचल कर्मी, मनरेगा कर्मी, जीविका के कर्मी एवं चुनाव में प्रतिनियुक्त सभी शिक्षक समेत करीब ढाई सौ कर्मियों को फूल माला एवं बुके देकर सम्मानित किया गया. इस सम्बंध में बीडीओ आफताब आलम ने बताया कि गढ़पुरा प्रखण्ड में छठे चरण में पंचायत चुनाव सम्पन्न हुआ. चुनाव कार्य मे प्रतिनियुक्त सरकारी कर्मियों का योगदान काफी सराहनीय रहा. इन तमाम कर्मियों के सहयोग से ही पंचायत आम निर्वाचन जैसे चुनाव संपन्न हुआ. अंचल अमीन व प्रदेश अध्यक्ष त्रिभुवन कुमार ने कहा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी ने जिस तरह से अंचल व प्रखंड के तमाम कर्मी और शिक्षकों को कोषांग के माध्यम से बड़ी बड़ी जिम्मेदारी देकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सफल बनाने में एक अच्छी निर्देशन कर्ता के रूप में हर हमेशा मौजूद रहे इससे सभी कर्मी में बेहद खुशी हुआ है. नामांकन से लेकर मतगणना तक हम लोग सही निर्देशन में काम को अंजाम तक पहुंचाया. इस दौरान बीडीओ के द्वारा सभी कर्मियों के बीच भोज का भी आयोजन किया गया. पहली बार इस तरह के आयोजन से कर्मियों में भी काफी खुशी देखी जा रही थी.इस उपलक्ष्य पर बीइओ शुशील कुमार, सीआई विनोदानंद झा, कमचार्री रामनरेश सिंह, बीसीओ राज किरण बीसी मिथलेश कुमार, जीविका के बीपीएम विकाश केशव, हरिकिशोर प्रसाद आजाद, अजित कुमार, अंचल प्रधान सहायक राम प्रसाद राय, अंचल अमीन राहुल कुमार, शिक्षकों में मो० वसीम उद्दीन,राजकुमार, मो० सत्तार, पंकज किशोर, दिलीप कुमार समेत दर्जनों कर्मी मौजूद थे।

नेपाली शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

बीरपुर थाना मे पूर्ण शराब बंदी का दिखा असर

» मदरलैण्ड संवाददाता

सुपौल। बिहार मे पूर्ण शराब बंदी कानून को शत प्रतिशत अमली जामा पहनाने की कवायद मे बीरपुर थाना ने कमर कस ली है जिस का जीता जागता उदाहरण है आए दीन शराब और तस्कर के साथ साथ पियककड़ो की गिरफ्तारी अनवरत जारी है ह्न दर असल बता दूँ की बीरपुर थाना अध्यक्ष डीएन मंडल ने अपने सहयोगियों के साथ फिलहाल एक्शन मूड मे है इसी कड़ी मे बीरपुर थाना क्षेत्र के मानसी पिपराही गाँव से 35 वर्षीय शारदा देवी पति दिलीप मंडल एवं 36 वर्षीय मंजू देवी पति ढोलन मंडल वार्ड संख्या 03 को 50 बोतल उमंग नेपाली देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेज दिया है वही रानीपट्टी निवासी 39 वर्षीय प्रमोद पासवान को शराब पीकर बादशाह चौक पर मजमा लगाना महंगा पड़ गया जब की नगरपंचायत बीरपुर तत्मा टोली के 38 वर्षीय सुरेश दास 35 वर्षीय उपेंद्र दास पिता नागेश्वर दास वार्ड संख्या 10 तो 38 वर्षीय संजय मिश्र पिता चिरंजीवी मिश्र वार्ड संख्या 10 बीरपुर को मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया है

जानकारी देते हुए बीरपुर थाना अध्यक्ष डीएन मंडल ने कहा सरकार ने जो पूर्ण शराब बंदी कानून लगा रखी है उसे शत प्रतिशत अमल मे लाना हम लोगों की जिम्मेदारी है।

खाद की कालाबाजारी करने वाले विक्रेता हो जाए सावधानः सुनील यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। गुरुवार को युवा किसान सह समाज सेवी सुनील कुमार यादव ने प्रेस को सम्बोधित करते हुवे कहा कि सोनापुर बाजार के सभी खाद विक्रेता मनमानी रूप से ठढड एवं हरासोना मिक्कर खाद को निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य लेकर बेखौफ होकर धड़ल्ले से बेच रहे हैं। यहाँ के स्थानीय किसानों को खाद रहते हुवे दुकानदार किसानों को पर्याप्त रूप खाद नही देते हैं।सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण दिन के उजाले के साथ साथ रात के अंधेरे में नेपाली के लोगो सोनापुर के खाद विक्रेताओ के द्वारा मोटी रकम लेकर खाद को बेचते है। इस कालाबाजारी में सोनापुर बाजार केखाद विक्रेताओ का मुख्य भूमिका हैं। साथ ही आगे उन्होंने कहा कि यदि सोनापुर के सभी खाद विक्रेता किसानों का शोषण करना बंद नही करेंगे तो आंदोलन होगा साथ ही मैं स्वयं साक्ष्य संग्रहित कर परिवादी बन कर इस कृत्य में शामिल सभी खाद विक्रेताओ के विरुद्ध मामला दर्ज करवाउंगा।

खाद विक्रेता पर किसानों ने लगाया मूल्य से अधिक लेने का आरोप

विधायक ने लिया संज्ञान बोले कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों को बख्शा नही जाएगा

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। नरपतगंज/सोनापुर - जहाँ एक ओर अन्नदाता किसानो को बाढ़ से हुई क्षतिग्रस्त फसलो का मुआवजा नही मिला हैं। वही दूसरी ओर खाद दुकानदार किसानों का शोषण करने में लगे हुवे हैं, मूल्य से अधिक रु० लेकर किसानों को खाद देते हैं। ताजा मामला बथनाहा ओपी थाना क्षेत्र के सोनापुर बाजार स्थित कृषक केंद्र ला. सं. - 19/2019-20 का हैं जिसके संचालक राजेश कुमार पर किसान रामानंद यादव ने मूल्य से अधिक रु मांगने का आरोप लगाया रामानंद यादव ने कहा कि तीन बैग NPK खाद का 1335/- रू की दर से 4005/- रू होता हैं।लेकिन राजेश दास मुझसे 4350/- रू लिया हैं। वही किसान जगनारायण दास ने कहा कि हरासोना मिक्कर खाद का मुझे से 1350/- रू लेकर दिया हैं। हमलोग विवश हो कर अधिक दाम में खाद लेने के लिये मजबूर हैं विरोध करने पर खाद दुकानदार के द्वारा खाद रहते हुवे भी खाद नही है कहा जाता हैं। एक तो बाढ़ की तबाही से पीड़ित हैं हम किसान भाई दूसरी ओर खाद दुकानदार तानाशाह बने बैठे हैं। कई किसान नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि कृषक केंद्र वाला नेपाल के लोगो से मोटी रकम लेकर डी ए पी, मिक्सचर आदि खाद का कालाबाजारी करता हैं।

राजेश कुमार ने कहा कि हम ज्यादा पैसा नहीं लिए हैं मेरा पिछला हिसाब था हम सब जोड़ कर उनको बताये थे। मिक्कर खाद का मुख्य 1335/-रू निर्धारित हैं। लेकिन क्या करें हम लोगों से एजेंसी वाला ज्यादा पैसा लेता है। हमलोगों को रेट पर खाद नही मिलता हैं। बीएओ साहब को हम बोले हैं कि हमलोगों को रेट पर खाद दिलवाये।

विधायक जयप्रकाश यादव ने कहा कि कालाबाजारी करने वाले खाद दुकानदारों को बख्शा नहीं जाएगा जो खाद दुकानदार खाद की निर्धारित मूल्य से अधिक पैसा किसानों से मांग करता है तो उसका वीडियो बनाकर एक लिखित आवेदन के साथ मेरे व्हाट्सएप नंबर +91 89358 94840 पर भेजे। उस पर कानूनी कार्रवाही कर जेल भेजा जाएगा। किसानों के साथ हम और हमारी सरकार सदैव रहेगी।

संप्रदायिक सद्भावना दिवस पर एसएसबी ने हाफ मैराथन दौड़ एवं फुटबॉल प्रतियोगिता का किया आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा 21वीं वाहिनी मंगलपुर बगहा द्वारा संप्रदायिक सद्भावना दिवस के अवसर पर 05डट मैराथन दौड़ को डॉ ममता अग्रवाल कमांडेंट चिकित्सा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना कि जिसमें एसएसबी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व जवानों ने भाग लिया। वहीं फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 21वीं वाहिनी परिसर में किया गया। जिसमें राजकीय मध्य विद्यालय मलकौली पठखौली, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगलपुर, सनफ्लावर चिल्ड्रेन्स एकेडमी पठखौली, के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ भाग लिया। जिसमें छात्र छात्राओं का 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 10-10 छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता सनफ्लावर चिल्ड्रेन एकेडमी बनाम राजकीय मध्य विद्यालय पटखौली एवं मंगलपुर के बीच खेला गया। जिसमें सरकारी विद्यालय के छात्र छात्राओं ने एक शून्य से जीत हासिल किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता के साथ एनएच 727 पर जागरूकता रैली निकाली गई। श्री प्रकाश कार्यवाहक कमांडेंट ने विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं एंव जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि सांप्रदायिक सदभावना से देश एक सूत्र में बंधता है और हमारे देश के सभी नागरिक भारतीय कहलाते हैं। देश के नागरिकों को अलग - अलग जाति धर्म को विशेष महत्व ना देकर भारतीय को ज्यादा महत्व देना चाहिए। क्योंकि हम सभी भारत के नागरिक हैं।जिस देश में सांप्रदायिक सदभावना होगी वह देश वास्तव में तेजी से विकास करता है। हमें अलग - अलग संप्रदाय के लोगों के प्रति ईर्ष्या की भावना नहीं रखनी चाहिए और एक दूसरे के साथ मिलजुल कर जीवन जीना चाहिए, इसी में हमारा भला है इस अवसर पर डॉ ममता अग्रवाल कमांडेंट चिकित्सा, निरीक्षक प्रशासन अमित कुमार शर्मा, राकेश कुमार,उप निरीक्षक नितेश कुमार, वतन सिंह, सहायक उपनिरीक्षक सोमराज चौधरी, अमरजीत सिंह, मुख्य आरक्षी आंनद सिंह, सुनिल कुमार, प्रभु कुमार शिक्षक राकेश विश्वकर्मा नंदकिशोर प्रसाद अनिल मिश्रा चंद्रभान राम, निप्पू पाठक उपस्थित थे।

कब दिन बहुरेंगे खोदावंदपुर यात्री पड़ाव का मूलभूत सुविधाएं भी नदारथ

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। खोदावंदपुर प्रखंड में बनाया गया कई यात्री पड़ाव उपेक्षा का शिकार है. यात्री पड़ाव के निकट शौचालय व पेयजल की सुविधा नहीं है.जिन यात्री पड़ाव के बगल में शौचालय बनवाया गया था उसकी हालत भी खस्ता है.बताते चले कि खोदावंदपुर प्रखंड में बेगूसराय-रोसड़ा मुख्य पथ एस एच 55 के बगल में कुल पांच यात्री पड़ाव बनाये गये हैं.वर्ष 1988 में तत्कालीन सांसद राजवंशी महतो ने सांसद निधि से तीन जगहों पर यात्री पड़ाव बनवाया था.इनमें खोदावंदपुर प्रखंड मुख्यालय चौक, बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के महावीर चौक एवं दौलतपुर पंचायत के पेट्रोल पंप चौक पर यात्री बस पड़ाव बनवाया गया.इन यात्री पड़ावों पर यात्रियों की बैठने की व्यवस्था तो की गयी, परंतु शौचालय और पेयजल और प्रकाश जैसी मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया.आज यह तीनों यात्री पड़ाव उपेक्षित है.इन यात्री पड़ावों का अतिक्रमण कर लिया गया है.रखरखाव की व्यवस्था नहीं होने से यात्री पड़ाव की हालत खराब है.इसके प्लास्टर झड़ रहे हैं.वहीं दूसरी ओर वित्तीय वर्ष 2009-10 में तत्कालीन विधायक अनिल चौधरी के द्वारा विधायक अंश से हाईस्कूल चौक मेघौल एवं खोदावन्दपुर सीमान चौक पर यात्री पड़ाव का निर्माण करवाया गया.इन यात्री पड़ावों का हाल भी बदहाल है.बीच बीच में मरम्मती नहीं होने से यात्री पड़ाव के छत का प्लास्टर गिरने लगा है. यात्रियों के बैठने के लिये बनायी गयी जगह भी टुटने लगी है. स्थानीय दुकानदारों के द्वारा यात्री बस पड़ाव का अतिक्रमण कर लिया गया है.दौलतपुर पेट्रोल पंप चौक के दुकानदारों ने बताया कि यहां के यात्री पड़ाव की जर्जर हालत देख स्थानीय दुकानदारों ने आपस में चंदा कर इसका जीर्णोद्धार करवाया, परंतु सामुदायिक शौचालय, पेयजल के लिये एक चापाकल की जरूरत है.दुकानदारों ने यात्री पड़ाव स्थल पर शौचालय, पेयजल एवं रोशनी की व्यवस्था करवाये जाने की मांग जिला प्रशासन से किया है. विदित हो कि खोदावन्दपुर प्रखंड मुख्यालय चौक स्थित यात्री पड़ाव स्थल पर निर्माण से जुड़ा बोर्ड लगा हुआ है. जिसमें प्राक्कलित राशि अंकित नहीं है.अन्य यात्री पड़ावों पर प्राक्कलन संबंधी कोई बोर्ड नहीं है।

डीएम महेंद्र कुमार ने सिटी सकैन सेंटर का किया उद्घाटन

» मदरलैण्ड संवाददाता

सुपौल। गुरुवार को डीएम सुपौल महेंद्र ने सदर हॉस्पिटल मे सिटी सकैन सेंटर का उद्घाटन किया। दर असल बता दूँ की लोक - निजी साझेदारी के तहत सदर हॉस्पिटल सुपौल मे अधिष्ठापित CT SCAN साझेदारी के तहत ADD ANNEX,CT SCAN सेंटर जिला अंतर्गत मरीजों को सी. जी. एच. एस दर 26% कम से मरीजों को CT SCAN की सुविधा चौबीस घंटा मिलेगी।

अवैध वसूली में आगे भरगामा का प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। भरगामा अस्पताल सुविधाओं में भले ही पीछे हों लेकिन मरीजों से वसूली में वह आगे हैं। भरगामा प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज का उपचार व मरीज का सेवा तो भगवान भरोसे होता है। लेकिन इस अस्पताल में कार्यरत नर्स एवं डॉक्टर का कमाई का जरिया जरूर है ये अस्पताल। बेवजह की अवैध उगाही इस अस्पताल में कार्यरत नर्स एवं डॉक्टर द्वारा किया जाता है। यहां तक कि मरीज को पानी चढ़ाने में नर्स एवं डॉक्टर द्वारा एक सौ से दो सौ रुपया वसूली किया जाता है। इस तरह की धांधली सामने आने पर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष राकेश रंजन परिहार ने बताया कि इस अस्पताल में कमाई का बड़ा खेल चलता है। जब मरीज के परिजन ज्यादा पूछताछ करने लगते हैं तो डॉक्टर बोलते हैं कि चिकित्सक मैं हूं या तुम अगर अभी प्राइवेट अस्पताल में जाते तो रूम भाड़ा अलग लगता दवाई का पैसा अलग लगता जांच का पैसा अलग लगता मैं तो बस इतनी छोटी रकम में ही ईलाज कर रहा हूं मेरा एहसान मानो बस यहीं पर परिजनों की आवाज दब जाती है। आगे उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार कहती है कि गरीबों को फ्री में स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। लेकिन इस अस्पताल में कार्यरत कर्मी द्वारा सरकार की नियम एवं व्यवस्थाओं को भूल कर अपनी पॉकेट भरने में लगे रहते हैं। आपको बता दें कि भरगामा अस्पताल में 23 नवंबर को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के द्वारा फल वितरण का कार्यक्रम रखा गया था। उसी दौरान जब हमलोग पीएससी पहुंचे तो यहां के स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुल गया। पीएससी में भर्ती मरीज और उनके परिजनों ने अस्पताल में कार्यरत नर्स पर बड़ा आरोप लगाया और कहा कि सरकारी अस्पताल में उनसे पैसा लेकर ईलाज किया जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि भरगामा स्वास्थ्य केंद्र की मनमानी किसी से छुपी नहीं है। अस्तपाल में भर्ती होते ही मरीज के बिल का मीटर भी तेजी से दौड़ना शुरू हो जाता है। भरगामा अस्पताल की मनमानी वसूली से भरगामा सहित आस पड़ोस के गांव के मरीज बुरी तरह परेशान हैं। मौके पर बजरंग दल एवं विहिप के प्रखंड अध्यक्ष राकेश रंजन परिहार एवं प्रखंड संयोजक राजा यदुवंशी विपिन कुमार पासवान, ओम प्रकाश,सोनू सिंह विशाल, अनीश, माधव,सौरव साहू,रंजीत, प्रिंस, मुरली भगत इत्यादि ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे एवं मुख्यमंत्री से स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जल्द मांग की है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समय रहते स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार नहीं करने पर बहुत बड़ी आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

अवैध वसूली मामले के संबंध में भरगामा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार ने बताया कि अवैध वसूली का अगर साक्ष्य मिलती है तो मरीज से रुपया वसूली करने वाले कर्मी पर कठोर कार्रवाई होगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

अंचलाधिकारी के नेतृत्व में थाना में किया गया शराब विनिष्टीकरण

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। प्राणपुर थाना प्रागंण में अंचलाधिकारी नलिनीकांत कुमार के नेतृत्व में विभिन्न कांडों में विदेशी शराब को विनिष्टीकरण किया गया। अंचलाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष राजीव कुमार झा ने बताया कि जिला के वरीय अधिकारी के निर्गत आदेश के आलोक में विभिन्न कांडों में कुल- 25 लीटर विदेशी शराब को विनिष्ट किया गया। मौके पर थानाध्यक्ष राजीव झा ने बताया कि लगातार शराब माफिया के खिलाफ पुलिस छापेमारी कर रही है।

यूनिक खेती का निर्माण अब कोढ़ा प्रखंड में

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कोढ़ा प्रखंड के महिनाथपुर गांव मेंअब एक नई कृषि का निर्माण हो चुका है बताते चलें कि यहां के किसान जशोक कुमार सिंह उर्फ वकील सिंह संजय कुमार सिंह के द्वारा ड्रैगन फ्रूट्स की खेती की गई है इन किसानों का कहना है कि यह पौधा एक बार लगाने पर लगभग 25 से 30 साल तक फल देता रहता है लगभग एक एकड़ भूभाग से सालाना रू300000 से अधिक का फायदा लिया जा सकता है यह पौधा 14 माह में फल देने लायक हो जाता है इस पौधे से नया पौधा तैयार कर आप उन्हें बाजार में बेचकर भी धन अर्जन कर सकते हैं इस तरह की तकनीकी खेती को अपनाकर किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं और इस कृषि के विषय में पूरी जानकारी लेने के लिए इस किसान से संपर्क भी कर सकते हैं।

सदर अस्पताल में शराब मिलने के मामले पर जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी पहुंचे सदर अस्पताल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। सदर अस्पताल में शराब मिलने के मामले में जिला पदाधिकारी उदयन मिश्रा का आदेश पर अनुमंडल पदाधिकारी शंकर शरण ओमी जांच करने के लिए सदर अस्पताल पहुंचे अनुमंडल पदाधिकारी ने उन सभी जगह पर जाकर जांच किए जहां पर विदेशी शराब की खाली बोतलें पड़ी हुई थी और वहां पर कार्यरत सभी कर्मचारी सफाई कर्मी से उन्होंने पूछताछ किया। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि जिला पदाधिकारी के द्वारा मीडिया में बातें आई थी कि सदर अस्पताल के प्रांगण में बहुत सारी विदेशी शराब की खाली बोतल पड़ी थी इसी संदर्भ में जांच करने के लिए सदर अस्पताल आए हैं फिलहाल अभी तो कुछ नहीं मिला है लेकिन कुछ लोगों के द्वारा बताया गया कि सफाई कर्मियों के द्वारा शराब की खाली बोतलों को साफ कर हटा दिया गया है ।जो भी तथ्य जांच के दौरान सामने आएंगे उन सभी तथ्यों को जिला अधिकारी से अवगत कराएंगे ।

किसान पे दोहरी मार डीजल के बढ़े कीमत के बाद खाद के दाम को दुकानदार ने बढ़ाया

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मनसाही प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा तथा सहजा पंचायत के लोग जिन्हें खेती करने के लिए खाद बीज लेने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता हैं। क्योंकि लाइसेंस धारी दुकानदार डीएपी तथा यूरिया खाद स्टॉक कर लेने के बाद अपना मनमानी रेट मांग रहा हैं, जिस कारण गरीब किसान खाद खरीद ही नहीं पा रहे हैं ,और काफी संकटों में हैं, इस मौके पर क्षेत्र के किसान प्रभात मिश्रा, मुखिया मुस्तफा ,सरपंच भरत केवट ,महबूब आलम ,कैलाश तिवारी आदि ग्रामीणों ने विरोध किया और प्रशासन तथा कृषि विभाग के अधिकारी से बीज तथा डीएपी खाद का कीमत घटाने का गुहार लगाया।

डीआरएम ने किया किया नाट्य कार्यशाला का उद्घाटन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मंडल रेल प्रबंधक सह स्काउट गाइड के मंडल अध्यक्ष कर्नल शुभेन्दु कुमार चौधरी के द्वारा रेलवे परिक्षेत्र के स्काउट हट में नाट्य कार्यशाला का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर रेलवे स्काउट गाइड के जिला संगठन आयुक्त सुनील कुमार मिश्रा ने इस स्कार्फ पहनाकर उनका स्वागत किया । डीआरएम कर्नल शुभेंदु कुमार चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में रेलवे स्काउट गाइड के बच्चों के द्वारा और भी तरह के कार्यक्रम को जोरदार ढंग से किया जाएगा । उन्होंने कोरोना काल के बाद बंद पड़े जिला रैली को पुनः कटिहार में करने का भी संकेत कया है । स्काउट गाइड के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा स्काउट अनुशासन के साथ-साथ लोगों को सतरंगी रंगों में जोड़ने का कार्य करता है । इस अवसर पर बच्चों के द्वारा बिहार के लोकगीत सोना के कंगनवा , पंजाबी लोकगीत सतरंगी तथा बुलबुल व उनकी सहयोगी टीम के द्वारा बम बम भोले पर छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा कलरव ध्वनि के बीच नृत्य किया गया और रेलवे मंडल प्रबंधक को स्टेज पर लाकर अन्य सभी उपस्थित लोगों में हौसला अफजाई करवाई । नाट्य कार्यशाला के प्रशिक्षक के तौर पर रोशन कुमार , कौशिक कर , अखिलेश्वर राम , मिस नीतू मुख्य रूप से उपस्थित थे । इस वर्कशॉप में 25 बच्चे शामिल हुए हैं जो 15 दिनों तक विविध आयामों पर अपना प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे । इस मौके पर अपर रेल मंडल रेल प्रबंधक विजय कुमार चौधरी , वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी उग्र नारायण मिश्रा , सहायक जिला आयुक्त आलोक कुमार , सचिव सामद पावल , सहायक सचिव मिथिलेश कुमार , जिला प्रशिक्षण आयुक्त अभिषेक कुमार , प्रवीण कुमार , उत्तम कुमार , जय प्रकाश सिंह , रोहित कुमार प्रसाद , निलेश कुमार पासवान , सुनीता कुमारी , साधना कुमारी , मनीषा कुमारी सहित सभी लोग उपस्थित थे ।

सदर अस्पताल में शराब की खाली बोतल मिलने के बाद उत्पाद विभाग ने की छापेमारी

ऐसे जगह पर शराब की खाली बोतल मिलना गंभीर विषयः केशव झा

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। विदेशी शराब की खाली बोतल मिलने के बाद सदर अस्पताल सहित प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जिसे लेकर उत्पाद अधीक्षक केशव झा के नेतृत्व में कई पदाधिकारी सहित दर्जनों सिपाहियों के साथ सदर अस्पताल में छापेमारी अभियान चलाई गई। उत्पाद विभाग के द्वारा सदर अस्पताल परिसर का एक-एक कोना तलाशा गया। हालांकि इस छापेमारी में सदर अस्पताल से शराब की बोतल व शराब नहीं बरामद हुई है। लेकिन अस्पताल परिसर में शराब की खाली बोतल की खबर चलने के बाद काफी हड़कंप मच गया है।

बता दें कि मंगलवार को राजद के प्रदेश युवा सचिव आशु पांडेय के द्वारा सदर अस्पताल परिसर के विभिन्न स्थानों पर खाली शराब की बोतले मिलने का मामला उजागर किया था जिसे सभी मीडिया की ओर से प्रमुखता से इस खबर को छापा गया और चलाया गया। खबर चलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सहित प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई उत्पाद अधीक्षक केशव झा ने बताया कि शराबबंदी को लेकर उत्पाद विभाग की टीम लगातार जिले में छापेमारी अभियान चलाकर विदेशी शराब, देसी शराब व अर्ध निर्मित शराब बरामद कर उन्हें नष्ट करती है। साथ ही कई बार शराब कारोबारियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। लेकिन सदर अस्पताल परिसर में शराब की खाली बोतले मिलना यह काफी गंभीर विषय है। ऐसे स्थानों पर भी शराब की खाली बोतले नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब सदर अस्पताल परिसर में लगातार उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा समय-समय पर छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। फिलहाल इस छापेमारी अभियान के दौरान सदर अस्पताल परिसर से कोई भी शराब की बोतल या शराब बरामद नहीं हुआ है। उत्पाद विभाग के साथ नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक रूपेश रंजन के साथ पुलिस बल भी शामिल थे।

वसुधा केंद्र के माध्यम से निःशुक्ल बन रहे हैं ई. श्रम कार्ड

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मनसाही में वसुधा केंद्र के माध्यम से सभी पंचायत में निःशुल्क श्रम कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसकी जानकारी देते हुए वसुधा केंद्र के सुपरवाइजर छोटू कुमार गोस्वामी ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा ई. श्रम कार्ड बनाया जा रहा हैं। इसी कड़ी में कुरेठा पंचायत के वार्ड संख्या 9 गोविंदपुर में आम गरीबों लोगों का ई. श्रम कार्ड बनाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि ई. श्रम कार्ड निःशुल्क बनाया जा रहा हैं।इस कार्ड के बन जाने से श्रमिकों को 2 लाख का इंश्योरेंस होगा । इस ई. श्रम कार्ड से सभी तरह के सरकारी लाभ श्रमिकों को मिलेगा, ग्रामीण लोग अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नॉमिनी का आधार कार्ड की छाया प्रति के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के साथ सहज वसुधा केंद्र या शिविर में पहुंचकर इस ई. श्रम कार्ड निःशुल्क बना सकते हैं । इस मौके पर सहज वसुधा केंद्र के सुपरवाईजर छोटू कुमार गोस्वामी ऑपरेटर सोनू कुमार गोस्वामी सहित दर्जनों श्रमिक लोग मौजूद थे।

महिला दो दिनों से लापता, परिजन ने थाने में आवेदन देकर अपहरण की जताई आशंका

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। नगर थाना क्षेत्र के विनोदपुर निवासी बिजली देवी बीते दो दिनों से लापता है। परिजनों के द्वारा काफी ढूंढने के बाद भी महिला का पता नहीं चला। बाद में परिजनों ने थाना में आवेदन देकर अपहरण की आशंका जताई है। लापता महिला के पति जितेंद्र महलदार ने बताया कि उसकी पत्नी बिजली देवी लोगों के घरों में झाड़ू बर्तन का काम करती है और वह रिक्शा चालक है। हर दिन की भांति सोमवार को भी बिजली देवी अपने नियमित समय पर घर से काम करने के लिए मिरचाईबारी शीतला स्थान गई थी। शीतला स्थान काम करने के बाद पीएनटी चौक, बरमसिया के लिए निकली। महिला ना पीएनटी चौक पहुंची और ना ही घर ।बीते दो दिनों से बिजली देवी परिजन उसे ढूंढ रहे हैं। जब ढूंढने के बाद भी महिला का पता नहीं चला तो परिजनों के द्वारा सहायक थाना में आवेदन देकर अपहरण की आशंका जताई गई है। दिए गए आवेदन में बताया गया कि महिला के काम पर जाने के क्रम में मनिहारी नवाबगंज बड़ी बोलिया निवासी मो गफ्फार आए दिन रास्ते में छेड़खानी करने का प्रयास करता था। जिसके बारे में महिला के द्वारा पति को बताया गया था। महिला के पति ने छेड़खानी करने वाले व्यक्ति पर ही अपरहण का मामला दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड राज्य पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना नियमावली-2021 प्रस्ताव को मंजूरी दी

» मदरलैण्ड संवाददाता

राँची। झारखंड राज्य में कार्यरत मीडिया प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ा जाएगा. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस बाबत सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा झारखंड राज्य पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना नियमावली-2021 के गठन और संलेख प्रारुप प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है. इस संलेख प्रस्ताव प्रस्ताव पर अब मंत्रिमंडल की मंजूरी ली जाएगी।

इस योजना नियमावली के तहत मीडिया कर्मियों का अभिप्राय वैसे लोगों से है, जो प्रधान संपादक, समाचार संपादक, उप संपादक , पत्रकार, छाया पत्रकार, वीडियोग्राफर पत्रकार और समाचार व्यंगकार चित्रकार आदि हैं जो किसी दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, टैबलॉयड समाचार पत्र, पत्रिका समाचार एजेंसी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया (सामाचार आधारित वेब साइट्स/ वेब पोर्टल) में कार्य कर रहे हों तथा दि वर्किंग जर्नलिस्ट एंड अदर न्यूज पेपर इंप्लाई (कंडिसन्स ऑफ सर्विस) एंड मिसलिनियस प्रॉविजन्स एक्ट 1985 से परिभाषित किए गए हों. यह योजना अधिसूचना जारी होने के दिन से प्रभावी होगी।

झारखंड राज्य पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना नियमावली -2021 मीडिया प्रतिनिधियों के लिए ग्रुप बीमा के रूप में लागू होगी. बीमा लागू होने की तिथि से बीमाधारक मीडिया प्रतिनिधि सहित उसके पति / पत्नी एवं 21 वर्ष की आयु के दो अविवाहित एवं निर्भर संतान को लाभ मिलेगी. इसमें नियत प्रीमियम राशि का भुगतान राज्य सरकार तथा बीमाधारक मीडिया प्रतिनिधि के द्वारा क्रमशः 80 तथा 20 के अनुपात में किया जाएगा।

बीमाधारक मीडिया प्रतिनिधि का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पांच लाख रुपए का होगा. इसके अतिरिक्त उनके आश्रितों एवं सभी बीमितों को ग्रुप मेडिक्लेम विषयक भी कुल पांच लाख रुपए तक के चिकित्सा खर्च की सुविधा प्रदान की जाएगी. यह बीमा योजना एक वर्ष के लिए मान्य होगा और साथ ही प्रतिवर्ष नवीनीकरण का भी प्रावधान होगा. वहीं, इस योजना के अंतर्गत बीमाधारक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उसके नाम निर्देशित सदस्य अथवा स्थायी रुप से निःशक्त होने होने पर स्वयं बीमा धारक के दावे का निम्न प्रावधान किया गया है.

1. दावा हेतु अवधारित प्रपत्र में सूचना
2. पुलिस थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर की प्रति
3. यथा आवश्यक पोस्टमार्टम रिपोर्ट अथवा मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र
4. मृत्यु प्रमाण पत्र

युवक ने शादी से किया इनकार तो युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

28 नवंबर को युवती की थी शादी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के वर्मा नगर में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है ।जिसकी जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि 28 नवंबर को युवती की शादी थी और जिस लड़के से उनकी शादी होने वाली थी। उन्होंने शादी करने से मना कर दिया।

जिससे आहत होकर युवती ने अपने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना को लेकर मृतिका 18 वर्षीय सोनी कुमारी के पिता रामाशंकर सिंह ने बताया कि 1 माह पूर्व उनके घर के समीप भवन निर्माण का कार्य हो रहा है। जहां सेमापुर निवासी पुरुषोत्तम कुमार काम करने के लिए पहुंचा हुआ था और वही युवक रह रहा था। इसी दौरान उनकी बेटी की जान पहचान युवक से हुई और दोनों आपस में प्रेम करने लगे। 15 दिन पहले उनकी बेटी को युवक के साथ स्थानीय लोगों ने पकड़ा। इस मामले का खुलासा होने के बाद सेमापुर स्थित युवक के घर में पंचायत बिठाई गई। जहां वर्मा नगर से युवती के माता-पिता व स्थानीय लोग पहुंचे थे और युवक के माता-पिता व स्थानीय लोग पंचायत में मौजूद थे। पंचायत में निर्णय लिया गया कि युवक और युवती का शादी करा दिया जाए। इस दौरान 28 नवंबर को शादी का डेट रखा गया था और युवक के परिवार वालों के कहे अनुसार दहेज भी दिया जा रहा था। लेकिन युवक ने फोन कर युवती को कहा कि वह उससे शादी नहीं कर सकता। शादी नहीं करने की बात सुनकर युवती काफी आहत हो गई और अपने कमरे में ओढनी का फंदा लगाकर युवती ने आत्महत्या कर ली। शाम को जब घर के सभी लोग घर पहुंचे और युवती का कमरा बंद देखा तो उसे बाहर बुलाने के लिए आवाज लगाई गई। लेकिन काफी देर होने के बाद भी जब युवती बाहर नहीं निकले तो परिजनों के द्वारा कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। जहां उन्होंने देखा की युवती फंदे से लटकी हुई है और उसकी मौत हो चुकी। इस घटना के बाद युवती के घर में कोहराम मच गया और स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी जानकारी मुफस्सिल थाना को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इधर युवती के माता-पिता ने न्याय की गुहार प्रशासन से लगाई है।

ठंड को देखते हुए बच्चों के बीच संस्था के द्वारा बांटे गए गर्म कपड़े

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। प्राणपुर प्रखंड के नाथनगर गांव में समता ग्रामीण विकास द्वारा संचालित न्यूट्रीशन एवं शैक्षणिक दूध केन्द्र में अंतराष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर निर्धन बच्चों के बीच पैंट, शर्ट, जूता, मौजा का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि इस सेंटर में प्रति दिन बच्चों को दूध पिलाया जाता है। मौके पर मौजूद मुख्य अतिथि डॉ आशीष कुमार ने कहा कि दूध पौष्टिक आहार है। इससे कुपोषण दूर होगा। ठंड के समय संस्था के द्वारा बच्चों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण करना काफी सराहनीय पहल है। मुख्य अतिथि पूर्णियां विश्व विद्यालय के प्रो आशीष आनन्द ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्सुकता बढ़ेगी। समता ग्रामीण विकास के सचिव किशोर कुमार मंडल ने कहा कि कुपोषण दूर करना और शैक्षणिक माहौल बनाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। फिलहाल यह सेंटर अभी प्राणपुर में स्थित है। लेकिन जिले में और पांच सेंटर शीघ्र खोला जाएगा। इस मौके पर अनुज कुमार, गौतम कुमार, संजय कुमार, चक्रधारी मंडल, पुनपुन मंडल, वशीम अकरम, अशोक पासवान इत्यादि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने किसानों के साथ मिल कर की धान की कितनी

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक की उपस्थिति में संख्यिकी विभाग द्वारा सुगौली प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया पंचायत में क्रॉप कटिंग का हुआ आयोजन...

किसान शकील अहमद के भूमि पर पहुँच जिलाधिकारी महोदय ने किया क्रॉप कटिंग वही क्रॉप कटिंग का किया निरीक्षण...

जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि क्रॉप कटिंग का मूल उद्देश्य यह है कि अगहनी फसल में अगहनी धान के प्रोडक्टिविटी कितना हुआ इससे प्लान किया जाएगा तैयार...

क्रॉप कटिंग के डेटा को अन्य योजनाओं में भी किया जाता है प्रयोग...

उक्त मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला सुचना जन-संपर्क पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद थे...

रेल सप्ताह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को किया पुरस्कृत

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। रेलवे कोसी क्लब प्रांगण में रेल प्रशासन के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर रेलवे अधिकारियों का फोटो सेशन भी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल उप प्रबंधक विजय चौधरी ने किया। कार्यक्रम में एनएफ रेलवे मंडल स्तरीय 66वीं रेलवे सप्ताह में विभाग बार कार्यों की समीक्षा की गई थी। इस समीक्षा में अव्वल आने वाले विभागाध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।एडीआरएम विजय चौधरी ने बताया कि रेलवे कटिहार रेल मंडल के रेलवे ऑपरेटिंग विभाग, सिक्योरिटी विभाग, स्टोर विभाग, इन एचएम विभाग, लोको पायलट, रनिंग रूम विभाग, राजभाषा विभाग, फैमिली वेलफेयर सेंटर, इलेक्ट्रिसिटी विभाग, स्टोर विभाग का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा।

कटिहार रेल मंडल के अलावे अलीपुर द्वार,लामडिंग, तिनसुकिया सहित सभी मंडल ने मंडल स्तरीय रेलवे सप्ताह मनाया था। कटिहार रेल मंडल के द्वारा आयोजित रेल सप्ताह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभाग के अधिकारियों को पुरस्कृत कर मनोबल बढ़ाया गया।

इस अवसर पर सीनियर डीसीएम अमर मोहन ठाकुर, डीसीएम अमिताभ मिश्रा,राजभाषा अधिकारी यू के मिश्रा सहित रेल मंडल के सभी विभाग के अधिकारी ने भाग लिया।

मधुमेह जागरूकता एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। लायंस क्लब कटिहार द्वारा आयोजित मधुमेह जागरूकता एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया ।शिविर का अध्यक्षता लायन अवंतिका परमार ने किया। उन्होंने कहा कि चीन के बाद भारत में ही दुनिया के सबसे ज्यादा लोग डायबिटीज के शिकार हैं। सचिव लायन काजल महासेठ ने बताया कि डायबिटीज की राजधानी भारत में ऐसा माना जाता है कि 50 फीसदी लोगों को इस बात की खबर ही नहीं होती है कि वो इस बीमारी से ग्रस्त हैं। क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन संतोष गुप्ता ने कहा कि लायंस इंटरनेशनल के प्रोग्राम वन मल्टीपल वन एक्टिविटी के तहत यह शिविर स्टेशन बिल्डिंग परिसर में आयोजित किया गया। पूर्व अध्यक्ष लायन पंकज पूर्वे ने बताया कि रेलयात्रियों के साथ राहगीरों के लिए यह शिविर काफी लाभप्रद साबित हुआ। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह ग्यारह राज्य में एक साथ मधुमेह जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर डायबिटीज एडुकेटर आकांक्षा ने लोगों को आधुनिक जीवन शैली में रहन सहन एवं खान पान का स्तर सुधारने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टाइप वन डायबिटीज में मरीज को इन्सुलिन लेने की सलाह दी जाती है क्योंकि उसमें पेनक्रियाज इन्सुलिन नही बना पाता। टाइप टू मरीजों को दवाई से सुगर लेवल सही किया जा सकता है। इस मौके पर लायन आलोक सिन्हा, विनय परमार ने कहा कि 40 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति को नियमित अपने ब्लड शुगर की जांच कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को पता नही कि उन्हें ब्लड शुगर है जिससे वो न तो अपनी जीवनशैली में बदलाव कर पाते और न ही परहेज ले सकते। इस शिविर में 68 लोगों के मधुमेह की जांच की गई। कोषाध्यक्ष लायन सुनील मेंघानी, कुमार रवि के साथ कुंदन की भूमिका सराहनीय रही। शिविर में डॉ ब्रजेश भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जिलास्तर, अनुमंडलस्तर एवं प्रखंड स्तर पर सभी सरकारी अधिकारियों एवं कर्मियों को दिलायी जायेगी मद्यनिषेध की शपथ

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। 26 नवंबर 2021 को नशामुक्ति दिवस के अवसर पर समूचे जिले में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दिन जिलास्तर, अनुमंडलस्तर एवं प्रखंडस्तर के सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मियों सहित संविदाकर्मियों को मद्य निषेध की शपथ दिलायी जायेगी। इसी परिप्रेक्ष्य में आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर पूर्वाह्न 11.00 बजे सभी पदाधिकारी, कर्मी मद्य निषेध का शपथ लेंगे। साथ ही पटना में 11.30 बजे से आहूत मुख्य समारोह का लाइव वेबकास्टिंग भी जिलास्तर, अनुमंडलस्तर एवं प्रखंडस्तर पर किया जाना है। इस हेतु सभी तैयारियां ससमय पूरी कर ली जाय। उन्होंने निदेश दिया कि मद्य निषेध शपथ कार्यक्रम की निर्बाध वीडियोग्राफी करायी जाय। साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रभात फेरी कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जाय। प्रभातफेरी में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों के लिए अल्पाहार आदि की व्यवस्था करायी जाय। एसडीएम को निदेश दिया गया कि इस दौरान विधि-व्यवस्था सहित यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था करेंगे। डीपीएम, जीविका द्वारा बताया गया कि नशामुक्ति दिवस के अवसर पर जिले के 51 संकुल केंद्रों पर जीविका दीदियों के बीच भी शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही जन जागरूकता रैली, रंगोली निर्माण आदि के माध्यम से भी आमजन को जागरूक एवं प्रेरित किया जाएगा।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, अपर समाहर्त्ता, नंदकिशोर साह, अनिल राय सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे कर्मचारी के निधन पर आयोजित की गई शोक

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। गुरुवार को एनएफ रेलवे ओबीसी एंप्लाइज एसोसिएशन मंडल कार्यालय, रेलवे अस्पताल, कंट्रोल रूम, एस सी एस टी एंप्लाइज एसोसिएशन सहित कृष्ण आस्था मंच और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा रेलवे कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार यादव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में रेलवे कर्मचारियों के अलावा शहर के बुद्धिजीवी एवं राजनीतिक संगठन से जुड़े लोगों ने हिस्सा लेकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वही एनएफ रेलवे ओबीसी एंप्लाइज यूनियन एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार यादव बीते कई महीनों से बीमार चल रहे थे, जिनका लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के क्रम में आकस्मिक निधन हो गया। वही श्रद्धांजलि सभा में जानकारी देते हुए समाजसेवी कांग्रेस नेता सुनील कुमार यादव ने कहा कि धर्मेंद्र कुमार यादव एक अच्छे व्यक्ति ही नहीं हमारे अच्छे मित्र भी थे। उन्होंने हमेशा हम सभी को अपने भाई की तरह समझा और एक परिवार के सदस्य बन कर रहे । उनका इस तरह से हम सभी को छोड़कर चले जाना बहुत ही पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में हम और तमाम रेलवे कर्मचारी उनके परिवार के हर सुख- दुख में साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उनका हम सभी को छोड़कर चले जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। ओबीसी एसोसिएशन व मजदूर यूनियन के नेता पंकज किशोर ने भी बताया कि धर्मेंद्र कुमार यादव जी के आकस्मिक निधन होना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। साथ ही एंप्लाइज यूनियन के दिनबंधु यादव ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार यादव हमेशा से ही मिलनसार व्यक्ति थे और सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनका इस तरह से हम सभी को छोड़कर चले जाना बहुत पीड़ादायक है। ओबीसी एसोसिएशन के राकेश यादव ने भी कहा कि हम ईश्वर से कामना करते हैं कि भाई धर्मेंद्र कुमार यादव को अपने चरणों में स्थान दे और उनकी आत्मा को शांति मिले। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में युवा राजद नेता मजहर आलम, सहित रेलवे कर्मचारी पंकज किशोर, दीनबंधु यादव, राकेश यादव, संजीव यादव, अरविंद कुमार हिमांशु, मनोज पासवान, दुखहरण यादव, मनोज कुमार, सरोज कुमार यादव, सुनील कुमार, मिथिलेश कुमार, संतोष कुमार, श्रीकांत कुमार, संदीप कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव, अमन यादव, अमर कुमार सहित कई रेलवे कर्मचारी एवं गणमान्य लोग ने उपस्थिति दर्ज कराकर रेलवे कर्मचारी धर्मेंद्र यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राशन घटतौली का विरोध करना ग्रामीणों को पड़ा महंगा खाली हाथ वापस लौटे

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। लौरिया प्रखण्ड के धोबनी धर्मपुर ग्राम पंचायत अन्तर्गत बरवाकला गांव के जनवितरण प्रणाली दुकानदार फरहत हुसैन खान द्वारा द्वारा राशन वितरण में अनियमितताएं करने पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है ।जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल राय द्वारा बताया गया की उपभोगताओं का वीडियो प्राप्त हुआ है। लौरिया एमओ को जांच का आदेश दिया गया है। मामला सही पाए जाने पर जनवितरण प्रणाली दुकान को निरस्त कर दिया जायेगा। ग्रामीणों द्वारा इसकी लिखित शिकायत जिला पदाधिकारी से भी की गई है ।बरवाकला गांव के कोटेदार फरहत हुसैन खान द्वारा राशन वितरण में भारी अनियमितता करने, घटतौली करने और उपभोगताओं से निःशुल्क राशन देने के स्थान पर नियम विरुद्ध तरीके से धनराशि लेने की शिकायत प्राप्त हो रहि है। जब कम राशन देने पर जब कई उपभोगताओं द्वारा लेने से इंकार किया गया तो डीलर पुत्र द्वारा बिना राशन दिए गरीब उपभोगताओं को डरा धमका कर भगा दिया गया है। जनवितरण प्रणाली दूकान का संचालन कोटेदार का पुत्र हुमैर खान करता है। ग्रामीणों द्वारा घटतौली एवं निर्धारित से ज्यादा कीमत वसूलने का आरोप लगाया जा रहा है ।कोटेदार द्वारा अपने बयान में खुलेआम बोला जाता है कि प्रति कार्ड एक से दो किग्रा तक घटतौली नियम के तहत है। उपभोगताओं को निशुल्क राशन वितरण के स्थान पर उनसे राशन वितरण के सापेक्ष नियम विरुद्ध धनराशि लेने की बात जनता के द्वारा लगाया जा रहा है। हुमैर खान कोटेदार फरहत हुसैन खान का पुत्र है ।अपने पिता के साथ मदद के साथ राशन सामग्री का वितरण हर माह कराता है। उचित जनवितरण प्रणाली विक्रेता ग्राम बरवाकला ब्लाक लौरिया द्वारा उचित दर दुकान संचालन एवं राशन वितरण में उक्तानुसार गम्भीर प्रकृति की अनियमितताएं एवं कालाबाजारी का कृत्य किया जा रहा है ।जो बिहार राज्य आवश्यक वस्तु (विक्रय एवं वितरण नियंत्रण का विनियमन) आदेश का स्पष्ट अवहेलना है। मालूम हो की इस जनवितरण प्रणाली दुकानदार का निबंधन पहले भी रद किया गया था और कई बार दुकान की जॉच घटतौली करने के कारण हुई थी फिर भी इस जनवितरण प्रणाली दुकानदार फरहत हुसैन खान द्वारा अपने दबंगई के बल पर दुकान का संचालन किया जाता है। और गरीब उपभोगताओं को डराया धमकाया जा रहा है। जिस कारण गरीब जनता कम राशन लेने पर मजबूर है। मालूम हो जब हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के जिला स्तरीय पत्रकार सरफराज अहमद द्वारा उपभोगताओं से इस संबंध में पूछताछ किया जा रहा था तो डीलर पुत्र के द्वारा खुलेआम धमकी दी गई की हम देख लेंगे तथा अपने दबंगता का भय दिखा कर डराने धमकाने का भी प्रयास किया गया। वहीं जब संवाददाता द्वारा दूरभाष पर लौरिया प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी से जब इस संबंध में पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बोला गया की मैं लिखित आवेदन पत्र के आलोक में जांच पड़ताल करूंगा वीडियो क्लिप के आधार पर नही। यह भी सोचने वाली बात है की बड़े बड़े मामलों की जांच वीडियो क्लिप और ऑडियो टेप के आधार पर हो जाती है तो आखिर लौरिया एमओ द्वारा यह बात कैसे बोला गया।

राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय की जीवनी पर आधारित पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर' का हुआ विमोचन

» मदरलैण्ड संवाददाता

राँची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने झारखंड मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय की जीवनी पर आधारित पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय परिचय के मोहताज नही हैं। काफी समय से इनके साथ मुझे काम करने का मौका मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में सरयू राय के सुझावों और विचारों से मैं हमेशा प्रभावित हुआ हूं। मुझे लगता है कि मैं ही नहीं बल्कि बहुत सारे लोग इनके विचारों से प्रभावित होंगे। एक अच्छे लेखक एवं एक अच्छे राजनीतिज्ञ के रूप में लोगों के बीच इनकी चर्चा सदैव होती रहती है। सरयू राय के द्वारा लिखी गई कई पुस्तकें मैंने स्वयं पढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू राय ने हमेशा चुनौतियां स्वीकार की हैं। इन्होंने साहस और धैर्य का परिचय देते हुए सभी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना भी किया है। सरयू राय ने सच्चाई के पथ पर चलकर अपनी अलग मुकाम बनाई है। सरयू राय जैसे लोगों के चलते ही आज भी 'सत्यमेव जयते' जिंदा है। मुख्यमंत्री ने

सरयू राय को असामान्य सोच के साथ आगे बढ़ते रहने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय द्वारा लिखी गई पुस्तकें राज्य सरकार को एक बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोगों को पूर्व की गलतियों से सीख लेते हुए साथ मिलकर एक बेहतर प्रबंधन के साथ राज्य को आगे ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय लेखक विवेकानंद झा द्वारा लिखी गई पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर' राज्य को एक बेहतर दिशा देगी। मैं अपनी ओर से 'द पीपुल्स लीडर' पुस्तक की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि कृतज्ञ समाज का उत्तरदायित्व बनता है कि जो लोग अच्छे कार्य करते हैं उनके कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय ने हमेशा अच्छे कार्य किए हैं। उन्होंने एकला चलो के राह को अपनाते हुए अपनी

- 'द पीपुल्स लीडर' पुस्तक सभी के लिए प्रेरणास्रोत
- अच्छे लोगों ने आज भी 'सत्यमेव जयते' को जिंदा रखा है

नीति और सिद्धांत के साथ कभी समझौता नहीं किया है। श्री सरयू राय ने कभी भी गलत लोगों का साथ नहीं दिया। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि निश्चित रूप से राज्य हित एवं जनहित से संबंधित मामलों में श्री सरयू राय द्वारा दिए गए सुझावों का राज्य सरकार स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान सकारात्मक कार्यों और अच्छे सुझावों को सम्मान देना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

इस अवसर पर 'द पीपुल्स लीडर' पुस्तक के लेखक विवेकानंद झा ने पुस्तक के विषय-वस्तु की विस्तृत जानकारी अपने संबोधन में रखीं। उन्होंने कहा कि सरयू राय से संबंधित व्यक्तिगत, सामाजिक, राजनीतिक जीवन के कई अनछुए पहलुओं को इस पुस्तक में दर्शाया गया है। वर्ष 1974 छात्र आंदोलन, आपातकाल में भूमिका, राजनीति में पदार्पण, विभिन्न मुद्दों पर मतभेद, घोटालों को उजागर करने में भूमिका से लेकर कई अन्य घटनाओं का जिक्र इस पुस्तक में किया गया है।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने शॉल ओढ़ाकर सरयू राय को सम्मानित किया। सरयू राय ने विधानसभा अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्या गैंगवार की आग में फिर झुलसेगा धनबाद ?

केस की जरूरत नहीं, छह महीने में खत्म करेंगे फहीम की सल्तनतः प्रिंस खान

» मदरलैण्ड संवाददाता

धनबाद। नया बाजार गद्दी मुहल्ला निवासी महताब आलम उर्फ नन्हें की हत्या के छह घंटे बाद सोशल मीडिया पर फहीम खान का विरोधी व उसका भांजा प्रिंस खान का एक वीडियो और चिट्ठी वायरल हुआ।

वीडियो में प्रिंस खान ने खुल्लम-खुल्ला नन्हें की हत्या की जिम्मेवारी लेते हुए कहा कि केस (अनुसंधान) की जरूरत नहीं है, उसने नन्हें खान को मारा है। प्रिंस ने दो दिनों के अंदर फहीम खान के छोटे पुत्र सहजादे की हत्या करने की भी धमकी दी। कहा कि लाला खान की हत्या का सच वह जान चुका है। जिस-जिस ने लाला खान को मरवाया है उसे छोड़ेंगे नहीं। छह महीने के अंदर फहीम खान की सल्तनत खत्म कर देंगे।

प्रिंस खान ने नन्हें की हत्या के बाद एसएनएमएमसीएच में फहीम के पुत्र इकबाल खान के मीडिया बयान का जवाब देते हुए कहा कि इकबाल कह रहा है कि सीधे-साधे व दो बच्चे के बाप नन्हें की हत्या करा दी। तो मैं पूछना चाहता हूं कि लाला खान कौन सा बुरा आदमी था। नन्हें ने लाला खान की हत्या में मुख्य भूमिका निभाई थी। फहीम खान और उनके लोगों ने अमन सिंह को बरगला कर लाला खान की हत्या कराई। सच्चाई सामने

आ चुकी है। फहीम के पुत्र इकबाल, रज्जन और सहजादे ने मिल कर अमन सिंह को लाला खान की हत्या की सुपारी (10 लाख रुपए) दी थी। लाला खान के पीछे हमलोगों का पैसा लगा था। हमलोगों को कमजोर करने के लिए उन्हें मारा गया।

बिल्डर और जमीन कारोबारियों को दी धमकी

प्रिंस खान ने लाला खान की हत्या के साजिश के लिए मछली कारोबारी रसीद महाजन, रसीद भट्ठा, जमशेद बिल्डर, धनबाद ट्रांसपोर्ट के अलावा फहीम खान और फहीम के तीनों बेटों को जिम्मेवार ठहराया। कथित पत्र में कहा गया है कि सबको अमृत पिला कर मारेंगे। कोई नहीं बचेगा, यह वादा है।

प्रिंस खान ने धमकी दी है कि अब धनबाद में न अमन सिंह गैंग का चलेगा और न ही फहीम गैंग का। यहां सिर्फ छोटे सरकार यानी मैं (प्रिंस खान) और बड़े सरकार (भाई गोपी खान) की चलेगी। बुरे लोगों को सजा देना ऊपर वाले का काम है। वैसे लोगों को खोज कर छोटे सरकार ऊपर वाले के पास भेजेगा। फहीम खान या उसका बेटा का जो साथ देगा उसको खोज-खोज कर जान मार देंगे। वैसे लोगों के घर वालों को भी मारेंगे।

प्रिंस खान ने दावा किया कि उसने अमन सिंह को रांची जेल में जहर दे दिया था, लेकिन वह बच गया। उसने सारी सच्चाई बता दी। यदि अब अमन सिंह धनबाद में किसी जमीन या कोयला कारोबारी को धमकी देता है तो उसके भाई का यूपी में गला काट कर धनबाद स्टेशन पर टांग देंगे। प्रिंस ने लाला खान की हत्या करने वाले अमन सिंह के गुर्गे आशीष रंजन उर्फ छोटू को भी धमकी दी है। कहा है कि यदि अब आशीष रंजन छोटू बन कर किसी को धमकी देगा तो उसके भाई और पिता की हत्या कर देगा।

प्रिंस खान ने अपने कथित पत्र में एसपी को संबोधित करते हुए कहा कि एसपी साहब, अनुरोध करता हूं कि फहीम का सल्तनत खत्म कर मैं खुद सरेंडर कर दूंगा। जो हत्या करेगा उसे ही पकड़िएगा। बेकसूर लड़का को जेल मत भेजिएगा। उसने आरोप लगाया कि बड़ा बाबू को फहीम खान का बेटा लोग एक लाख और इरफान सिपाही को 30 हजार रुपए महीना देता है।

एस एस बी ने नेपाली शराब के साथ 01 तस्कर को किया गिरफ्तार

» मदरलैण्ड संवाददाता

सुपौल। बिहार मे पूर्ण शराब बंदी कानून को शत प्रतिशत लागू हेतु एस एस बी ने भी कसी कमर।

गुरुवार की अहले सुबह एस एस बी 45वी बटालियन की बी ओ पी ने गुप्त सूचना के आधार पर एक कारोबारी के साथ 390 लीटर नेपाली शराब कस्तुरी ब्रांड को जब्त किया है।

जानकारी देते हुए आलोक कुमार द्वितीय कमान अधिकारी 45वी बटालियन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की सीमा स्तम्भ संख्या 229/02 के समीप नेपाल से भारत की ओर शराब की तस्करी होने वाली है। कार्यवाही को अंजाम देते हुए सब इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रसाद के नेतृत्व मे हवलदार अखिलेश कुमार, कांस्टेबल कप्तान के साथ भूपेंद्र सिंह चिन्हित स्थान के लिए रवाना होते हुए छुपावदार स्थान पर नाका लगाया। काफी समय बीतने पर अहले सुबह एक व्यक्ति बोरियों मे कुछ समान को लेकर नेपाल से भारतीय प्रभाग में छुपावदार स्थान पर इकठा कर रहा है। जिसपर नाका पार्टी द्वारा उसे इकठा करने दिया और जब वो उन सामानों को झाड़ियों से ढकने लगा तो नाका पार्टी द्वारा उसे चारों ओर से घेरते हुए पकड़ लिया गया और सामानों की तलाशी ली गई जिसमें 390 बोतल कुल 117 लीटर शराब पाया गया जिसे जब्त कर लिया गया जिसे आंध्रामठ थाना के सुपुर्द किया। कारोबारी की पहचान महेश कुमार चौपाल के रूप मे हुई है जो आंध्रामठ थाना जिला मधुबनी का निवासी है।

नशामुक्ति हेतु चलाये जन जागृति कार्यक्रम : जिलाधिकारी

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि जिले में नशामुक्ति के लिए निरंतर जन जागृति कार्यक्रम का आयोजन कराना सुनिश्चित किया जाय। नशा सेवन की बुराईयों एवं नशामुक्ति के लाभ को आमजन के बीच व्यापक स्तर पर प्रचारित एवं प्रसारित करायी जाय ताकि आमजन नशा का सेवन नहीं करें तथा खुशहाल जीवन व्यतीत करें। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित समीक्षात्मक बैठक के दौरान अधिकारियों को निदेशित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों के माध्यम से नशा की बुराईयों की जानकारी एवं नशामुक्ति से होने वाले लाभ की जानकारी आम लोगों में प्रचारित करते हुए नशा के विरूद्ध जन चेतना जागृत करने हेतु अभियान में तेजी लायी जाय तथा ताड़ के उत्पाद नीरा के लाभ एवं ताड़ी की हानि को भी प्रचारित-प्रसारित कराया जाय।

डीपीएम, जीविका को संवेदनशील स्थल जहां शराब की बिक्री, सेवन आदि की घटनाएं पूर्व में हो चुकी हैं, वहां व्यापक स्तर पर जीविका दीदियों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने का निदेश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया है। साथ ही पूर्व में ताड़ी आदि कारोबार में संलग्न व्यक्तियों को सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत लाभान्वित करने का भी निदेश दिया गया है।

कार्यपालक अभियंता, विद्युत को निदेश दिया गया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधिष्ठापित सभी ट्रांसफॉर्मर एवं विद्युत पोलों पर मद्यपान वर्जित है, की वैधानिक चेतावनी तथा टॉल फ्री नंबर-15545 तथा 18003456268 अंकित कराया जाय। साथ ही विद्युत विपत्रों पर भी नशा पान नहीं करने हेतु जागरूकता संदेश अंकित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निदेश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया है।

जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, दीवाल लेखन, प्रभातफेरी, रैली, रंगोली प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के माध्यम से नशा सेवन की बुराईयों एवं नशामुक्ति के लाभ आदि को प्रचारित-प्रसारित करने का निदेश दिया गया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, अपर समाहर्ता, नंदकिशोर साह, अनिल राय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। गुरुवार को मनोज कुमार उप विकास आयुक्त, की अध्यक्षता में समाहरणलाय स्थित आत्मन सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक की गई। सर्व प्रथम गत बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन को लेकर बिन्दुवार गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नाबार्ड, साख जमा अनुपात, किसान क्रेडिट कार्ड, शिक्षा ऋण, गृह निर्माण ऋण, मुगीर्पालन, मत्स्य पालन, गव्य विकास, कृषि यांत्रिकीकरण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुद्रा ऋण के तहत बैंकों को शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के लिए उप विकास आयुक्त द्वारा कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त द्वारा नबार्ड के तहत शोर्ट टर्म कृषि, डेयरी, नेशनल लाइवस्टॉक मिशन, स्टैंड अप इन्डिया के तहत विभिन्न बैंकों के माध्यम से किसानों को ऋण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में ऐसे बैंक जो सहयोग प्रदान नहीं कर रहें। उन्हें उप विकास आयुक्त द्वारा गंभीरता से लेते हुए लंबित मामलों की सूची बैंक वार अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा एलडीएम को जिनका किसान क्रेडिट कार्ड की उपल्ब्धी संतोषजनक नहीं है उन्हें एक्शन प्लान के तहत चालू वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया गया। गृह निर्माण ऋण की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा सभी बैंक शाखाओं में प्रधानमंत्री आवास निर्माण ऋण की गहन-प्रचार कराने का निदेश दिया गया। शिक्षा ऋण की समीक्षा के क्रम में सभी बैंकर्स को सकारात्मक रूख अपनाते हुए चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य विरूद्ध उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया गया। एलडीएम को इसकी नियमित रूप से समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। इसी तरह मुगीर्पालन, मत्स्य पालन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुद्रा ऋण एवं अन्य महात्वाकांक्षी योजना में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। अगली बैठक में प्रगति संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, , डीडीएम, सहायक योजना पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी बैंकिंग श्री संतोष कुमार, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, सभी शाखा प्रबंधक एवं बैंक प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

पश्चिम चंपारण जिला में जम कर हो रहा है राशन कालाबाजारी और घटतौली

खाद्यान्न कालाबाजारी करते चरहिया के डीलर को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ा

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा अनुमंडल क्षेत्र में जनवितरण दुकानदारों के द्वारा खाद्यान्न कालाबाजारी करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है । आए दिन जनवितरण दुकानदारों द्वारा खाद्यान्न की बिक्री करते हुए रंगे हाथों ग्रामीणों द्वारा पकड़ा जा रहा है ।ऐसा ही एक मामला प्रखंड बगहा दो के जीमरी नौतनवा पंचायत के चरहिया गांव में पाया गया है। जहां स्थानीय डीलर को आठ बोरा गेहुँ एक व्यवसायी को बेचते हुए ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ कर पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर सेमरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा अनुमंडल पदाधिकारी बगहा के निर्देश पर रामनगर के एमओ आसिफ इकबाल मौके पर पहुंचे व जांच पड़ताल आदि किया।प्राप्त खबर के अनुसार मंगलवार के सुबह करीब 9 बजे जीमरी नौतनवा

पंचायत के चरहिया गांव के वार्ड नंबर 10 के नवनिर्वाचित वार्ड सदस्य दीनानाथ राम के साथ कुछ ग्रामीणों ने स्थानीय डीलर दहारी राम के घर से खरीद कर निकलते भवानीपुर के व्यवसायी सुसेन हलदार को कुल आठ बोरी गेहूँ के साथ पकड़ा और स्थानीय थाना व अनुमंडल पदाधिकारी बगहा को सुचित किया। सूचना मिलने पर अनुमंडल पदाधिकारी ने रामनगर एमओ को मौके पर भेजा तथा जांच का निर्देश दिया । रामनगर एमओ आसिफ इकबाल ने मौके पर पहुंचकर जनवितरण प्रणाली के दुकानदार दहारी राम के पौस मशीन को चेक किया तथा ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए गेहूं में से कुछ सैंपल जांच के लिए ले लिया ।बताते चलें कि पिछले एक महीने के भीतर इस तरह के तीन मामले जीमरी नौतनवा पंचायत से सामने आ चुके हैं। कुछ बुद्धिजीवियों का कहना है कि प्रखंड व अनुमंडल से दूरदराज के क्षेत्रों में जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों के द्वारा राशन की घपलेबाजी की जाती है तथा ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। जबकि लाभुकों के राशन में कभी प्रत्यक्ष तो कभी अप्रत्यक्ष रूप से कटौती की जाती है ।जांच के उपरांत रामनगर एमओ आसिफ इकबाल ने बताया कि पौस मशीन में जितनी राशन की मात्रा दिखाई दे रही है। उतना हीं मात्रा जन वितरण प्रणाली दुकानदार के गोदाम में पाया गया। अब ग्रामीणों के द्वारा जप्त गेहूं के सैंपल को जांच के लिए लिया गया है जांच उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी ।वहीं इस मामले में वार्ड नंबर 10 के वार्ड सदस्य दीनानाथ राम ने बताया कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदार दहारी राम के द्वारा राशन की बिक्री व्यवसायियों को जाती है। तथा लाभुकों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। राशन मांगने पर बार-बार वापस भेजा जाता है और कहा जाता है कि राशन नहीं नहीं मिलेगा ।जबकि व्यापारी सुसेन हलदार ने बताया कि उसने यह गेहूँ जन वितरण प्रणाली के दुकानदार के भाई रामावतार राम से खरीदा है ।मामले को लेकर मंगलवार की देर शाम तक क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म रहा। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि इस खाद्यान्न कालाबाजारी में स्थानीय पदाधिकारियों की मिली भगत से यह गोरख धंधा फल-फूल रहा है । जहां डीलर मालामाल हो रहे हैं । वहीं जनता तबाह हो रही है ।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

देशी शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म मौज ने 'मौज नेक्स्ट पंजाबी स्टार' के साथ पंजाब का सबसे बड़ा टैलेंट हंट लॉन्च किया

चंडीगढ़: भारत के नंबर 1 शॉर्ट वीडियो ऐप मौज ने यूजर्स, कंजम्पशन और कंटेन्ट क्रिएटर्स की अपनी बड़ी कम्युनिटी के मामले में बेहतरीन वृद्धि की है। मौज सुपरस्टार हंट की भारी सफलता के बाद यह प्लेटफॉर्म ह्यमौज नेक्स्ट पंजाबी स्टारह्ल के साथ पंजाब की प्रतिभा-संपन्न भूमि पर क्षेत्रीय प्रतिभा को सामने लाने के लिये आगे बढ़ रहा है। पंजाब अपने-आप में एक सांस्कृतिक केन्द्र है, जहाँ नये युग की युवा प्रतिभा कला और मनोरंजन की दुनिया में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती है। देशभर में अपने क्रियेटर्स को सहयोग देने के अपने वचन में यह ऑनलाइन शॉर्ट वीडियो ऐप उस स्थानीय प्रतिभा को पहचान देना चाहता है, जो ऑनलाइन इंफ्लूएंसर के रूप में एक रोमांचक कॅरियर बनाने के लिये अपनी आवाज और रचनात्मकता का इस्तेमाल करने का सपना देखती है।

वर्चुअल कैम्पेन 22 नवंबर से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलेगा और ऑडिशंस आज से चालू हो रहे हैं। टॉप 3 विजेताओं को क्रमशः 250000 रुपए, 100000 रुपए और 50000 रुपए की इनामी राशि मिलेगी। सप्ताह-दर-सप्ताह दस भाग्यशाली परफॉर्मर्स को इनाम के रूप में शॉपिंग वाउचर्स मिलेंगे।

अखिल ने कहा, 'मैं 'मौज नेक्स्ट पंजाबी स्टार' टैलेंट हंट का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ। ऐसी पहलें रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का बेहतरीन मौका देती हैं और हमारे देश की भूमि से आने वाली बेजोड़ प्रतिभा पर रोशनी डालती हैं। बहुत टैलेंटेड और जोशीले इन कंटेन्ट क्रियेटर्स को देखना और जज करना सम्मान की बात होगी। इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने की मुझे प्रतीक्षा है।' इसके बारे में शेयरचैट और मौज में कंटेन्ट ऑपरेशंस के डायरेक्टर शशांक शेखर ने कहा, ह्यह्लमौज सुपरस्टर हंट' को मिले जबर्दस्त रिस्पॉन्स और सफलता के बाद अब हम #MojNextPunjabiStar को लॉन्च कर बहुत उत्साहित हैं। हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। मौज में हमारा लक्ष्य है प्रतिभा को पहचान दिलाने की प्रक्रिया को सभी की पहुँच में लाना और यह कैम्पेन उसी दिशा में एक कदम है। इस कैम्पेन के माध्यम से हम प्रतिभावान पंजाबी क्रियेटर्स को हमारे ऐप पर अपनी रचनात्मकता दिखाने का प्रोत्साहन देकर उनकी पहचान करेंगे। हम बढ़ती क्रियेटर इकोनॉमी में कुछ बड़ा कर दिखाने का उनका सपना पूरा करने में उनकी मदद करना और उन्हें सहयोग देना चाहते हैं।

स्पिनी® ने चण्डीगढ़ के बाजार में किया अपना विस्तार

चण्डीगढ़, 25 नवम्बर, 2021: सैकण्ड हैण्ड कारों के लिए भारत के भरोसेमंद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्पिनी ने उत्तरी बाजार के उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए चण्डीगढ़ में प्रवेश की घोषणा की है। स्पिनी का यह कार हब ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट, अम्बाला, चण्डीगढ़ एक्सप्रेसवे, रॉयल एस्टेट के पास, राजमार्ग, जीरकपुर, पंजाब में स्थित है। देश भर में 3000 स्पिनी अश्योर्ड कारों की इन्वेंटरी के साथ स्पिनी भारत के उत्तरी क्षेत्र को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जो संचालन में पूरी पारदर्शिता बनाए रखते हुए उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सैकण्ड हैण्ड कारों की खरीद-बिक्री का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेगा। उत्तरी भारत के उपभोक्ता अब पारदर्शी लेनदेन के साथ गुणवत्तापूर्ण सैकण्ड हैण्ड कारें खरीद सकेंगे। इस अवसर पर नीरज सिंह, सीईओ एंड फाउंडर स्पिनी ने कहा, 'अपने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हम सभी मुख्य शहरों में अपने हब्स खोल रहे हैं। चण्डीगढ़ में मौजूदगी केसाथ हम आस-पास के क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की सैकण्ड-हैण्ड कारों की जरूरत को पूरा कर सकेंगे और उन्हें बेहतर सेवाओं का अनुभव प्रदान कर सकेंगे। चण्डीगढ़ हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार है, इस हब के खुलने के साथ शहर के उपभोक्ता हमारे प्लेटफॉर्म पर पूरी पारदर्शिता के साथ सैकण्ड हैण्ड कारों की खरीद बिक्री कर सकेंगे। हाल ही में हमने जयपुर में अपने हब का लॉन्च किया था और जल्द ही अन्य नए शहरों में भी प्रवेश की योजना बना रहे हैं। हम लेनदेन में पूरी पारदर्शिता बनाए रखते हुए उपभोक्ताओं का भरोसा जीतना चाहते हैं। 30,000 से अधिक उपभोक्ताओं, स्पिनी अश्योर्ड® 'होम टेस्ट ड्राइव एवं होम डिलीवरी' के साथ 200 पॉइन्ट इन्सपेक्शन, 5 -दिन की मनी बैक गारंटी, फिक्स्ड प्राइस अश्योरेन्स एवं एक साल की वारंटी जैसे फीचर्स उपभोक्ताओं को बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अलावा सैल राईट बाय स्पिनी कार के लिए बेस्ट वैल्यू ऑफर करता है, क्योंकि इस प्रक्रिया में कोई बिचौलिया नहीं होता और पूरी कीमत कार बेचने वाले को ही मिलती है। साथ ही विक्रेता के घर जाकर कार का इन्सपेक्शन किया जाता है और उसे तुरंत भुगतान कर दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

खोया सा बाय कस्यप ने पहली नजर के प्यार को दिल को छू लेने वाले अंदाज में प्रस्तुत किया

चंडीगढ़, 25 नवंबर, 2021: संगीत में आपके मन को प्रफुल्लित कर देने की शक्ति है और यह सबसे यादगार रूप में आपको भावनाओं का अहसास देता है। एक बार फिर संगीत का जादू बिखेरते हुए, लेबल डे वन ने सिंगर, साँगराईटर एवं कंपोजर, कस्यप द्वारा खोया सा के लॉन्च की घोषणा की है। वो आपके अंतर्मन को झकझोर कर आपको पहली नजर के प्यार का अहसास कराने के लिए तैयार हैं। कस्यप द्वारा निर्मित, लिखा, परफॉर्म किया गया, खोया सा दिल को छू लेने वाला एक रोमांटिक नए युग का पॉप साँग है, जो आपको रोमांस और पहली नजर के प्यार की भावनाएं महसूस कराएगा। इसकी पृष्ठभूमि में एक लड़के और लड़की की नजरें एक कैफे में मिलती हैं और वो एक दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन वो एक दूसरे को अपना परिचय देने में शरमाते हैं। केवल 21 वर्ष के प्रतिभाशाली कस्यप ने कई ब्लॉकबस्टर भारतीय फिल्मों, जैसे साहो, असुरन और अंतरिक्षम में बैकग्राउंड स्कोर और गानों में काम व सहयोग किया है। इस उभरते हुए कलाकार ने मात्र 6 साल की उम्र में पियानो सीखकर संगीत में अपना करियर शुरू किया था। गाने के बारे में अपने विचार बताते हुए, कस्यप ने कहा, मैं संगीतकार बनना चाहता था, इसका एक मुख्य कारण यह था कि संगीत में लोगों की भावनाओं को जोड़ने की शक्ति होती है, जो हर भौगोलिक क्षेत्र और भाषा की सीमाओं से परे है। यह अभिव्यक्ति का एक बेहतरीन साधन है, जो मुझे अपनी प्रतिभा को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं की ओर लगाने में और संगीतप्रेमियों के साथ संपर्क स्थापित करने में मदद करता है।

मुंबई हाई निजी क्षेत्र को देने का प्रस्ताव ओएनजीसी को करेगा कमजोर: शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल मंत्रालय का ओएनजीसी के मुंबई हाई और पश्चिमी अपतटीय बेसिन के मुख्य तेल और गैस उत्पादक क्षेत्रों को निजी क्षेत्र को देने का प्रस्ताव सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी ओएनजीसी को क्रमिक ढंग से कमजोर करेगा। जाने-माने पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में भारत सरकार के पूर्व सचिव ने कहा कि ओएनजीसी को कमजोर करने के बजाय सरकार को उसकी क्षमता को मजबूत करने के लिए एक सजग रणनीति अपनानी चाहिए और उसे कर्ज में डूबी कंपनियों को खरीदने या उच्च लाभांश का भुगतान करने के लिए मजबूर करने के बजाय उसे पर्याप्त कार्यात्मक स्वायत्तता दी जानी चाहिए। शर्मा ने 23 नवंबर को लिखे पत्र में कहा कि ओएनजीसी को मुंबई हाई, बेसिन, सैटेलाइट फील्ड में बहुलांश हिस्सेदारी को बेचने के लिए कहने के सरकार का नवीनतम निर्णय ओएनजीसी धीरे-धीरे कमजोर करेगा। यह गलत रणनीति का हिस्सा प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि विनिवेश नीति का तरीका यह रहा है कि पहले पीएसयू को कमजोर किया जाए और फिर इसे निजी कंपनियों बेच दिया जाए।

वेदांता समूह 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह ने प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज (ईएसजी) मामले में अग्रणी बनने का संकल्प जताया। कंपनी ने कहा कि वह वर्ष 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। वेदांता ने पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज मानकों पर समूह की प्रतिबद्धता जताने वाला अपना बयान जारी किया। उसने अगले दस वर्षों में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए पांच अरब डॉलर के निवेश का संकल्प भी जताया। इस मौके पर वेदांता समूह ने अपने ध्येय वाक्य को भी बदला है। अब वेदांता समाज में सार्थक बदलाव का संदेश देने के लिए अच्छे के लिए बदलते हुए को अपना ध्येय बनाया है। वेदांता ने कहा कि एक विविधिकृत प्राकृतिक संसाधन कंपनी के तौर पर वेदांता टिकाऊ एवं जिम्मेदार वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। यह पर्यावरणीय सहयोग, सामाजिक समता एवं प्रभाव और अच्छे कॉरपोरेट शासन के सिद्धांतों पर निर्भर करता है।

अमेरिका में बेरोजगारी के दावे निम्न स्तर पर

वाशिंगटन, एजेंसी। बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले हफ्ते गिरकर आधी सदी से भी अधिक के निम्नतम स्तर पर आ गयी। यह इस बात का एक और संकेत है कि अमेरिकी रोजगार बाजार पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से आई मंदी से तेजी से उबर रहा है। बेरोजगारी लाभ के दावे में 71,000 की कमी आयी और यह 1,99,000 रहा। यह 1969 के मध्य नवंबर के बाद से सबसे कम है। थैंक्सगिविंग (त्योहार) अवकाश के आसपास मौसमी समायोजन ने अपेक्षा से अधिक हुई इस गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दावों का चार-सप्ताह का औसत भी गिर गया, जो साप्ताहिक उतार-चढ़ाव को सुचारू करता है। यह 21,000 की कमी के साथ 2,52,000 हो गया।

मुकेश अंबानी की बादशाहत को गौतम अडानी दे रहे चुनौती

दौलत के मामले में मुकेश अंबानी के करीब पहुंचे गौतम अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की गिनती एशिया के सबसे अमीर लोगों में होती है, लेकिन अब उनकी इस बादशाहत को भारत के ही दूसरे अमीर कारोबारी गौतम अडानी चुनौती देते दिख रहे हैं। अडानी अब दौलत के मामले में अंबानी के बहुत की करीब पहुंच गए हैं। रिलायंस समूह के शेयरों में गिरावट और अडानी समूह के शेयरों में मजबूती की वजह से दोनों में फासला बहुत कम रह गया है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक गुरुवार 25 नवंबर को मुकेश अंबानी की नेटवर्थ घटकर 89.7 अरब डॉलर (करीब 6.68 लाख करोड़ रुपए) रह गई है। दूसरी तरफ गौतम अडानी की संपत्ति बढ़कर 89.1 अरब डॉलर (करीब 6.64 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। बुधवार को मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.32 अरब डॉलर (करीब 9,841 करोड़ रुपए) की कमी आई, जबकि गौतम अडानी की संपत्ति में 37.5 करोड़ डॉलर (करीब 2795 करोड़ रुपए) की बढ़त हुई है। इसके बावजूद मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर और दुनिया के 12वें अमीर के पायदान पर बने हुए हैं। गौतम अडानी एशिया के दूसरे और दुनिया के 13वें सबसे अमीर शख्स हैं। गौरतलब है कि कल कई मीडिया रिपोर्ट में ऐसी भी खबरें आई थीं कि गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है लेकिन ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट से यह साफ है कि अभी गौतम अडानी पीछे हैं। ब्लूमबर्ग हर दिन के आंकड़ों के मुताबिक इंडेक्स प्रकाशित करता है और इसकी रिपोर्ट को प्रमाणिक माना जाता है।

कई रोमांचक नई सुविधाओं के साथ ट्रूकॉलर ने संस्करण 12 के लॉन्च की घोषणा की

चंडीगढ़ : उपयोगकताओं के लिए इनोवेटिव समाधान पेशकश जारी रखने के अपने प्रयास में ट्रूकॉलर ने आज अपने बारहवें संस्करण (ट्रूकॉलर -संस्करण 12) की शुरूआत की जो कि कई उपयोगकर्ता-केंद्रित संवर्द्धन के साथ एक बिल्कुल नया रीडिजाइन किया हुआ एप्प होगा। हमारी कम्युनिटी के लिए, सभी सुविधाओं के साथ ट्रूकॉलर का यह सबसे अच्छा संस्करण होगा। ऐप में अब भी कॉल अलर्ट, कॉल रीजन, फुल स्क्रीन, कॉलर आईडी, इनबॉक्स क्लीनर, एसएमएस/संपर्क का सुरक्षित बैकअप, स्मार्ट एसएमएस जैसी उन्नत मैसेजिंग सुविधाएं, एक शक्तिशाली डायलर और 46 भाषाओं के लिए समर्थन जैसी सभी उपयोगी सुविधाएँ शामिल हैं, जबकि उपयोगकताओं को वीडियो कॉलर आईडी के साथ एक नया डिजाइन किया गया इंटरफेस, कॉल रिकॉर्डिंग, घोस्ट कॉल और कॉल घोषणा जैसे नए अनुभव भी होंगे। आने वाले हफ्तों में भारत में और जल्द ही कई अन्य देशों में एंड्राइड उपयोगकताओं के लिए इन पावर पैक सुविधाओं को धीरे-धीरे शुरू किया जायेगा। ट्रूकॉलर 12 के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, ट्रूकॉलर इंडिया के मुख्य उत्पाद अधिकारी और प्रबंध निदेशक, ऋषि झुनझुनवाला ने कहा, ट्रूकॉलर 22 करोड़ से अधिक भारतीयों के लिए उनकी पेशेवर और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए संचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोगों ने हम पर जिस तरह का भरोसा दिखाया है, उससे हम अभिभूत हैं, लेकिन हम संचार को बदलने के लक्ष्य से भी प्रेरित हैं। हम उपयोगकताओं की मांगों पर भी ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं और उन्हें नवीन समाधानों और पेशकशों के साथ पूरा करते हैं। ये सभी नई सुविधाएं लोगों को एक ही समय में एक सुरक्षित, मजेदार और संतोषजनक अनुभव प्रदान करते हुए अपने संचार पर अधिक नियंत्रण का आनंद लेने की अनुमति देंगी। हमने जटिलता को जोड़े बिना कई नई सुविधाओं और एक सुव्यवस्थित इंटरफेस को जोड़ने के लिए कड़ी मेहनत की है। साथ ही, ऐप कम बैटरी में और ज्यादा तेज चलता है जिससे कि मोबाइल में सुचारू संचालन होता है।

इंडस टॉवर्स ने हिमाचल प्रदेश में पूह कजा मार्ग पर पाँच मोबाईल टॉवर खड़े किए

अम्बाला : देश में संचार संभव बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, इंडस टॉवर्स ने हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति जिलों में पूह-काजा मार्ग पर पाँच मोबाईल टॉवर खड़े किए हैं। इन पाँच टॉवरों में से एक लोसार में 4100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जो हिमाचल प्रदेश का सबसे ऊँचा टॉवर है। यह टॉवर हिक्किम गांव के पास स्थित है, जहां 440 मीटर की ऊँचाई पर दुनिया का सबसे ज्यादा ऊँचा पोस्ट ऑफिस है। अन्य चार साईट भी भारत की सबसे ऊँची साईट्स में हैं, जो टाबो (3262 मीटर), सुमरा (3220 मीटर), सुमडो (3300 मीटर) और नाको (3605 मीटर) हैं। कठिन इलाके, चरम सीमा के मौसम और दिन में सीमित समय तक रोशनी बनी रहने की चुनौतियों का सामना करते हुए, इंडस टॉवर्स की 40 लोगों की एक टीम ने ये पाँच साईट तीन महीनों में स्थापित कीं। ये नए स्थापित टॉवर इस मार्ग पर स्थित गांवों में रहने वाले लोगों, आवश्यक सेवा प्रदान करने वाले सेवा प्रदाताओं तथा साहसी सैलानियों को फोन की नो कनेक्टिविटी या फिर सीमित कनेक्टिविटी की समस्या का समाधान प्रदान करेंगे इंडस टॉवर्स लिमिटेड (पूर्व में भारती इन्फ्राटेल लिमिटेड) के हरियाणा-पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश के सर्किल सीईओ, गगन कपूर ने कहा, ह्यह्यह भारत के सबसे ऊँचे मार्गों में से एक है और यहां पर बेहतर मोबाईल कनेक्टिविटी की अत्यधिक जरूरत थी। हमें इस टीम पर गर्व है, जिसने पूह काजा मार्ग पर मोबाईल कनेक्टिविटी मजबूत करने की इस परियोजना को पूरा करना संभव बनाया। इस इलाके के मुश्किल मार्गों व मौसम के कारण मोबाईल कनेक्टिविटी दोस्तों व परिवार से कनेक्ट होने और जरूरत की आवश्यक सेवाओं के लिए कॉल करने की दैनिक चुनौतियों का समाधान कर सकती है। इंडस टॉवर्स कनेक्टिविटी की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह देश में संचार संभव बनाने के हमारे मिशन के अनुरूप एक मजबूत व प्रभावशाली टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करता रहेगा। यदि मौसम के कारण या किसी तकनीकी समस्या के कारण कोई रुकावट आए, तो हमारी टीमें साईट्स का रखरखाव करने में पूरी तरह से समर्थ हैं। इंडस टॉवर्स के पास हिमाचल प्रदेश में 2,000 से ज्यादा मोबाईल टॉवर हैं। इंडस टॉवर्स की एक अन्य ऊँची साईट लेह, जम्मू एवं कश्मीर में 4677 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

एलएंडटी म्यूचुअल फंड ने नया डिजिटल अभियान शुरू किया

पानीपत। एलएंडटी म्यूचुअल फंड ने इंडेक्स फंड श्रेणी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नया डिजिटल अभियान इन्वेस्टिंग की कश्ती शुरू करने की घोषणा की है। इस अभियान का उद्देश्य एक इंडेक्स फंड की विशेषताओं की व्याख्या एक सरल लेकिन आकर्षक तरीके से करना है, जो वर्तमान और संभावित निवेशकों से आसानी से जुड़ जाएगा। एलएंडटी म्यूचुअल फंड, इस अभियान के माध्यम से इस बात पर जोर देता है कि कैसे निवेशक इंडेक्स फंड में निवेश करके ऑटोपायलट मोड में अपने निवेश की कश्ती को आगे बढ़ा सकते हैं। जबकि म्यूचुअल फंड को मोटे तौर पर इक्विटी, डेट और हाइब्रिड के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, इन तीन श्रेणियों में कई उप-श्रेणियां हैं जो अलग-अलग समय के दौर, निवेश लक्ष्यों और निवेश की शैली को पूरा करती हैं।

इक्विटी में इंडेक्स फंड श्रेणी एक ऐसी श्रेणी है जिसको लेकर निवेशकों की जागरूकता काफी सीमित है और एलएंडटी म्यूचुअल फंड, इस 30 सेकंड की डिजिटल फिल्म के माध्यम से, एक बहती नदी में एक नाव चलाने की तुलना फंड श्रेणी की विशेषताओं से करता है। एक नदी की तरह जो हमेशा आगे की ओर बहती है लेकिन कभी-कभी इसमें उथल-पुथल हो सकती है, इंडेक्स फंड्स का पोर्टफोलियो मुख्य रूप से सेंसेक्स या निफ्टी जैसे व्यापक-आधारित इंडेक्स को कंपोजिशन और वेटेज दोनों में प्रतिबिंबित करेगा और इसमें न्यूनतम ट्रैकिंग गलती हो सकती है। चूंकि फंड इंडेक्स को दोहराते हैं और निष्क्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं, यह अपने अंडरलाइन बेंचमार्क के अनुरूप पोर्टफोलियो अस्थिरता और बाजार जोखिम को सीमित करता है। और इस कैटेगरी के फंड का एक्सपेंस रेश्यो कम होता है।

डिजिटल अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए, एलएंडटी म्यूचुअल फंड के सीईओ श्री कैलाश कुलकर्णी ने कहा कि जब अधिकतम प्रभाव के साथ न्यूनतम प्रयास होता है और इंडेक्स फंड पर हमारा नवीनतम डिजिटल अभियान इस श्रेणी की परेशानी मुक्त सुविधाओं को उभार कर सामने लाता है, और ये एक छोटी नाव को खेने का मजा लेने के समान है। जहां एक निवेशक को निवेश करने से पहले क्षेत्रों और निवेश शैली पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती है। हम एमएफ इंडस्ट्री को लेकर आम लोगों को सरल भाषा और सरल शब्दों में समझाने में विश्वास करते हैं और इस प्रक्रिया में हमारे सभी संचार का उद्देश्य सरल, आसानी से संबंधित अभियान है जिसे कोई भी वित्तीय ज्ञान के बिना भी समझ सकता है।

देश में 80 प्रतिशत महिलाओं के पास बैंक एकाउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शहरी क्षेत्र की 81 फीसदी महिलाओं के पास अपना बैंक अकाउंट है जिसे वे खुद चलाती हैं। इसी तरह ग्रामीण इलाके में 77.4 फीसदी महिलाओं के पास बैंक अकाउंट है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अगर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 के आंकड़ों से तुलना करें तो इस संख्या में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। एनएफएचएस-4 साल 2015-16 में किया गया था। उस समय देश में 53 फीसदी महिलाओं के पास अपने बैंक अकाउंट थे, अब यह संख्या 78.6 फीसदी पर पहुंच गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सवे (एनएफएचएस-5) से यह भी जानकारी मिली है कि अब महिलाएं घर के फैसलों में कितनी हिस्सेदारी करने लगी हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे फाइव के आंकड़ों के मुताबिक यह भी पता चलता है कि शादीशुदा महिलाएं घर के तीन बड़े फैसलों में अब सक्रिय भागीदारी कर रही हैं। इनमें अपने लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, घर की बड़ी खरीदारी के फैसले करना और अपने परिवार या रिश्तेदारों के यहां जाने से संबंधित फैसला शामिल है। एनएफएसएच-5 के आंकड़ों के मुताबिक शहरी इलाके की 91 फीसदी महिलाएं इस तरह के फैसलों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जबकि ग्रामीण इलाके में इन तीनों फैसले में महिलाओं की हिस्सेदारी 87.7 फीसदी है। साल 2015-16 में घर के बड़े फैसले करने में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी थी। देश भर में इन तीन बड़े मामले में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अब बढ़कर 88.7 फीसदी पर पहुंच गई है। अगर संपत्ति की बात करें तो इसमें महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है। साल 2015-16 में महिलाओं के नाम पर प्रॉपर्टी की संख्या 38.4 फीसदी थी जो अब बढ़कर 43.3 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे साफ है कि भारत में महिलाओं के पास संपत्ति या जमीन का मालिकाना हक अभी भी निचले स्तर पर है। गौरतलब है कि ग्रामीण इलाके की 45.7 फीसदी महिलाओं के पास अपने नाम पर संपत्ति है जबकि शहरी इलाकों में यह संख्या 38.3 फीसदी है। अगर बात महिलाओं के पास मौजूद मोबाइल फोन की करें तो शहरी इलाके में करीब 70 फीसदी महिलाओं के पास अपना मोबाइल फोन है।

एंजेल वन ने लॉन्च किया स्मार्ट सौदा 2.0 कैम्पेन

चंडीगढ़। फिनटेक प्लेटफॉर्म एंजेल वन लिमिटेड (जिसे पहले एंजेल ब्रोकिंग लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने अपना नया कैम्पेन स्मार्ट सौदा 2.0 लॉन्च किया है। यह कैम्पेन नए जमाने के निवेशकों को अपने बेहद स्मार्ट समाधानों का उपयोग करके पूंजी बाजार में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कैम्पेन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, ओटीटी, बिजनेस चैनल, डिस्प्ले प्लेटफॉर्म्स, ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स आदि पर चलाया जा रहा है। टीवी विज्ञापन इस बात को रेखांकित करते हैं कि एंजेल वन नए जमाने के स्मार्ट निवेशकों को उनकी निवेश संबंधी जरूरतों के लिए ह्यवेरी स्मार्टह्ल समाधान प्रदान करता है। इस कैम्पेन पर अपने विचार साझा करते हुए, एंजेल वन लिमिटेड के चीफ ग्रोथ ऑफीसर, प्रभाकर तिवारी ने कहा, ह्लएंजेल वन में, हमारा लक्ष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग द्वारा समर्थित हमारे उन्नत समाधानों के साथ नए जमाने के निवेशकों को उनकी निवेश यात्रा में मदद करना है। हमारा नया अभियान नए भारतीय निवेशक का जश्न मनाता है, जो इस बात से अवगत है कि उनके लिए क्या अच्छा है। वे टेक्नोलॉजी के बारे में जानते हैं और कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करने के लिए इसे तैनात करते हैं। हमारा अभियान ह्यस्मार्ट सौदा 2.0ह्ल इन स्मार्ट निवेशकों को निवेश समाधानों से परिचित कराता है जो उन्हें अपने पैसे को बहुत ही स्मार्ट तरीके से प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं ह्ल एंजेल वन लिमिटेड के चीफ एक्जेक्यूटिव ऑफि सर नारायण गंगाधर ने कहा, ह्लस्मार्ट सौदा 2.0 के लॉन्च के साथ, हम इस बात पर प्रकाश डालना चाहते हैं कि कैसे स्मार्ट निवेशक एंजेल वन के साथ अपनी निवेश यात्रा शुरू करके अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। एआरक्यू प्राइम के माध्यम से हमारी स्मार्ट रेकमेंडेशन्स और स्मार्ट मनी जैसे अन्य डिजिटल टूल्स नए जमाने के निवेशकों को निवेश संबंधी निर्णय लेने में मदद करेंगे। इसी तरह, हमारी जीरो ब्रोकरेज फीस लंबी अवधि के विकास के लिए पसंदीदा एवेन्यू के तौर पर शेयरों में निवेश को बढ़ावा देती है ह्ल इस कैम्पेन के तहत, एंजेल वन ने टियर 2, टियर 3 और उससे आगे के शहरों में नए जमाने के निवेशकों को लक्षित करते हुए तीन टीवी विज्ञापन लॉन्च किए गए हैं। इस टीवी विज्ञापन में दिखाया गया है कि तीन युवा पहली नौकरी पाकर, बाइक खरीदकर और एक डांस स्टूडियो खोलकर अपने जीवन में स्मार्ट निर्णय लेते हैं। जेनरेशन जेड और मिलेनियल्स हमेशा चीजों को करने के बेहतर तरीके तलाश रहे हैं, जिसमें एक साइड हसल से लेकर उनके पैशन को पूरा करना शामिल है। इसलिए, टीवी विज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया है कि कैसे स्मार्ट लोग अपनी निवेश जरूरतों के लिए एंजेल वन के ह्यवेरी स्मार्टह्ल प्रस्तावों से लाभ उठा सकते हैं। फिनटेक प्लेटफॉर्म के स्मार्ट विकल्प जैसे क्विक अकाउंट ओपेनिंग और एआरक्यू प्राइम के साथ स्मार्ट रिकमंडेशंस नए जमाने के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करती हैं। एंजेल वन जल्दी खाता खोलने और आईट्रेड प्राइम प्लान जैसे इक्विटी डिलीवरी के लिए जीरो चार्ज और इंट्राडे, फ्यूचर्स ऐंड ऑप्शंस, और करेंसी व कमोडिटी के लिए 20 रुपये / ऑर्डर जैसे लाभ प्रदान करता है। यह विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में आसान निवेश के लिए वेब और मोबाइल पर तकनीक-आधारित स्मार्ट प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। जैसे इसका स्मार्टएपीआई प्लेटफॉर्म सभी क्लाइंट्स, स्टार्टअप्स और पार्टनर्स के लिए एंजेल वन के ट्रेडिंग सिस्टम के साथ अपनी रणनीतियों, वेबसाइटों, ऐप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म को सीधे एकीकृत करने के लिए उपलब्ध है। फिनटेक कंपनी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए निरंतर नवाचार में विश्वास करती है।

बांग्लादेश के ऑलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

एकदिवसीय और टी20 में खेलते रहेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के ऑलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है हालांकि वह सीमित ओवरों में टीम की ओर से खेलते रहेंगे। महमूदुल्लाह ने अपने एक बयान में कहा कि ह्यजिस प्रारूप का मैं इतने लंबे समय से हिस्सा रहा हूं, उसे छोड़ना आसान नहीं है हालांकि इसकी जानकारी उन्होंने अपने साथियों को पहले ही दे दी थी।ह्न वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी कहा है कि महमूदुल्लाह ने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है।

महमूदुल्लाह ने अपने संन्यास के बारे में चार माह पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए टेस्ट के दौरान ही बात की थी और मैच की अंतिम सुबह उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया था हालांकि बीसीबी ने अब तक उनके फैसले को स्वीकार नहीं किया था।

बीसीबी ने टेस्ट क्रिकेट में सेवाओं के लिए महमूदुल्लाह को धन्यवाद दिया पर यह उल्लेख नहीं किया कि उन्होंने जुलाई में ही संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। महमूदुल्लाह ने कहा, ह्यजिस प्रारूप का मैं इतने लंबे समय से हिस्सा रहा हूं, उसे छोड़ना आसान नहीं है। मैंने हमेशा अच्छे मौके पर यह निर्णय लेने के बारे में सोचा था और मेरा मानना है कि यह मेरे टेस्ट करियर को खत्म करने का सही समय है।

उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं हमेशा मुझे प्रोत्साहित करने और मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए अपने साथियों और सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करता हूं। बांग्लादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना एक बड़ा सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैं इन यादों को संजो कर रखूंगा। मैं टेस्ट से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन मैं एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलता रहूंगा।' महमूदुल्लाह ने अपने करियर में 50 टेस्ट मैचों में 33.49 के औसत से 2914 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 43 विकेट भी लिए हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में आज शाकिब के बिना ही उतरेगी बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार से चटगांव में शुरू होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना ही उतरना पड़ेगा। यह बांग्लादेश टीम के लिए करारा झटका है। शाकिब को टी20 विश्व कप के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी जिससे वह अभी तक उबर नहीं पाए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख चयनकर्ता मिन्हाजुल आबेदिन ने कहा कि शाकिब अभी तक फिट नहीं हो पाये हैं। ऐसे में वह शायद ही इस सीरीज में खेल पायें।

मिन्हाजुल ने कहा, ह्यशाकिब की हैमस्ट्रिंग की चोट अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। शाकिब को अभी रिहैब की आवश्यकता है। हमारे फीजियो भी लगातार उनकी देखभाल में लगे हैं। वह पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हम इस बारे में भी तय नहीं है कि वह दूसरा टेस्ट खेल पाएंगे या नहीं। फीजियो ही हमें इसकी जानकारी देंगे। हमने जब 16 सदस्यीय टीम का चयन किया था तब हमने विकल्प के तौर पर किसी अन्य खिलाड़ी का चयन नहीं किया था।ह्न

शाकिब ने इससे पहले टी20 विश्व कप में अंतिम दोनो मैच भी नहीं खेले थे। इसके अलावा वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में भी टीम में शामिल नहीं थे। प्रतिबंध से वापसी करते हुए शाकिब ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का केवल एक टेस्ट फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला है, उस मैच में भी वह बीच में चोटिल हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन ने करोड़ों में बेचा अपना अपार्टमेंट

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने मुंबई में यहां स्थित अपना एक अपार्टमेंट मोटी रकम लेकर बेचा है। एक रिपोर्ट के अनुसार 17.58 करोड़ रुपए में भज्जी ने इसे बेचा गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस अपार्टमेंट के लिए खरीदार ने तकरीबन 88 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर ही अदा किये। इस रिपोर्ट के मुताबिक, हरभजन का यह अपार्टमेंट अंधेरी वेस्ट के रुस्तमजी एलिमेंट्स में 9 वें माले पर है और अपार्टमेंट का क्षेत्रफल करीब 2900 स्कवेयर फीट है। हरभजन ने यह अपार्टमेंट साल 2017 में खरीदा था और मार्च 2018 में इसकी रजिस्ट्री कराई थी. तब इसकी कीमत 14.5 करोड़ रुपए थी। इससे पहले, श्रेयस अय्यर ने भी पिछले साल सितंबर में लोअर परेल के वर्ल्ड टॉवर्स में 2618 स्क्वेयर फीट में फैला अपार्टमेंट खरीदा था। इसकी कीमत करीब 12 करोड़ रुपए थी। इसके लिए उन्होंने 24 लाख रुपए से ज्यादा स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर चुकाए थे।

स्टार फुटबॉलर बेंजेमा को जेल, 62 लाख रुपये जुर्माना भी लगा

बार्सिलोना, एजेंसी। फ्रांस और रियाल मैड्रिड के स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा को एक साल जेल की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही इस फुटबॉलर पर 62 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। बेंजमा को यह सजा सेक्स टेप वायरल करने की धमकी देने के कारण सुनाई गई है। गौरतलब है कि साल 2015 में बेंजेमा ने फ्रांस टीम के माथियू वालबुना को सेक्स टेप वायरल करने की धमकी दी थी। इसी कारण तब उन्हें कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रांस की राष्ट्रीय टीम से भी हटा दिया था। वह रियाल मैड्रिड की ओर से खेलते हैं। उन्होंने इस साल हैट्रिक लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई थी। इस सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन भी किया और वो 29 नवंबर को पेरिस में दिये जाने वाले बैलन डी अवॉर्ड के भी प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। वहीं बेंजेमा के वकील ने कहा कि वह इस मामले में सजा के खिलाफ अपील करेंगे। बेंजमा ने शुरू से ही अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताया है। इस मामले में उनके अलावा 4 अन्य भी दोषी पाये गये हैं।

युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला: अय्यर

कानपुर, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में टीम इंडिया की उपकप्तानी संभाल रहे बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अपना टेस्ट डेब्यू किया है। पुजारा ने टॉस के बाद कहा कि भले ही कई सीनियर खिलाड़ी सीरीज से बाहर हैं, लेकिन युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'यह युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में कई सीनियर चोट के कारण नहीं खेल सके थे। ऐसे में युवाओं ने हमें सीरीज में यागदार जीत दिलाई थी। इस बार भी वे कुछ ऐसा ही प्रदर्शन कर सकते हैं।' हमने युवाओं से कहा है कि वे निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल दिखायें।

पुजारा ने अपनी तैयारी को लेकर कहा कि कानपुर आने से पहले मुंबई में हमारा कैंप था। दो दिन यहां भी अभ्यास किया था। इसलिए मैच के लिए हमारी तैयारी अच्छी है। उन्होंने कहा कि मैंने घर पर काफी क्रिकेट खेली है। इस कारण मैं मानसिक तौर पर सीरीज के लिए तैयार हूं हालांकि खिलाड़ी का लय में होना जरूरी है। आईपीएल के माध्यम से मैंने फिटनेस पर ध्यान दिया पर बायो बबल के बीच हर खिलाड़ी के लिए ब्रेक भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आईपीएल के बाद मुझे 15 से 20 दिन का ब्रेक मिला. मानसिक तौर पर फिट रहने के लिए ब्रेक जरूरी है।

गाले में श्रीलंका-वेस्टइंडीज मैच में खेलते हुए जोसुआ डा सिल्वा।

विजय हजारे ट्रॉफी से होगी कार्तिक और सुंदर की वापसी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए अपनी 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। कार्तिक की इसी के साथ ही मैदान पर वापसी होगी। वह चोटिल होने के कारण सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूनार्मेंट से बाहर थे। वहीं वाशिंगटन सुंदर इस साल इंग्लैंड दौरे में ही चोट लगने के बाद से ही खेल से दूर थे। वह बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है और टीम शुरूआती चरण के अपने मुकाबले तिरुवनंतपुरम में खेलेगी। टीम अपना पहला मैच आठ दिसंबर को मुंबई से खेलेगी। तमिलनाडु क्रिकेट संघ के अनुसार टीम की कप्तानी

आलराउंडर विजय शंकर करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। तेज गेंदबाज टी नटराजन को टीम में जगह नहीं दी गई हैविजय शंकर की कप्तानी में ही टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी। चोट के बाद वापसी करते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने वाले।

टीम इस प्रकार हैः विजय शंकर (कप्तान), एन जगदीशन, दिनेश कार्तिक, सी हरि निशांत, एम शाहरूख खान, आर साई किशोर, एम अश्विन, संदीप वारियर, एमएस वाशिंगटन सुंदर, एम सिद्धार्थ, बी साई सुदर्शन, वी गंगा श्रीधर राजू, एम मोहम्मद, जे कौशिक, पी सरवना कुमार, एल सूर्यप्रकाश, बी इंद्रजीत, आर संजय यादव, एम कौशिक गांधी और आर सिलामबरासन।

पुतिन शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे

बीजिंग, एजेंसी। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों को लेकर राजनीति बढ़ती जा रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए तैयार हो गये हैं। वहीं इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों को देखते हुए इन खेलों के बहिष्कार की बात कही थी। पुतिन अगले साल फरवरी में शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह के लिए बीजिंग आएंगे।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि चीन और रूस के बीच बड़ी प्रतियोगिताओं में एक साथ जश्न मनाने की परंपरा है। 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस में आयोजित शीतकालीन ओलंपिक उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया था। अब जिनपिंग ने पुतिन को बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति पुतिन ने खुशी के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

लिजियान ने कहा कि दोनों देश दौरे को लेकर एक दूसरे के करीबी संपर्क में हैं। हमारा मानना है कि दोनों देशों के खिलाड़ी नए रिकॉर्ड बनाएंगे और शानदार तथा सुरक्षित ओलंपिक के आयोजन में योगदान देंगे। वहीं बाइडेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह फरवरी में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक के कूटनीतिक बहिष्कार पर विचार कर रहे हैं। बीजिंग अगले साल फरवरी में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक के भव्य आयोजन की तैयारियों में लगा है। इस प्रतियोगिता के आयोजन से बीजिंग ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलंपिक दोनों की मेजबानी करने वाला दुनिया का पहला शहर बन जाएगा। इससे पहले साल 2008 में यहां ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था।

फार्म को लेकर परेशान नहीं हैं रहाणे

कानपुर, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि अपने हैं क्योंकि हर बार शतक नहीं लगाया जा सकता है। रहाणे ने कहा कि अगर किसी बल्लेबाज के कम रन बनाने के बाद भी टीम को जीत मिल रही है तो उस योगदान को अच्छा ही माना जाएगा। रहाणे ने कहा, मैं अपनी फॉर्म के बारे में चिंतित नहीं हूं। मेरा काम अपनी टीम के जितना संभव हो सके, उतना योगदान करना है। योगदान का मतलब यह नहीं है कि आपको प्रत्येक मैच में 100 रन बनाने की जरूरत है।

वहीं यह तय है कि अगर रहाणे इस सीरीज में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में शायद ही जगह मिले। इसको लेकर रहाणे का कहना है कि भविष्य में क्या होना वाला है, मैं उसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हूं। भविष्य में जो होना होगा, वो होगा ही इसलिए मुझे वर्तमान में बने रहने की जरूरत है ताकि मैं इस समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं। वहीं यह पूछने पर कि क्या यह संभव है कि बल्लेबाज और कप्तान को अलग-अलग करके देखा जाए? इस पर उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मेरा ध्यान सिर्फ बल्लेबाजी पर होता है और मैं उसी क्षण में होता हूं। यह इतना ही सरल है। जब मैं फील्डिंग कर रहा होता हूं तो मैं सोच रहा होता हूं कि हमारी योजनाए किस तरह की हैं और रणनीति कैसी है।

साथ ही कहा कि नए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें कोई विशेष गुर नहीं दिए हैं, बल्कि उन्हें चीजों को सरल रखने को कहा है क्योंकि वे काफी अनुभवी हैं। रहाणे ने कहा, राहुल भाई ने हमें अपने मजबूत पक्षों का समर्थन करने और चीजें सरल रखने को कहा है।

पेंग से पहले भी प्रताड़ित हुई हैं महिलाएं

ताइपे, एजेंसी। चीन में टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई के लापता होने के बाद से ही दुनिया भर में इस खिलाड़ी के समर्थन में अवाजें उठ रही हैं। पेंग ने पूर्व उप प्रधानमंत्री झांग गाओली पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। इसके बाद से ही वह अचानक गायब हो गयीं थीं। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ ने चीन को धमकी देते हुए कहा है कि उसे अंतराष्ट्रीय टूनार्मेंटों की मेजबानी नहीं मिलेगी। इसका चीन पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि वहां पहले भी कई महिलाएं लापता हुई हैं। इससे पहले यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने में एक महिला की मदद करने वाली वांग जियानबिंग को भी हिरासत में ले लिया गया। इनकी तरह चीन में कई अन्य महिला अधिकार

कार्यकर्ता हैं, जिन्हें सोशल मीडिया मंच पर प्रताड़ित किया गया है। कई कार्यकताओं तथा पीड़ितों की इसी तरह आवाज दबाने के प्रयास भी हुए हैं। हुआंग शुएक्विन ने 2018 में चीन में 'मीटू' अभियान की शुरूआत की थी, जिससे सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर बात की गई और पहली बार यौन उत्पीड़न को परिभाषित करने के लिए नागरिक संहिता स्थापित करने सहित कई उपाय किए गए पर इसे चीनी अधिकारियों के कठोर विरोध का सामना भी करना पड़ा जिसने यह अभियान बंद हो गया। अमेरिका में रहने वाली कार्यकर्ता लू पिन ने कहा कि महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। पिन अब भी चीन में महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। 'मीटू' अभियान और महिलाओं के अधिकारों पर सक्रियता रखने वाली महिलाओं को चीनी सरकार ने कितना प्रताड़ित किया है, इसका पता इस बात से चलता है कि चीन ने कई कार्यकताओं को विदेशी एजेंट बता कर निशाना बनाया है। वहीं, जाने-माने सरकारी टीवी होस्ट झू जून पर बदसलूकी का आरोप लगाने वालीं झोउ ज़िया ओसुआन को भी सोशल मीडिया पर प्रताड़ना का सामना करना पड़ा और अब वह अपने अकाउंट पर कुछ भी साझा नहीं कर सकती हैं।

पांच साल बाद ओलंपिक रजत विजेता निशानेबाज ने की वापसी, पेरिस ओलंपिक पर हैं नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार ने एक आर फिर खेल में वापसी की है। पुलिस उपाधीक्षक के पद पर काम कर रहे विजय ने पांच साल के बाद प्रतिस्पर्धी निशानेबाजी में वापसी की है। वह लंदन ओलंपिक खेलों में पुरुषों के 25 रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत विजेता रहे थे।

पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट हासिल करने का प्रयास कर रहे विजय को सबसे पहले

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विजय ने कहा, मैं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहा हूं। मैं शून्य से शुरूआत कर रहा हूं, क्योंकि मैं पांच साल बाद खेल में वापस आया हूं। उन्होंने कहा, जब मैं निशानेबाजी नहीं कर रहा था तब मैं पुलिस बल में प्रवेश के लिए अपने प्रशिक्षण में बहुत व्यस्त था और फिर एक पुलिसकर्मी के रूप में अपने कर्तव्य निभाने में व्यस्त हो गया. इसलिए मुझे निशानेबाजी जारी रखने का समय नहीं मिला। वहीं अब विभाग ने उन्हें राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने की अनुमति दे दी है। विजय का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक 2024 में देश के लिए पदक जीतना है।

विजय ने कहा, मैं जानता हूं कि आगे की राह बेहद कठिन होने वाली है क्योंकिमैं लंबे समय के बाद वापसी कर रहा हूं, वहीं दूसरे खिलाड़ी नियमित तौर पर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे निशानेबाजी में वापसी करने की अपनी क्षमता पर भरोसा है। मैं ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहा हूं जिससे मेरा मनोबल बना हुआ है।

पैन मामले में बोले क्लार्क, बेदाग खिलाड़ी की तलाश में 15 साल तक नहीं मिलेगा कोई कप्तान

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के अनुसार अगर कप्तानी के लिए इसी प्रकार किसी बेदाग खिलाड़ी की तलाश में लगे रहे तो अगले 15 साल तक टीम को कोई उपयुक्त खिलाड़ी नहीं मिलेगा। क्लार्क ने यह बात कप्तान टिम पैन के इस्तीफे को लेकर दी है। गौरतलब है कि पैन ने अपनी एक महिला सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजने का खुलासा होने की जांच के बाद ही कप्तान पद छोड़ दिया था, जिसके बाद से ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को नये कप्तान की तलाश है। कप्तान के लिए तेज गेंदबाज पैट कमिन्स के अलावा पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं। क्लार्क ने कहा कि अगर

ऐसा ही होता तो रिकी पोंटिंग कभी कप्तान नहीं बन पाते। पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक थे।

क्लार्क ने कहा, कि उनका एक बार नाइटक्लब में झगड़ा हुआ तब वहां जमकर मारपीट हुई थी। क्या इस कारण उन्हें कप्तान नहीं बनाया जाना था ? वह शानदार उदाहरण हैं। उन्होंने आपको दिखाया है कि कैसे समय, अनुभव, परिपक्वता, उच्च स्तर पर खेलना और यहां तक कि कप्तानी की जिम्मेदारी भी उनमें बदलाव लेकर आयी। यह सही है कि ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान को उच्च मानदंड स्थापित करने की जरूरत होती है पर यदि उससे गैरजरूरी उम्मीदें रखी जाती हैं तो फिर बहुत कम विकल्प बचेंगे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

दूषित हवा से आंखों को कैसे बचाएं?

देश के कई शहरों में प्रदूषण का स्तर अब भी खतरनाक स्तर पर बना हुआ है, जिसकी वजह से जुकाम, गले में खराश, खांसी और सांस से जुड़ी बीमारियों में भी वृद्धि हुई है। जहरीली हवा सिर्फ फेफड़ों को ही नहीं बल्कि दिल, किडनी, दिमाग के साथ आंखों को भी प्रभावित करती है। कोविड-19 और प्रदूषण से बचने के लिए लोग मास्क जरूर पहन रहे हैं, जिससे आपके फेफड़े और अन्य अंगों को नुकसान कम पहुंचेगा, लेकिन आंखों को बचाने के लिए क्या करना है ये कोई नहीं जानता।

आंखों किस-किस तरह नुकसान पहुंचा सकती है जहरीली हवा?

प्रदूषण का कहर हमारे शहरों और कस्बों में फैल रहा है। सामान्य तौर पर लोगों का मानना है कि प्रदूषण ज्यादातर हमारे फेफड़ों को प्रभावित करता है, लेकिन यह जान लेना जरूरी है कि यह प्रदूषण हमारी आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर रूप से हानिकारक है। जैसे ही जहरीले प्रदूषण आंख की बाहरी सतह, विशेष रूप से कॉर्निया और कंजाक्टिवा के संपर्क में आते हैं, तो इससे आंखों में खुजली, जलन महसूस होने लगती है। कई बार जलन इतनी तेज होती ही है कि आंखें लाल हो जाती हैं। आंखों को लगातार रगड़ने से कॉर्निया पतला हो सकता है। विशेष रूप से बच्चे अगर लंबे समय तक आंखों को रगड़ते हैं, तो इससे कॉर्नियल पतला हो सकता है और केराटोकोनस नाम की आंखों से जुड़ी गंभीर बीमारी हो सकती है। जिसकी वजह से आंखें कमज़ोर हो जाती हैं और धुंधला दिखने के साथ पास की दृष्टि खराब होती है।

साथ ही आपको ड्राई आइज की दिक्कत शुरू हो सकती है, जिससे एक बार फिर कोर्निया को नुकसान पहुंचता है। विशेष रूप से सर्दियों में स्मॉग के कारण गंभीर रूप से आंखें ड्राई हो सकती हैं और जलन के साथ पानी निकलने के लक्षण पैदा हो सकते हैं। ऐसे में आंखों में संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

प्रदूषण से आंखों को कैसे बचाएं?

डॉ. ऋषि भारद्वाज ने बताया कि दूषित हवा से आंखों को सुरक्षित

रखने के लिए जरूरी है कि लोग बाहर निकलते समय धूप का चश्मा पहनने, खुद को हाइड्रेट रखें, आंखों को जोर से रगड़ने से बचें, अपनी आंखों को छूने से पहले हाथ धोना न भूलें, लैपटॉप और मोबाइल का उपयोग कम से कम करें और आखों को झपकना न भूलें। हर 20 मिनट बाद 20 सेकेंड के लिए आंखों को आराम दें। एक नेत्र चिकित्सक द्वारा बताई गयी आई ड्रॉप को ही आंखों में डालें। हालांकि इनका उपयोग सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही करें।

हंसना हर हाल में अच्छी सेहत की निशानी है। हंसी के ठहाकें हमारी जिंदगी की जरूरत हैं। हंसने से ना सिर्फ हमारी सेहत इंप्रूव रहती है बल्कि बॉडी में ऑक्सीजन लेवल भी बढ़ता है। खुश रहकर मुस्कुराकर हंस बोल कर आप जिंदगी की हर मुसीबत का मुकाबला कर सकते हैं। हंसी के जरिए आप अपनी इम्यूनिटी बढ़ा सकते हैं, स्ट्रेस को दूर कर सकते हैं। सांस फूलने की समस्या का भी उपचार कर सकते हैं। जरूरी नहीं है कि आपको जब हंसी आए तभी आप हंसे। आप झूटी हंसी भी हंसते हैं तो आपकी सेहत को फायदा पहुंचता है यह बात एक रिसर्च में सामने आई है

तनाव कम करती है हंसी

झूठी हंसी से मिलता है एंग्जाइटी से छुटकारा:

अध्ययन के मुताबिक फेक हंसी भी आपको एग्जाइटी और तनाव से छुटकारा दिला सकती है। तनाव और बेचैनी को भगाने के लिए हंसना बेस्ट एक्सरसाइज है। हाल ही में ब्रिटेन के ब्रिंघटन में छठी कक्षा के बाद लाफ्टर थेरेपी को शामिल किया गया है, जिसमें चेहरे पर हंसी लाने का अभ्यास कराया जाता है। इसमें ताली बजाते हुए या डांसिंग करते हुए हा हा हा करके झूठी हंसी हंसने का अभ्यास किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक झूठी हंसी हंसते हुए हा हा हा करना भी हंसने के बराबर ही फायदा पहुंचाता है।

डेली मेल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक बॉडी की सेहत के लिए हंसना बेहद उपयोगी है। रिपोर्ट के मुताबिक एक युवा को रोजाना औसतन 17 बार जरूर हंसना चाहिए। हंसने से शरीर पर कई तरह के असर होते हैं जिनसे तनाव को भगाने में मदद मिलती है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में इवोल्यूशनरी साइकोलॉजी के प्रोफेसर रोबिन डनबार ने बताया कि हंसने की फिजिकल एक्टिविटी लंग्स में मौजूद डायफ्राम को पंप करती है। इससे लंग्स में मौजूद नकारात्मक एयर का निकास होने लगता है। इस प्रक्रिया में ब्रेन से इंडोर्फिन रसायन निकलता है, जो तनाव को कम करता है और हमें खुश रखता है।

> इंडोर्फिन के रिलीज होने से पूरे शरीर को आराम मिलता है। इससे कार्टिसोल हार्मोन का स्तर कम हो जाता है, जो तनाव को बढ़ाता है। इंडोर्फिन के कारण नाइट्रिक ऑक्साइड निकलता है जो मसल्स में आए तनाव को कम करता है। नाइट्रिक ऑक्साइड के कारण ब्लड वेसल्स भी चौड़े होने लगते हैं। यही वजह है कि झूठी हंसी हंसने से भी ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है

इंडोर्फिन हार्मोन किस तरह हमें रखता है खुश:

इंडोर्फिन के रिलीज होने से पूरे शरीर को आराम मिलता है। इससे कार्टिसोल हार्मोन का स्तर कम हो जाता है, जो तनाव को बढ़ाता है। इंडोर्फिन के कारण नाइट्रिक ऑक्साइड निकलता है, जो मसल्स में आए तनाव को कम करता है। नाइट्रिक ऑक्साइड के कारण ब्लड वेसल्स भी चौड़े होने लगते हैं। यही वजह है कि झूठी हंसी हंसने से भी ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। झूठी हंसी हंसने से भी दिमाग के हाइपोथैलमस सक्रिय हो जाता है जो तनाव और एंग्जाइटी को कम करने में मदद करता है।

दूध में अदरक मिलाकर पीने से दूर होंगी कई बीमारियां

अदरक हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है और इसमें पाए जाने वाले गुण आपकी सेहत को हमेशा सुरक्षित रखत हैं। अदरक की चाय तो आपने कई बार भी होगी और ये हर किसी को पसंद होता है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी की अगर आप दूध में अदरक मिलाकर पिया जाए जो इसके फायदे दो गुने हो जाते हैं। सभी जानते हैं कि एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो आपको वायरल फ्लू, जैसी बीमारियों में ठीक कर देता है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि अदरक को दूध में डालकर पिया जाए तो इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं। ऐसे मे चलिए जानते हैं कि कैसे आप अदरक के दूध का सेवन कर सकते हैं और साथ ही ये आपकी सेहत के लिए किस तरह से फायदेमंद है, तो जानें कि दूध में अदरक मिलाने से क्या-क्या फायदा हो सकता है और आप इसे घर पर कैसे बना सकते हैं।

पाचन शक्ति : अगर आपकी पाचन क्षमता अच्छी नहीं है तो ऐसे में आपको इसका सेवन करना चाहिए। साथ ही ये कब्ज,पेट दर्द,एसिडिटी,एसिड रेफ्लक्स से पाचन तंत्र की रक्षा करते हैं। ऐसे में आप नाश्त के बाद अदरक के दूध का सेवन करें ये आपको फायदा पहुंचाएगा।

हड्डियां होंगे मजबूत: हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करती हैं। दूध का सेवन करने से हड्डियों की कमजोरी दूर होती है और यदि दूध के साथ अदरक को मिलाकर इसका सेवन रोज किया जाए, तो इनमें मौजूद एंटी इंफ्लैमेटरी गुण हड्डियों को मजबूती देने के साथ उसकी सूजन को भी कम कर देते है।

इम्यूनिटी बढ़ाए : कोरोना के काल में अगर आप अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के सीच रहे हैं तो ऐसे में आप अदरक वाले दूध का सेवन कर सकते हैं, क्योंकि अदरक में एंटी बैक्टीरियल गुण पाये जाते है, जो शरीर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में अहम भूमिका निभाते है।

पेट का दर्द : अदरक के इस्तेमाल से आपके खराब पेट को भी दुरुस्त किया जा सकता है। दरअसल अदरक में भरपूर मात्रा में एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो आपको पेट दर्द में आराम दिलाएंगे। इसे बनाने के लिए आप एक चम्मच अदरक पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से आराम मिलता है।

दादी-नानी को अपने बच्चों से प्यारे होते हैं पोते-पोतियां

अक्सर दादी-नानी को अपने पोते-पोतियों से गहरा प्यार और लगाव होता है। एक हालिया अध्ययन के आधार पर वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर मुहर लगा दी है कि दादी-नानी का लगाव अपने बच्चों से ज्यादा पोते-पोतियों से होता है। नए अध्ययन से पता चला है कि दादी अपनी संतान की तुलना में पोते-पोतियों से अधिक भावनात्मक रूप से जुड़ी हो सकती हैं। अध्ययन के दौरान अमेरिकी वैज्ञानिकों ने प्रतिभागी दादियों के दिमाग को उस वक्त स्कैन किया, जब वे अपने पोते-पोतियों की तस्वीरों का दीदार कर रही थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अपने पोते-पोतियों की तस्वीरों को देखते हुए दादी के मस्तिष्क के भावनात्मक सहानुभूति से संबंधित क्षेत्र सक्रिय हो गए। भावनात्मक सहानुभूति तब होती है, जब हम किसी अन्य व्यक्ति के समान भावना महसूस करते हैं। जैसे कि सामने वाले को अगर दर्द हो तो उससे हम भी खुद को असहज और संकट में महसूस करें।

इसके विपरीत जब प्रतिभागियों ने पोते-पोतियों की बजाय बेटे और बेटियों की तस्वीरें देखीं तो उनके मस्तिष्क का संज्ञानात्मक सहानुभूति से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्र सक्रिय हुए। संज्ञानात्मक सहानुभूति तब होती है, जब आप किसी दूसरे की भावनाओं को समझ सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप बिल्कुल वही महसूस कर रहे हैं, जो सामने वाला महसूस कर रहा हो।

सुख-दुख महसूस करती हैं दादियां

यह संभव है कि नानी उन्हीं भावनाओं का अनुभव करने में सक्षम होती हैं, जो उनके पोते या पोती अनुभव कर रहे हैं। प्रमुख अध्ययनकर्ता एवं एमोरी यूनिवर्सिटी में ऐन्थ्रपालजी (मानव-शास्त्रत्) के प्रोफेसर जेम्स रिलिंग ने कहा, डाटा में वास्तव में भावनात्मक सहानुभूति से जुड़े मस्तिष्क के क्षेत्रों में सक्रियता देखी गई है। यह अध्ययन, दादी के मस्तिष्क के कार्य की जांच करने वाला पहला अध्ययन है।

ऐसे निकाला गया निष्कर्ष

- शोधकर्ताओं ने दादी-नानी को पोते-पोती के तस्वीर दिखाकर उनका मस्तिष्क स्कैन किया।
- पोते-पोती की तस्वीर देखकर दादी के मस्तिष्क के भावनात्मक सहानुभूति से जुड़े भाग सक्रिय हुए।
- वहीं अपनी संतानों की तस्वीरों के दीदार से संज्ञानात्मक सहानुभूति से जुड़े मस्तिष्क भाग सक्रिए हुए।
- पोते-पोती, दादी-नानी की देखभाल अधिक प्रभावी तरीके से कर सकते हैं।
- 03 से बारह साल के पोते-पोतियों की तस्वीरें दिखाई गईं बुजुर्ग प्रतिभागी महिलाओं को।

तस्वीरें दिखाई गईं

शोधकर्ताओं ने 50 दादी-नानी के दिमाग को उस वक्त स्कैन किया। सभी को उनके तीन से 12 साल की उम्र के पोते-पोतियों की तस्वीरें दिखाई गईं। इस दौरान उन्हें अपनी संतानों की तस्वीरें भी दिखाई गईं। प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों से जुड़ी प्रश्नावली के जवाब भी दिए। निष्कर्षों से पता चला कि संतानें माता-पिता को अधिक समझती हैं, लेकिन भावनात्मक लगाव पोते-पोती और दादी के बीच अधिक होता है।

बच्चों की देखभाल में प्रमुख सहयोगी

शोधकर्ता रिलिंग का कहना है, हम अक्सर मानते हैं कि माताओं के बाद पिता ही बच्चों की सबसे अच्छी तरह से देखभाल करने वाले होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में, माताओं के लिए बच्चों की देखभाल के मामले में उनकी दादी प्राथमिक सहायक होती हैं। दादी-नानी अपने पोते-पोतियों के जीवित रहने की संभावनाओं को बढ़ाने में मदद करती है।

शुगर के मरीजों के लिए रामबाण है मखाना

औषधीय गुणों से भरपूर मखाना ऐसा ड्राईफ्रूट है, जो सेहत के लिए बेहद उपयोगी है। कम कौलोरी और फाइबर से भरपूर मखाना किडनी और दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। यह बॉडी की कमजोरी को दूर करता है, साथ ही बॉडी को एनर्जेटिक भी रखता है। कैल्शियम से भरपूर मखाना खाने से हड्डियां मजबूत होती है। डायबिटीज और जोड़ों के दर्द में मखाना बेहद फायदेमंद है, यह तनाव से मुक्ति दिलाता है। मखाना में प्रोटीन और फाइबर के साथ-साथ कैल्शियम, मैग्निशियम, आयरन और फॉस्फेरस होता है। मखाना एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर होता है। यह सूजन और पुरानी बीमारी से हमें बचाता है।

आप जानते हैं कि इतने गुणों से भरपूर मखाना का सेवन करने से बॉडी में ग्लूकोज के स्तर में सुधार होता है, और साथ ही दिल की सेहत भी अच्छी रहती है। इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। शुगर के मरीज अपनी डाइट बेहद सोच-समझ कर लेते हैं ऐसे लोगों के लिए मखाना खाना बेहद उपयोगी है। आइए जानते हैं कि मखाना खाने से सेहत को कौन-कौन से फायदे होते हैं।

मखाने के फायदे

शुगर कंट्रोल करते हैं मखाने:

मखाना में ढेर सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो बॉडी को हेल्दी रखते हैं, साथ ही शुगर लेवल को भी कंट्रोल करते हैं। शुगर के मरीजों में इंसुलिन का उत्पादन कम होता है, जिसके कारण डायबिटीज के रोगी हमेशा थकान महसूस करते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए मखाना बॉडी को एनर्जी देता है, साथ ही शुगर को कंट्रोल भी करता है। मखाना का इस्तेमाल आप मखाना की खीर बनाकर भी कर सकते हैं।

दिल को सेहतमंद रखते हैं मखाने:

मखाना ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जो शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कंट्रोल में रखता है। ये हेल्दी स्नैक्स दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में बेहद असरदार है।

मोटापा कंट्रोल करते हैं:

मखाना में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन होता है, जो वजन को कंट्रोल करने में बेहद असरदार है। फाइबर से भरपूर मखाना पेट को लंबे समय तक भरे रखता है। कम कैलोरी का यह हेल्दी स्नैक्स उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है, जिन्हें ज्यादा भूख लगती है।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं:

फाइबर से भरपूर मखाना पाचन प्रकिया और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। इसके सेवन से पेट की समस्या जैसे अपच, कब्ज से निजात मिलती है।

हड्डियां स्ट्रॉन्ग बनाते हैं:

मखाना में कैल्शियम और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। मखाना खाने से ऑस्टियोपोरोसिस, आर्थराइटिस और ज्वाइंट पेन की समस्या से छुटकारा मिलता है।

पथरी के दर्द से पाएं छुटकारा

व्यक्ति कब कौन सी बीमारी से घिर जाए, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। कभी बदलते मौसम की वजह से, तो कभी हमारे अनहेल्दी खानपान की वजह से भी हम बीमार पड़ जाते हैं। कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जिनसे हम कुछ समय बाद ठीक हो जाते हैं, जबकि कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो हमारे साथ हमेशा के लिए जुड़ जाती हैं। व्यक्ति पथरी की समस्या से भी ग्रसित होते हैं, जिसकी वजह से हालत काफी खराब हो जाती है। इसमें बर्दाश्त के बाहर वाला दर्द होता है। ऐसे में दवाओं और कई बार तो पथरी का ऑपरेशन तक करना पड़ता है और तब कहीं जाकर पथरी का इलाज हो पाता है, लेकिन इसके कुछ घरेलू उपाय भी हैं, जो आपको पथरी के दर्द में राहत देने का काम करेंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

नारियल पानी

नारियल पानी के अंदर एंटी लिथेजेनिक नाम का एक खास तत्व पाया जाता है, जो किडनी स्टोन के दर्द से निजात दिलाने में कारगर माना जाता है। साथ ही इसमें फाइबर काफी कम मात्रा में होता है।

ऐसे में नारियल पानी का सेवन करने किडनी स्टोन के मरीजों को लाभ मिल सकता है।

हर्बल चाय

हर्बल चाय में मौजूद गुण पथरी के दर्द में छुटकारा दिलाने का काम करते हैं। ये किडनी स्टोन को रोकने के साथ ही इसके दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं। सुबह और शाम के समय आप हर्बल टी का सेवन कर सकते हैं।

नींबू पानी

नींबू पानी का सेवन करने से ये किडनी स्टोन को बाहर निकालने में मदद कर सकता है। नींबू पानी में पाए जाने वाले सिट्रेट नाम का तत्व कैल्शियम डिपॉजिट को तोड़ने में काम करता है। साथ ही इसका सेवन करने से ये किडनी पथरी के दर्द में भी आराम देने का काम करता है।

आज की रेसिपी

टेस्टी मैगी

मैगी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती लेकिन बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई इसे बड़े चाव से खाता है। चाय की तरह मैगी भी कई लोगों के लिए इमोशन है। मैगी के एक ही फ्लेवर को खाते-खाते लोग अक्सर बोर हो जाते हैं, तो इसके साथ एक्सपेरिमेंट भी खूब किए जाते हैं। सादा उबालने वाली मैगी से लेकर फ्राई मैगी तक अलग लोगों के हाथ से आपको मैगी का अलग स्वाद मिलेगा। अगर आप मैगी के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट करना चाहते हैं और टैंगी फ्लेवर पसंद है तो सूप वाली मैगी की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं।

सामग्री

- इसके लिए आपको चाहिए टमैटो सूप का पैकेट। आप अपने पसंद का ब्रैंड चुन सकते हैं। मैगी, बटर, पानी, लाल मिर्च पाउडर, हरा धनिया, प्याज।

विधि

- सूप वाली मैगी बनाने के लिए आप सबसे पहले पैन में पानी रखें। इसमें सूप का पाउडर डालें। पाउडर घुल जाए तो इसमें कटा प्याज डालें। इसके बाद मैगी तोड़कर डाल लें। मैगी जब उबलने लगे तो इसमें मैगी मसाला और लाल मिर्च पाउडर भी डाल लें। ध्यान रखें सूप में पहले ही नमक होगा, तो अलग से नमक बिल्कुल न डालें। वहीं मैगी मसाले और सूप दोनों में नमक होगा तो जरूरी नहीं आप मैगी मसाला पूरा लें या सूप का पाउडर भी कम कर सकते हैं। मैगी उबल रही हो तो इसमें कटा धनिया डाल लें। मैगी पक जाए तो गैस बंद कर दें। पानी कम या ज्यादा जैसा भी रखना है ये आपकी पसंद पर निर्भर करता है। बस मैगी को इसमें ज्यादा गलाएं नहीं वर्ना फूली हुई मैगी का टेस्ट इतना अच्छा नहीं आएगा।

दोपहर में नींद की झपकी लेने के फायदे

दोपहर की नींद का नाम सुनते ही फिल्म 3 ईडियट्स में प्रोफेसर सहस्त्रबुद्धे की छवि सामने आ जाती है। इस भूमिका को एक्टर बोमन ईरानी ने बखूबी निभाया था। सहस्त्रबुद्धे हर रोज दिन में सिर्फ 7.5 मिनट की नींद की झपकी लेते थे। वहीं असल लाइफ में भी कई लोग दिन में भी नींद की झपकी लेना बहुत जरूरी मानते हैं, तो कई बार लोग दिन में सिर्फ 5 से 10 मिनट की झपकी लेकर भी बहुत रिलेक्स महसूस करते हैं। अंदाजन 1 से 2 घंटे की झपकी लेना सेहत के लिए अच्छा होता है। वहीं अगर कई लोग सुबह जल्ठी उठते हैं, तो दिन में कुछ देर सोना उनके लिए जादू की झप्पी की तरह होता है। नींद का मस्तिषक पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

आइए जानते हैं दिन में नींद झपकी लेने से क्या फायदे होते हैं -

- दिन में नींद की 1 घंटे झपकी लेने से शरीर के मसल्स को आराम मिलता है। दिमाग रिलैक्स हो जाता है।
- इसलिए अक्सर सो कर उठने के बाद इंसान अधिक तेजी से काम करने लगता है।
- अक्सर महिलाएं सुबह उठकर सभी काम करती है और रात में देर तक काम करती है। दिन में नींद की झपकी से बॉडी को बहुत हद तक आराम मिल जाता है।
- जॉब करने वाले या सुबह 7 बजे स्कूल जाने वाले बच्चों को दिन में 15 मिनट की झपकी भी बहुत रिलैक्स महसूस कराती है। बच्चे दिन में 2 घंटे तक भी सोते हैं और वह उनके लिए फायदेमंद भी है। वहीं जॉब करने वाले दिन में ऑफिस में रहते हैं। लेकिन वक्त मिलने पर 15 मिनट की झपकी जरूर निकालना चाहिए। इससे अलर्टनेस बढ़ती है। और काम भी अधिक अच्छे से होता है।
- कई बार लोग ठीक से नींद पूरी नहीं होने से बहुत चिड़चिड़े हो जाते हैं। मूड स्विंग होने लगता है, दिनभर थकान रहती है, आलसीपन बना रहता है। दिन में सोने मात्र से भी इंसान बहुत रिलैक्स महूसस करता है।
- कुछ लोग होते हैं, जिन्हें दिन में चाय पीने की आदत होती है उसी तरह कुछ लोगों को दिन में 15 मिनट सो जाने मात्र से ही दिमाग की नसें रिलैक्स हो जाती है और काफी रिलैक्स महसूस करता है सच्चाई यह भी है कि जो लोग बहुत अधिक सोते हैं उनका दिमाग तेज चलता है, वह जल्दी और सटीक निर्णय लेने में कुशल होते हैं।

कविता

मैं तो अपनी मां की कोख में था
यहां तो एक अंधेरी दुनिया है
इस अंधेरे में किसी तरह का खौफ नहीं
इससे बाहर की दुनिया क्या है?
मुझे तो पता भी नहीं
उस दुनिया को देखने के लिए
अभी तो मैं तैयार ही हो रहा था
मैं तो अपनी मां के खाए हुए अंश
और उनकी सांसों से
खुद को बाहर आने के लिए तैयार कर रहा था
लेकिन उससे पहले ही
तुमने (आतंकी)
अपने हथियारों से
मेरी मां को बेमौत मार दिया
भला, मैं कैसे जिंदा रह पाता
मेरी सांसें तो मां की सांसों से जुड़ी थी
और मेरी मां ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था?
वो तो बड़ी प्यारी थी
हर मां के बेटे को
अपने बच्चे की तरह चाहती थी
शायद,
तुम नफरत आंधी में
इतने डूबे हुए थे कि
तुम्हें मेरी मां की ममता का
उसके स्नेह का
रंचमात्र भी एहसास नहीं हुआ
क्या
तुम्हारी मां ऐसी नहीं थी?
शायद,
तुमने उसके प्यार को समझा ही नहीं
और, तुमने मांओं, बच्चों तक पर गोलियां दाग दी
क्या ऐसा किसी धर्म ने पढ़ाया तुम्हें?
तुम्हारे धार्मिक गुरू ने बताया तुम्हें
शायद, सब तुम्हें गुमराह कर रहे हैं
तुम अनपढ़ हो
इसलिए हथियार का धर्म सीख लिया तुमने
इंसानियत को खाक में मिला दिया तुमने
तुम हैवान बन गए
तुम्हें इंसान नहीं चाहिए
बस, तुम खुद आतंकवादी बनकर
इंसानियत का खून कर रहे हो
रब की अनमोल बातों को दरकिनार कर रहे हो
मैं तो यह नहीं कहूंगा-
कि तुमने अपनी मां की कोख को बदनाम किया है
मुझे तो यही पता है
कि हर मां की कोख पवित्र होती है
मैं तो अभी अपनी मां की कोख में हूं
मुझे यही एहसास है
मैं जब अपनी मां की कोख से बाहर आ पाता
तब मुझे पता चलता
कि तुम जैसा बेटा आतंकवादी होता है
जो सिर्फ मां की कोख को बदनाम कर रहा है
तुम जैसे आतंकवादी की हरकतों से
लगता है कि
इस दुनिया में आने से तो अच्छा है
मां की कोख में ही रहा जाए
देखो, तुम्हारी दुनिया में आने की बजाय
मैं तो अपनी प्यारी मां के साथ ही रह गया
शायद, बाहर आता तो देख पाता
तुम जैसे आतंकवादी का चेहरा
यह भी महसूस करता
कि लश्करे तोएबा ने कैसे तुम्हें तुम्हारी मां से अलग किया
हो सके तो कभी
तुम मां के उस दर्द को महसूस करना
जिसने तुम्हें नौ महीने तक अपनी कोख में रखा
मगर आज, जो तुमने अपने आकाओं के कहने पर
तथाकथित धर्म के नाम पर
जेहाद के नाम पर
किसी गर्भवती मां को मारकर
जन्नत पाने का सपना देख रहे हो
जिस जन्नत की चाह में यह सब कुछ कर रहे हो
उसे किसी ने आज तक देखा तक नहीं है
मैंने तो अपनी मां की कोख में रहकर भी
यही सुना है कि
कोई धर्म नहीं सिखाता
कि गर्भवती/मांओं को मारने से जन्नत मिलती है
असली जन्नत तो मां के कदमों में है
और असली धर्म तो मां के सिखाए पाठ में है
जो हमें रोशनी वाली दुनिया में लाती हैं
और इंसानियत का पाठ पढ़ाती हैं
हथियार नहीं उठाना, नफरत नहीं करना
बल्कि,
हर किसी से प्यार करना सिखाती हैं।

-नवीन कुमार
प्रतीक्षा नगर, सायन (पूर्व), मुंबई
मो. 9820664643